राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 9 अंक 322

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, शुक्रवार, 1 मई, 2026

www.jagran.com

पृष्ठ 14

अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि 6' के लिए तैयार हैं हम

- बोले डीआरडीओ प्रमुख- अग्नि 6 देश की सबसे उन्नत मिसाइल
- लंबी दूरी की मारक क्षमता बढ़ाने पर फोकस, सरकार की हरी झंडी का इंतजार
- हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल का परीक्षण जल्द, क्रूज संस्करण पर भी काम जारी

नई दिल्ली, एएनआइ : पश्चिम एशिया के संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के अनुभवों ने आधुनिक युद्ध में मिसाइलों और ड्रोन की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया है। इसी परिप्रेक्ष्य में भारत भी लंबी, मध्यम और कम दूरी की मिसाइलों तथा ड्रोन क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर दे रहा है। इसी क्रम में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने कहा कि वह अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-6' के विकास के लिए पूरी तरह तैयार है। डीआरडीओ प्रमुख समीर वी कामत ने गुरुवार को कहा कि यह कार्यक्रम केंद्र सरकार के निर्णय पर निर्भर है और मंजूरी मिलते ही संगठन इसे आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

बता दें कि भारत वर्तमान में अग्नि-5 को तैनात कर चुका है, जो 5000 किमी से अधिक की रेंज वाली मिसाइल है। इसका एमआइआरवी परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। इस परीक्षण में एक मिसाइल पर कई वारहेड लगाकर अलग-अलग निशाने साधे जाते हैं। वहीं अग्नि 6 की मारक क्षमता 10 हजार किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी तक होगी। इस मिसाइल की जद में चीन के महत्वपूर्ण सामरिक ठिकाने होंगे।

समाचार एजेंसी एएनआइ के राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन 2.0 में डीआरडीओ प्रमुख कामत ने कहा कि अग्नि-6 एक उन्नत अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल होगी। इसकी मारक क्षमता भारत की अग्नि श्रृंखला की मौजूदा प्रणालियों की तुलना में अधिक होगी और क्षमताएं भी बेहतर होंगी।

नई दिल्ली में गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते (बाएं से) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, डीआरडीओ के अध्यक्ष डा. समीर वी कामत और एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित। एएनआइ

एंटी शिप मिसाइल पर भी चल रहा काम

सम्मेलन में डीआरडीओ अध्यक्ष कामत ने यह भी उल्लेख किया था कि भारत का एलआर-एएसएचएम (लांग रेंज-एंटी शिप हाइपरसोनिक मिसाइल) हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल कार्यक्रम भी उन्नत चरण में पहुंच गया है, और जल्द ही प्रारंभिक परीक्षण होने की उम्मीद है। कामत ने कहा कि भारत हाइपरसोनिक ग्लाइड और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल, दोनों प्रणालियों पर काम कर रहा है, जिसमें ग्लाइड संस्करण वर्तमान में विकास के मामले में आगे है।

10 हजार किमी होगी अग्नि 6 की मारक क्षमता

- हल्के पेलोड के साथ यह 14-16 हजार किमी तक भी जा सकती है
- एक मिसाइल पर कई परमाणु वारहेड लगाए जा सकते हैं
- 3 टन (3,000 किलोग्राम) का परमाणु या थर्मोन्यूक्लियर वारहेड लगा सकते हैं
- 11 वारहेड ले जा सकती है एक मिसाइल। हर वारहेड 250 किलोटन तक की शक्ति वाला
- 55,000 से 70,000 किलोग्राम (55-70 टन) तक वजन होगा एक मिसाइल का
- 30870 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है अग्नि 6 मिसाइल की रफ्तार

आवाज से 10 गुना तेज होगी एंटी शिप मिसाइल

- नौसेना की तटीय जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही हाइपरसोनिक मिसाइल
- सटीकता के लिए इसमें स्वदेशी एवियोनिक्स और अत्याधुनिक सेंसर लगाए गए हैं
- मिसाइल की मैक 10 (ध्वनि की गति से 10 गुना) यानी 12,000 किमी/घंटा तक की अधिकतम रफ्तार
- एलआर-एएसएचएम अधिकतम 1,500 किलोमीटर दूर तक मार कर सकती है
- यह बैलिस्टिक मिसाइल की तरह सीधी नहीं जाती, बल्कि दिशा बदलते हुए लक्ष्य की तरफ बढ़ती है
- कम ऊंचाई पर उड़ान भरने के कारण ये मिसाइल दुश्मन के जमीनी और समुद्री राडार की पकड़ में नहीं आती

मिसाइल-ड्रोन की तुलना में लड़ाकू विमान किफायती : एयर मार्शल दीक्षित पेज>>3

जागरण विशेष

नई पहचान पाकर दमक उठी रविंद्रनगर की चेतना

लखीमपुर : जानिए पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से आए हिंदुओं के संघर्ष व संस्कृति की कहानी, जिनके गांव का सीएम योगी ने नाम बदलकर दी नई पहचान। • पेज-7

संपादकीय

नारी सशक्तीकरण का स्रोत उज्ज्वला:

उज्ज्वला योजना इसका भी प्रमाण बनी कि जब नीतियां संवेदनशीलता के साथ बनती हैं, तो करोड़ों जिंदगियां बदल देती हैं। **धर्मेंद्र प्रधान** का आलेख।

एफटीए का लाभ उठाने की चुनौती: जब तक हमारे युवा कौशल के वैश्विक मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे, तब तक एफटीए के लाभ सीमित ही रहेंगे। **कुमार रोहित** का विश्लेषण। • पेज-8

विमर्श

नई विश्व व्यवस्था में भारत-रूस संबंध: भारत का उद्देश्य रूस के साथ अपने संबंध को एक ऐसे बड़े रणनीतिक ढांचे के अनुसार ढालना है, ताकि विश्व व्यवस्था के साथ तालमेल बना रहे। **प्रो. एम एल मीणा** का विश्लेषण।

कौशल विकास से ही संभव प्रगति: रोजगार एक बड़े मुद्दे के रूप में उभर रहा है। ऐसे में पीएम विकास योजना के तहत बड़ी संख्या में युवाओं को हुनरमंद बनाने का प्रयास किया जा रहा है। **प्रो. योगेश कुमार** का आलेख। • पेज-9

आनलाइन गेमिंग के नए नियम लागू, खेल सुरक्षित बनाने पर जोर

नई दिल्ली : अगर आप मोबाइल या कंप्यूटर पर गेम खेलते हैं, तो आज से आपके अनुभव में बदलाव दिख सकता है। सरकार ने एक मई 2026 से आनलाइन गेमिंग के नए नियम लागू कर दिए हैं, जिनका मकसद खेल को ज्यादा सुरक्षित, साफ-सुथरा और भरोसेमंद बनाना है। इन नियमों से जहां खिलाड़ियों को ठगी या गलत तरीकों से सुरक्षा मिलेगी, वहीं गेम बनाने वाली कंपनियों के लिए भी स्पष्ट नियम तय हो जाएंगे। अब हर गेमिंग प्लेटफार्म को रजिस्ट्रेशन कराना होगा और अपनी जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। (पेज-5)

साइबर ठगी में चार बैंक मैनेजर समेत आठ गिरफ्तार

कानपुर : आइपीएल मैचों में सट्टा व प्रतिबंधित किए जा चुके आनलाइन गेमों को खिलाने वाले गिरोह के फरार आरोपितों की तलाश के साथ उनके बैंक खातों की जांच हुई तो पुलिस के हत्थे साइबर ठगों का बड़ा गिरोह चढ़ गया। गिरोह में शामिल चार बैंक मैनेजरों समेत आठ ठगों को गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। कर्नाटक के जामिया इस्लाहुल बनात ईसी ट्रस्ट काराजगी के खाते में भी साइबर ठगी के 30 करोड़ रुपये भेजे गए, जिससे हवाला व आतंकी फंडिंग की आशंका में जांच की जा रही है। (पेज-6)

कच्चा तेल 126 डालर प्रति बैरल, रुपया 95 के पार

भारत की दोहरी चिंता, तेल कंपनियों पर पेट्रोल-डीजल महंगा करने का बढ़ रहा दबाव

पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद ऐसे बढ़ा कच्चा तेल और डालर

- पूंजीगत खाते में घाटा हो सकता है बेलगाम, तेल कंपनियों की मुश्किलें भी बढ़ीं
- पूर्व की तरह पेट्रोल-डीजल की दरें थोड़ी-थोड़ी बढ़ने की आशंका

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

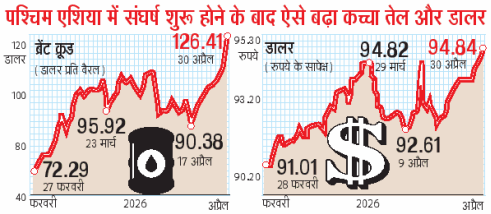

पश्चिम एशिया संकट को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता पर अनिश्चितताओं का असर भारत पर भी पड़ता दिखने लगा है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के असर को आम भारतीयों की जेब पर पड़ने से ज्यादा दिनों तक नहीं टाला जा सकता। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 126.41 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गईं जो पिछले चार में सबसे अधिक है। घरेलू मुद्रा बाजार में डालर के मुकाबले रुपया भी 95 के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया। इससे वित्त मंत्रालय से लेकर आरबीआइ तक के अधिकारियों के माथे पर दोहरी चिंता की रेखाएं गहरी हो गई हैं। वैसे बाजार बंद होने के समय रुपया 94.84 के स्तर पर (पिछले कारोबारी दिन के मुकाबले चार पैसे कमजोर) था, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि रुपया 95 के ऊपर अब असामान्य नहीं कहा जाएगा। इन घटनाक्रमों के बीच यह भी तय है कि सरकारी तेल कंपनियों के लिए अब पेट्रोल एवं डीजल की खुदरा कीमतों को मौजूदा स्तर पर रखना संभव नहीं होगा। आशंका है कि पूर्व की तरह इस बार भी पेट्रोल व डीजल की खुदरा कीमतें थोड़ी-थोड़ी करके बढ़ाई जाएंगी।

गुरुवार को बाजार खुलने के समय से ही भारतीय रुपया 95 के स्तर पर रहा और एक समय वह 95.34 के स्तर पर चला गया था।

इसके पहले रुपये ने 95 के स्तर को 30 मार्च, 2026 को पार किया था। गुरुवार को केंद्रीय बैंक के मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप से रुपये को फिर से 95 के स्तर से नीचे लाया जा सका।

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने का कारण कम आपूर्ति

कच्चे तेल की कीमतें 126 डालर तक पहुंचने के पीछे प्रमुख कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने को बताया जा रहा है। पश्चिम एशिया युद्ध में शामिल तीनों पक्षों की तरफ से युद्धविराम तोड़ने की कोशिश नहीं हुई है, लेकिन होर्मुज से कच्चे तेल की आपूर्ति की समस्या जस की तस बनी हुई है। भारत के कई टैंकर भी इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं। 126 डालर प्रति बैरल का स्तर आयात बिल को भारी भरकम बना देगा, जिससे चालू खाते का घाटा बढ़ेगा और पूंजीगत खाते में बेलगाम घाटे का खतरा पैदा हो गया है। युद्ध की शुरुआत (28 फरवरी, 2026) में क्रूड की कीमत 72 डालर प्रति बैरल थी, जो अब दोगुनी हो चुकी हैं।

एक डालर की वृद्धि से 8,000 करोड़ बढ़ता है आयात बिल

तेल कंपनियों की मोटे तौर पर गणना है कि कच्चे तेल की कीमत में एक डालर की वृद्धि भारत के तेल आयात बिल को 8,000 करोड़ रुपये बढ़ा देती है। पेट्रोलियम मंत्रालय का आंकड़ा बताता है कि वर्ष 2025-26 में भारत का तेल आयात बिल 121.8 अरब डालर था, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 11 प्रतिशत कम था। अप्रैल, 2026 में भारत की औसत खरीद कीमत 114.25 डालर रही है। साफ है कि अगर कच्चे तेल की कीमत इसी स्तर पर रहती है तो भारत का आयात बिल बहुत अधिक रहेगा। इसका मतलब है कि तेल कंपनियों की तरफ से डालर की मांग बढ़ेगी और इसका असर रुपये की कीमत पर भी होगा।

महंगा कच्चा तेल और कमजोर रुपया भारत में बढ़ा सकते हैं महंगाई

महंगा कच्चा तेल और कमजोर रुपया भारत में महंगाई बढ़ा सकते हैं। महंगाई की सबसे पहली मार पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में वृद्धि से पड़ने वाली है। पिछले दिनों पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया था कि तेल कंपनियों को पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर की अंडर रिकवरी रही है। अभी भी तकरीबन यही स्थिति है। माना जाता है कि चार बड़े राज्यों में चुनावों के मद्देनजर तेल कंपनियों ने पेट्रोल एवं डीजल की खुदरा कीमतें नहीं बढ़ाई थीं। अब वे इस बारे में फैसला कर सकती हैं।

दुष्कर्म से गर्भधारण पर गर्भपात कराने की नहीं होनी चाहिए कोई समय सीमा : सुप्रीम कोर्ट

- केंद्र को कानून में संशोधन पर विचार करने का दिया सुझाव, कहा-समय के साथ तालमेल होना चाहिए
- नाबालिग का गर्भ नष्ट करने का आदेश वापस लेने की एम्स की मांग ठुकराई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर महिला की प्रजनन स्वायत्तता और इच्छा को महत्व देने पर जोर दिया है। कहा है कि किसी नाबालिग बच्ची को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने अजन्मे बच्चे को नुकसान होने की दलील पर नाबालिग की गर्भावस्था जारी रखने की एम्स की मांग ठुकराते हुए कहा कि यह नाबालिग से दुष्कर्म का मामला है। पीड़िता को जिंदगीभर इस घटना का जख्म और आघात झेलना पड़ेगा।

कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह कानून में संशोधन करने पर विचार करे, ताकि दुष्कर्म से हुई गर्भावस्था के मामले में 20 सप्ताह बाद भी गर्भ समाप्त कराया जा सके। उसमें कोई समय सीमा लागू न हो। कानून को लचीला और बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने वाला होना चाहिए। साथ ही कानून में ऐसा बदलाव भी करे कि ऐसे मुकदमे एक सप्ताह के अंदर पूरे हो जाएं।

आखिर उस बच्ची को मुकदमे के दौरान होने वाले मानसिक तनाव को भी क्यों झेलना पड़े। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जोयमाल्या बागची की पीठ ने नाबालिग के 30 सप्ताह के गर्भ को नष्ट करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ एम्स द्वारा क्यूरेटिव याचिका दाखिल करने पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि चिकित्सा पेशेवरों के विशेष ज्ञान का सिद्धांत लोगों की इच्छा पर हावी नहीं हो सकता। डाक्टर मरीजों के लिए फैसले नहीं ले सकते। यहां तक कि जजों को भी तय प्रक्रिया के अनुसार ही काम करना होता है। निर्णय लेना नागरिक का अधिकार है। एम्स उसकी जगह निर्णय नहीं ले सकता। यह भ्रूण बनाम बच्ची की लड़ाई है। आप अजन्मे बच्चे की बात कर रहे हैं, लेकिन उस बच्ची की ओर नहीं देख रहे, जिसने इतना दर्द सहा है। बच्ची का हर हाल में गरिमामय जीवन होना चाहिए। आप उसके परिवार के बारे में सोचिए।

कोर्ट ने नाबालिग बच्ची के बारे में भावुक टिप्पणी करते हुए कहा कि यह बच्ची से दुष्कर्म का मामला है। उसे मां बनने पर मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। अगर उसे गर्भपात की इजाजत नहीं दी गई, तो उस पीड़िता को जिंदगी भर के लिए गहरा जख्म और मानसिक आघात झेलना पड़ेगा।

किसी पर भी थोपा नहीं जा सकता अनचाहा गर्भ पेज>>5

कान्हा टाइगर रिजर्व में नौ दिन में निमोनिया से बाघिन व चार शावक मरे

- सभी बाघों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मिला फेफड़ों में संक्रमण
- बाघिन का कुनबा खत्म होने से सकते में कान्हा प्रबंधन

नईदुनिया प्रतिनिधि, मंडला

कान्हा टाइगर रिजर्व में नौ दिन के भीतर एक बाघिन (टी-141) और उसके चार शावकों की एक-एक कर मौत हो गई। बाघिन व शावकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फेफड़ों में संक्रमण (निमोनिया) पाया गया है। प्रबंधन यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि बाघों में यह संक्रमण किसी अन्य जीव से आया या जंगल के ही किसी हिस्से में संक्रमण का स्रोत है। इससे पहले भी कान्हा में पांच अप्रैल को एक बाघिन की आपसी संघर्ष में मौत हो चुकी है।

डिप्टी डायरेक्टर पीके वर्मा ने कहा कि अब वेटरनरी विभाग की टीम घटनास्थल के आसपास के गांवों में श्वानों का सर्वे करेगी। उनकी बीमारी की स्थिति देखी जाएगी। कैमरा ट्रैप के माध्यम से बाघ सहित अन्य वन्य प्राणियों पर नजर रखी जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं उनमें निमोनिया के लक्षण तो नहीं हैं। आसपास के नौ गांवों में सर्वे कराया जा रहा है।

मृत बाघ का शव परीक्षण करते डाक्टर और वन्य प्राणी विशेषज्ञ। सौ. पार्क प्रबंधन

एक और एक्जिट पोल में बंगाल, असम में भाजपा की 'बड़ी जीत'

नई दिल्ली : गुरुवार को जारी एक नए एक्जिट पोल में भविष्यवाणी की गई है कि भाजपा बंगाल और असम में बड़ी जीत हासिल करेगी, जबकि द्रमुक तमिलनाडु की सत्ता में वापसी करेगा। टुडेज चाणक्य के एक्जिट पोल में केरलम में कड़ी टक्कर का अनुमान लगाया गया है। वैसे, विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में वोटों की गिनती चार मई को होगी और तभी सही तस्वीर का पता चलेगा। (पेज-4)

संसद व पुलवामा हमले में शामिल जैश के एक कमांडर की मौत

नई दिल्ली : पाकिस्तान में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को पाकिस्तान के बहावलपुर में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से जैश के शीर्ष कमांडर मौलाना सलमान की मौत हो गई। वह भारत में 2001 में संसद हमला और 2019 में पुलवामा हमले में शामिल था। (पेज-11)

आइपीएल 19 धूम धड़ाका

आज का मैच

राजस्थान रायल्स vs दिल्ली कैपिटल्स

शाम 7:30 बजे स्थान : जयपुर

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स/जियो हाटस्टार

दैनिक जागरण सप्तरंग

मनोरंजन की दुनिया का

ऐसा होगा मेरा एक दिन

सेट पर खेले खूब खेल : सैयामी खेर • पेज-13

बायोमीट्रिक वेरिफिकेशन के बिना भी दे सकेंगे नीट-यूजी

नई दिल्ली : मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी के ठीक पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने छात्रों को एक बड़ी राहत दी है। इसमें बायोमीट्रिक वेरिफिकेशन न होने की स्थिति में भी किसी भी छात्र को परीक्षा में बैठने से नहीं रोका जाएगा। ऐसी स्थिति में उनसे सिर्फ एक अंडरटेकिंग लेकर परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी जाएगी। (पेज-3)

मौसम का हाल

लगातार सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों के कारण देश के बड़े हिस्से में मौसम ने रंग बदला, अगले एक सप्ताह तक आंधी, बारिश, ओलावृष्टि का सिलसिला जारी रह सकता,

उत्तर भारत में हफ्ते भर तक गर्मी पर ब्रेक

- एनसीआर में तापमान में पांच-छह डिग्री तक गिरावट आएगी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्री-मानसून गतिविधियों के तेज होने और लगातार सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों के कारण उत्तर भारत सहित देश के बड़े हिस्से में मौसम ने गुरुवार को रंग बदला है। झुलसा देने वाली गर्मी से लोगों को राहत मिली। दोपहर बाद उत्तर भारत में कई जगह तेज अंधड़ के साथ बारिश हुई। एनसीआर में ओलावृष्टि भी हुई। इससे तापमान में गिरावट आई है। अगले एक सप्ताह तक आंधी, बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का सिलसिला जारी रह सकता है। इसका सबसे बड़ा असर गर्मी पर पड़ेगा और हीटवेव यानी लू पर अस्थायी ब्रेक लग जाएगा।

मौसम विभाग (आइएमडी) के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत इस बदलाव का केंद्र बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में एक मई से लेकर छह मई के बीच रुक-रुक कर बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं। 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। पहाड़ों में ऐसी गतिविधियां सीधे मैदानी इलाकों पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को प्रभावित करेंगी। देश के एक बड़े हिस्से में तीन से छह मई के बीच कई दौर की हल्की से मध्यम वर्षा, आंधी और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं।

एनसीआर के मौसम में विशेष हलचल होगी। यहां 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। साथ में बारिश और ओलावृष्टि की भी संभावना है। इससे तापमान में पांच-छह डिग्री तक गिरावट आएगी। राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम का ढंग मिश्रित रहेगा। पश्चिमी राजस्थान में एक से तीन मई तक लू चलने की संभावना है, लेकिन इसके बाद वही क्षेत्र आंधी-बारिश की चपेट में आ सकता है।

नोएडा में गुरुवार को सेक्टर 28 के पास हो रही वर्षा के बीच गुजरते वाहन। जागरण >>

बिहार-झारखंड में बन सकते हैं काल बैसाखी जैसे हालात

पूर्वी भारत में भी मौसमी गतिविधियां तेज होंगी। बिहार, झारखंड और बंगाल में काल बैसाखी जैसे हालात बन सकते हैं। 60 से 70 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाएं, ओलावृष्टि और बिजली गिरने का खतरा फसलों और जनजीवन दोनों के लिए चुनौती बन सकता है। पटना, गया, दरभंगा और भागलपुर जैसे क्षेत्रों में विशेष सतर्कता की जरूरत है। बता दें कि काल बैसाखी एक मौसम संबंधी घटना है जिसमें अप्रैल-मई के दौरान अचानक मौसम परिवर्तन होता है, तेज हवाएं चलती हैं और तूफान आते हैं।

जबलपुर में बरगी बांध में डूबा क्रूज, चार की मौत, 11 लोग लापता

- आंधी से असंतुलित होने के कारण क्रूज में पानी भरने के कारण हुआ हादसा
- कैप्टन सहित 30 पर्यटक सवार थे, 15 को सुरक्षित बाहर निकाला गया

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में स्थित बरगी बांध में गुरुवार शाम बड़ा हादसा हो गया। पर्यटकों से भरा क्रूज तेज आंधी से असंतुलित होकर डूब गया। घटना खमरिया टापू के पास शाम करीब छह बजे हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, क्रूज में कैप्टन सहित 30 लोग सवार थे। 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि रात आठ बजे तक चार शव बरामद किए गए हैं। 11 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है। घटना के बाद लापता क्रूज के कैप्टन महेश पटेल को रेस्क्यू में खोज लिया गया।

बरगी बांध में प्रतिदिन शाम को मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग का क्रूज पर्यटकों को सवारी कराता है। तेज हवाओं के चलते इस क्रूज में पानी भरने लगा और कुछ ही देर में वह नियंत्रण खोकर डूब गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई यात्री जान बचाने के लिए पानी में कूदते भी देखे गए। प्रशासन, पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू जुट गईं।

जबलपुर के बरगी बांध में डूब रहे क्रूज के पास नाव से रेस्क्यू करता दल। वीडियो ग्रैब

30 अप्रैल को पटियाला हाउस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने संसद सुरक्षा में चूक के चार आरोपितों की न्यायिक हिरासत चार मई तक बढ़ा दी है। विशेष न्यायाधीश अमित बंसल ने अगली सुनवाई चार मई को करने का आदेश दिया।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार, 1 मई, 2026

आज का मौसम

शुक्रवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। धूप भी खिली रहेगी।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
1 मई	40.0	24.0
2 मई	41.0	26.0
नोएडा		
1 मई	36.0	25.0
2 मई	36.0	26.0
गुरुग्राम		
1 मई	38.0	25.0
2 मई	39.0	25.0
		डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

कार की टक्कर से फ्लाईओवर से नीचे गिरा डिलीवरी ब्वाय, मौत

नई दिल्ली : बाहरी रिंग रोड के अहम हिस्से पंखा रोड पर बने डाबड़ी फ्लाईओवर पर बृहस्पतिवार सुबह एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से जोमैटो डिलीवरी ब्वाय की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी सवार डिलीवरी ब्वाय फ्लाईओवर से नीचे जाकर गिरा। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी पहचान राजकुमार निवासी पटवार गांव, जिला गोड्डा, झारखंड के रूप में हुई है। दिल्ली में वह अपने एक दोस्त के साथ सागरपुर में किराये पर कमरा लेकर रहता था। (जासं)

केजरीवाल ने भाजपा विधायकों के बहाने सरकार को घेरा

नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा विधायकों की शिकायतों के बहाने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने बृहस्पतिवार शाम एक्स पर एक पोस्ट डालकर कहा कि दिल्ली के हालात इतने खराब हो गए हैं कि भाजपा के नेता अपनी ही सरकार के खिलाफ बोलने पर मजबूर हैं। दरअसल, उनका संदर्भ विधानसभा सत्र के दौरान विशेष उल्लेख के तहत भाजपा विधायकों द्वारा अपने क्षेत्र की समस्याएं उठाने से था। (राब्यू)

नोएडा के बार नेताओं पर कार्रवाई का निर्देश

नई दिल्ली : गौतमबुद्धनगर जिला अदालत में बार-बार हो रही हड़तालों का संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की समिति को जिला न्यायाधीश से रिपोर्ट प्राप्त होने पर बार एसोसिएशन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। (जासं)

पूर्व की आप सरकार की योजना में 38 करोड़ का घोटाला

कार्रवाई ▶ 46 इंस्टीट्यूट से कोचिंग देने का हुआ था समझौता, गिरफ्तार आरोपितों में चार इंस्टीट्यूट के निदेशक हैं शामिल

'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' में बीते अगस्त माह में केस दर्ज किया था, मामले में नौ गिरफ्तार

राकेश कुमार सिंह ● जागरण

नई दिल्ली : अरविंद केजरीवाल सरकार की गरीब छात्रों को मुफ्त कोचिंग देने की योजना में 38 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया है। 'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' के नाम पर केजरीवाल सरकार ने मेधावी छात्र छात्राओं को मुफ्त कोचिंग सुविधा देने की शुरुआत की थी, लेकिन करोड़ों का घोटाला करने के कारण योजना ही बंद हो गई।

इस मामले में दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने दिल्ली में कोचिंग इंस्टीट्यूट चलाने वाले नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सभी को गुरुवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश कर तिहाड़ जेल भेज दिया गया है। तत्कालीन उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर एसीबी ने बीते वर्ष अगस्त में केस दर्ज किया था। करीब आठ माह तक जांच के बाद अब एसीबी ने ये गिरफ्तारियां की हैं।

इस मामले में जिन नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है उनमें मुखर्जी नगर में रवींद्र इंस्टीट्यूट के निदेशक रवींद्र कुमार, रोहिणी में तक्षशिला इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर नरेंद्र कुमार गुप्ता, मुखर्जी नगर में किरण इंस्टीट्यूट के निदेशक शंभू शरण और मुखर्जी नगर में परिणाम इंस्टीट्यूट के निदेशक दिग्विजय कुमार शामिल हैं। ये चारों बड़े इंस्टीट्यूट हैं जिनकी दिल्ली में कई ब्रांच हैं। रवींद्र इंस्टीट्यूट के निदेशक ने अवैध तरीके से तीन अन्य ट्यूशन सेंटर वालों को भी इस योजना के तहत पढ़ाने का ठेका दे दिया था। इन तीनों ट्यूशन सेंटर के मालिकों को भी गिरफ्तार किया गया है। इनमें करावल नगर के तक्षशिला टयूशन सेंटर के मालिक आजाद कैलेट, यमुना विहार के मोमेंटम ट्यूशन सेंटर के मालिक हर्षित और कर्दमपुरी के प्रयास कोचिंग इंस्टीट्यूट के मालिक संजीव कुमार शामिल हैं।

सरकार ने रोहिणी सेक्टर-20 स्थित पहल नाम के एनजीओ को इस योजना को बांटने का काम दिया था, लेकिन इस एनजीओ ने पैसे के लिए अवैध तरीके के छात्रों को पढ़ाने का भी काम शुरू कर दिया था। एसीबी ने इसके निदेशक जितेंद्र कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा एसीबी ने रवींद्र इंस्टीट्यूट का काम संभालने वाले संजय कुमार को गिरफ्तार किया है।

कई और गिरफ्तारियां हो सकती हैं: सूत्रों के मुताबिक इस योजना के तहत दिल्ली के 46 बड़े इंस्टीट्यूट से सरकार का विद्यार्थियों को पढ़ाने का समझौता हुआ था, जिनमें अभी केवल चार इंस्टीट्यूट के निदेशक गिरफ्तार हुए हैं। छात्रों को पढ़ाने के एवज में सरकार कई इंस्टीट्यूट को 38 करोड़ का भुगतान कर चुकी थी। इसके बाद भी करोड़ों के बकाया बिल का भुगतान मांगने पर एलजी ने एसीबी को जांच के निर्देश दिए थे, जिसके बाद यह घोटाला सामने आया। जांच में पता चला कि कई इंस्टीट्यूट ने फर्जी तरीके से आय प्रमाण पत्र बनवाकर उस पर एसडीएम की मुहर लगा छात्रों को इंस्टीट्यूट में पढ़ाने का फर्जी दावा पेश कर दिया था। कई ऐसे नाम मिले, जिनके नाम पर एक से अधिक इंस्टीट्यूट ने कोचिंग देने का फर्जी दावा पेश किया था।

मामले की जांच जैसे जैसे आगे बढ़ेगी बड़ी संख्या में अन्य इंस्टीट्यूट के निदेशक और इंस्टीट्यूट के संचालक भी गिरफ्तार हो सकते हैं। इस घोटाले ने तत्कालीन आप सरकार की योजनाओं की पारदर्शिता और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं और यह दर्शाता है कि कैसे कुछ लोग सरकारी योजनाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं।

▶ एक ही छात्र के नाम पर कई इंस्टीट्यूट ने पढ़ाने का दावा कर सरकार को भुगतान के लिए दिया था बिल

प्रतीकात्मक

समय के साथ बढ़ती गई लाभार्थियों की संख्या

इस योजना की शुरुआत दिसंबर 2017 में हुई था। प्रथम चरण में केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए थी। सितंबर 2019 में इसका विस्तार किया गया। तत्कालीन सरकार ने इसका दायरा बढ़ाकर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को भी इसमें शामिल कर लिया। पहले वर्ष में 2018-19 में लगभग 5,000 छात्रों का नामांकन हुआ था। कोरोना के बाद 2021 में योजना को फिर से शुरू करने पर लगभग 15,000 छात्रों के दाखिले का लक्ष्य रखा गया था। सरकार द्वारा कराए गए सर्वे में 2022 की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि लगभग 13,000 छात्रों ने नामांकन कराया गया जिनमें से 4,000 मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहे थे। इनमें से 1,303 छात्रों का चयन प्रतिष्ठित मेडिकल और इंजीनियरिंग संस्थानों (जैसे आइआइटी) में हुआ।

ऐसे काम करती थी योजना

मुफ्त कोचिंग: यूपीएससी, जेईई, नीट, बैंकिंग और रेलवे जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निजी संस्थानों में मुफ्त कोचिंग।

आर्थिक सहायता: कोचिंग फीस के अलावा, छात्रों को किताबों और आने-जाने के खर्च के लिए 2,500 प्रति माह वजीफा भी दिया जाता था।

फीस कवर: परिवार की आय सालाना दो लाख रुपये से कम है, तो सरकार 100 प्रतिशत फीस भरती है; दो से छह लाख की आय वालों के लिए 75 प्रतिशत फीस सरकार देती थी।

यह योजना बीच में कुछ समय के लिए रोक दी गई थी, जिसे अक्टूबर-नवंबर 2024 के दौरान फिर से चालू करने का निर्णय लिया गया। अक्टूबर में धन की हेराफेरी होने के कारण बंद कर दिया गया।

पूरी दिल्ली में आज से शुरू होगी स्व-गणना

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: एनडीएमसी और दिल्ली छावनी क्षेत्र के बाद अब दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में शुक्रवार से स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू हो रही है। लोग घर बैठे मोबाइल पर अपने घर से संबंधित जानकारी आनलाइन भर सकते हैं। 16 मई से हाउसिंग सर्वे शुरू होने पर वह घर आने वाले सरकारी कर्मी से इसका सत्यापन करा सकते हैं।

जनगणना से जुड़े एक अधिकारी के अनुसार पहले चरण में दिल्लीवासियों के घर एवं उनकी आर्थिक स्थिति की जानकारी जुटाई जा रही है। इसमें उनसे पूछा जाएगा कि वह किस प्रकार के मकान में रहते हैं। उनके घर की दीवार, छत, फर्श आदि किस सामग्री से बनी है। वह अपने मकान में रहते हैं या किराये पर। मकान में कितने कमरे हैं और उसमें रहने वालों की संख्या कितनी है। उनके घर में खाना बनाने के लिए अलग किचन है या नहीं। घर में शौचालय एवं नहाने की जगह अलग है या नहीं। घर में खाना पीएनजी-एलपीजी से बनता है या किसी अन्य ईंधन का इस्तेमाल होता है। पीने का पानी कहां से उपलब्ध होता है। उनके पास मोबाइल, इंटरनेट, टीवी, डीटीएच, साइकिल, बाइक, स्कूटी, कार आदि है या नहीं। इस तरह के कुल 33 प्रश्न पूछे जाएंगे।

आनलाइन जानकारी देने की प्रक्रिया : कोई भी नागरिक सीएमएमएस एप या https://se.census.gov.in वेबसाइट पर आनलाइन जानकारी भर सकता है।

सोमनाथ यात्रा के लिए विशेष ट्रेन से रवाना हुए 1400 यात्री

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

सफदरजंग रेलवे स्टेशन से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-सोमनाथ यात्रा की शुरुआत हुई। बृहस्पतिवार सुबह केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1400 श्रद्धालुओं को लेकर जाने वाली विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मना रहा है। यह यात्रा '1000 वर्षों की अखंड आस्था' को समर्पित एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहल है, जिसका उद्देश्य दिल्लीवासियों को आध्यात्मिक विरासत से जोड़ना है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली देश का पहला ऐसा राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बन गया है, जिसने एक साथ करीब 1400 श्रद्धालुओं को एक साथ सोमनाथ यात्रा पर भेजा है। यात्रा का पूरा रेल किराया और भोजन का खर्च दिल्ली सरकार दे रही है। वहीं, गुजरात सरकार यात्रियों के ठहरने, परिवहन व मंदिर दर्शन की पूरी व्यवस्था करेगी। गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य सोमनाथ मंदिर की गौरवगाथा के माध्यम से देश की सांस्कृतिक विरासत व स्वाभिमान को प्रस्तुत करना है। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि यह प्रयास नागरिकों की आस्था व सांस्कृतिक जुड़ाव को सशक्त करने का एक महत्वपूर्ण संकल्प है। 19 थर्ड एसी कोच वाली यह वट्रेन सफदरजंग रेलवे स्टेशन से गुजरात के वेरावल तक जाएगी।

▶ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, लोगों को अपनी आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का प्रयास

सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत विशेष ट्रेन को रवाना करते केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सीएम रेखा गुप्ता व मंत्री कपिल मिश्रा। जागरण

निजी स्कूलों ने मनमानी की तो सरकार कर लेगी अधिग्रहण : रेखा गुप्ता

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : छात्रों को स्कूल से या फिर किसी निर्धारित दुकान से महंगे दाम पर स्कूल ड्रेस, किताबें या अन्य पाठ्य सामग्री खरीदने को बाध्य किया जाता है। मुख्यमंत्री ने इस तरह की शिकायतों पर कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। उन्होंने वीडियो संदेश जारी कर निजी स्कूलों को नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि वह किसी भी स्कूल में अचानक निरीक्षण के लिए पहुंच सकती हैं।

उन्होंने सभी निजी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे नोटिस बोर्ड, वेबसाइट और यदि स्कूल का स्टोर है तो वहां लिखित रूप में यह स्पष्ट करें कि अभिभावक ड्रेस, किताबें और स्टेशनरी अपनी पसंद के किसी भी विक्रेता से खरीद सकते हैं। किसी भी अभिभावक को स्कूल या किसी एक निर्धारित विक्रेता से ही पाठ्य सामग्री या स्कूल ड्रेस खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। यदि कुछ दुकानों के नाम सुझाना चाहता है, तो वह पांच-छह विकल्प लिखित रूप में दे सकता है, लेकिन किसी प्रकार की अनिवार्यता नहीं होगी।

सुहाने मौसम के साथ बीता अप्रैल, आंधी-वर्षा-ओले से गिरा तापमान

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली सहित एनसीआर में भीषण गर्मी और 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाते तापमान के बीच अप्रैल का अंत खुशनुमा रहा। गुरुवार की शाम राजधानी और आसपास के इलाकों में आंधी-तूफान के साथ वर्षा और ओलावृष्टि ने मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल दिया। इससे तापमान में आठ से 15 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि शुक्रवार से तापमान में पुनः वृद्धि की संभावना है।

मौसम विभाग ने शाम के समय 'आरेंज अलर्ट' जारी किया था। शहर के अधिकांश हिस्सों में अपराह्न तीन बजे के बाद घने बादल छाए रहे और तेज आंधी चली। पालम में गरज-चमक के साथ आए तूफान के बाद तापमान 39 डिग्री से गिरकर 28 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जबकि हवा की अधिकतम गति 48 किमी प्रति घंटा दर्ज की गई। सफदरजंग और लोधी रोड जैसे इलाकों में भी तापमान में जबरदस्त गिरावट देखी गई। मौसम विभाग के विज्ञानी कृष्णा मिश्रा ने बताया कि सफदरजंग में सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच वर्षा नहीं हुई, जबकि मयूर विहार में 5.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसी अवधि में नोएडा में 8.5 मिमी और हिंडन में 10.5 मिमी वर्षा हुई। मौसम विभाग के आंकड़ों से यह भी पता चला कि कुछ इलाकों में हवा की गति 50 किमी/घंटे से भी अधिक रही। सफदरजंग में हवा की गति 36 किमी/घंटे, पूसा में 52 किमी/घंटे, नोएडा में 50 किमी/घंटे, पालम और पीतमपुरा में 48 किमी/घंटे, लोधी रोड पर 43 किमी/घंटे, प्रगति मैदान और जाफरपुर में 41 किमी/घंटे और जनकपुरी में 28 किमी/घंटे तक पहुंच गई। इस बीच, पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में ओलावृष्टि की खबर मिली। दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 0.9 डिग्री अधिक 39.9 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री अधिक 25.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार को अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री और शनिवार को 40 से 42 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान लगाया है।

▶ हरियाणा के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण दोपहर बाद अचानक बदला मौसम

पूर्वी दिल्ली में पड़े ओले। जागरण

सीआइएससीई के 10वीं और 12वीं के परिणाम जारी, बेटियों का दबदबा

मुहम्मद रईस, जागरण

नई दिल्ली : काउंसिल फार द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआइएससीई) ने गुरुवार को कक्षा 10वीं (आइसीएसई) और 12वीं (आइएससी) बोर्ड परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी हाईस्कूल व 12वीं के परिणाम 99 प्रतिशत से अधिक रहे है।

इस बार 10वीं का परिणाम 99.18 प्रतिशत और 12वीं का परिणाम 99.13 प्रतिशत आया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 0.09 व 0.11 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष 2025 में दसवीं का कुल पास प्रतिशत 99.09 और 12वीं का 99.02 प्रतिशत रहा था। 10वीं में 98.93 प्रतिशत छात्र, जबकि 99.46 प्रतिशत छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं, यानी छात्राओं का परिणाम 0.53 प्रतिशत अधिक रहा है। वहीं, 12वीं में 99.48 प्रतिशत छात्राओं के मुकाबले 98.81 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। यानी इंटर में भी छात्राओं का परिणाम छात्रों के मुकाबले 0.67 प्रतिशत ज्यादा रहा है।

इस वर्ष कक्षा दसवीं की परीक्षाएं बीती 17 फरवरी से 30 मार्च तक हुई थीं, जबकि बारहवीं की परीक्षाएं 12 फरवरी से छह अप्रैल तक चली थीं।

▶ 10वीं का परिणाम 99.18 प्रतिशत और 12वीं का 99.13 प्रतिशत रहा

▶ 10वीं में 0.53 व 12वीं में 0.67 प्रतिशत अधिक छात्राओं ने उत्तीर्ण की परीक्षा

गाजियाबाद के नेहरू नगर स्थित होली चाइल्ड स्कूल में आईसीएसइ में अच्छा परिणाम आने पर खुशी जाहिर करती छात्राएं। अनिल बराल

श्रमिक दिवस पर नोएडा पुलिस अलर्ट, ड्रोन से रहेगी नजर

जागरण संवाददाता, नोएडा : श्रमिक दिवस पर शुक्रवार को गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस श्रमिक व उद्यमियों को सुरक्षा का अहसास कराएगी। पुलिस ने श्रमिक दिवस पर जगह-जगह होने वाले आयोजन के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में ड्रोन से नजर रखी जाएगी। पुलिस अधिकारी कंट्रोल रूम पर खुद सीसीटीवी से निगरानी करेंगे। कुछ भी संदिग्ध लगने पर सख्ती से निपटेंगे। जिले में जोनल-सेक्टर स्कीम भी लागू की गई है। श्रमिक दिवस और सैलरी की आड़ में भीड़ एकत्रित न हो। इसके लिए आठ मई तक धारा 163 भी लगाई है। बिना अनुमति प्रदर्शन, जुलूस व बैठक करने की मनाही है।

इस बारे में गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस का प्रयास है कि एक मई को मजदूर दिवस पर किसी तरह का कोई प्रदर्शन नहीं हो। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने बताया कि जोनल-सेक्टर स्कीम के तहत जिले को 11 जोन, 49 सेक्टर में बांटा गया है।

डीडीए के गोल्फ कोर्स में बने तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

डीडीए के गोल्फ कोर्स में बने तालाब में डूबने से दो सगे भाइयों समेत तीन बच्चों की मौत हो गई। इनकी पहचान वीर (11), रवि (8) और हर्ष (11) के रूप में हुई। रवि व वीर सगे भाई थे। बच्चे गोल्फ कोर्स परिसर में कैसे दाखिल हुए, इसका पता नहीं चल पाया है। करीब तीन वर्षों के दौरान इस गोल्फ कोर्स में यह दूसरी घटना है। दोनों ही घटनाओं में छह लोगों की जान जा चुकी है।

पुलिस के मुताबिक गुरुवार सुबह करीब सात बजे सेक्टर-23 थाना पुलिस को पीसीआर काल मिली। इसमें सेक्टर-24 में स्थित गोल्फ कोर्स के एक तालाब में तीन बच्चों के डूबने की सूचना मिली। पुलिस बल मौके पर पहुंचा तो पता चला कि जब गार्ड गोल्फ कोर्स परिसर में ड्यूटी दे रहा था, तभी उसकी नजर तालाब के किनारे रखे कुछ कपड़ों पर गई। उसने बच्चों को डूबा देखा। यह देखकर तुरंत पुलिस को काल की। इसके बाद सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने तीनों बच्चों के शवों को तालाब से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस बच्चों के स्वजन की तलाश में जुट गई। दोपहर को जब दोनों परिवारों को पता चला कि तीन बच्चे गोल्फ कोर्स में डूब गए तो वे थाने पहुंचे। सगे भाई वीर और रवि परिवार के साथ गोयला में किराये के कमरे में रहते थे वहीं, हर्ष परिवार के साथ द्वारका में फुटपाथ पर रहता था। पुलिस ने आशंका जताई है कि तीनों बच्चे यहां नहाने आए थे और डूब गए। पुलिस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है।

▶ गार्ड ने बच्चों के कपड़े और शव देखने के बाद पुलिस को दी सूचना

द्वारका स्थित गोल्फ कोर्स का तालाब जहां डूबने से हुई तीन बच्चों की मौत। जागरण

शिकायतकर्ता की गैर हाजिरी पर कपिल मिश्रा के खिलाफ शिकायत खारिज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में दायर शिकायत खारिज को कर दिया। अदालत ने शिकायतकर्ता की लगातार गैर हाजिरी व दिलचस्पी न लेने को आधार बनाते हुए फैसला सुनाया।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने 29 अप्रैल को सुनवाई के दौरान कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि शिकायतकर्ता बिना किसी ठोस कारण के बार-बार अनुपस्थित रहा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह जानबूझकर कार्यवाही में देरी कर रहा है। अदालत ने कहा कि ऐसे हालात में शिकायत को गैर-अभियोजन के आधार पर खारिज किया जाना आवश्यक है। यह शिकायत मोहम्मद इलियास द्वारा दायर की गई थी। इससे पहले अदालत प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग भी खारिज कर चुकी थी व शिकायतकर्ता को बयान दर्ज कराने के निर्देश दिए थे। लेकिन वो कई तारीखों पर पेश नहीं हुआ।

हैरत में पुलिस

मुथूट फिनकार्प, मुथूट फाइनेंस व फेड बैंक में रखे दो किलो सोने की अनुमानित कीमत तीन करोड़ रुपये, 19 अप्रैल को शालीमार बाग में कारोबारी के घर से डेढ़ करोड़ रुपये के आभूषण व नकदी चुराई थी

घरेलू सहायिका के 15 गोल्ड अकाउंट, तीन खातों में मिला दो किलो सोना

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

शालीमार बाग क्षेत्र में दो घरों में ढाई करोड़ रुपये के सोने के आभूषण व नकदी चुराने वाली घरेलू सहायिका के विभिन्न बैंकों में 15 गोल्ड लोन अकाउंट और उसमें रखे सोने की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस भी हैरत में है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घरेलू सहायिका के विभिन्न बैंकों में 15 गोल्ड लोन अकाउंट हैं। इनमें से तीन अकाउंट में दो किलोग्राम सोना रखा गया है। अकाउंट में रखे आभूषणों की कीमत तीन करोड़ आंकी गई है। जांच में आरोपित महिला के सहयोगियों की संलिप्तता के संकेत भी मिले हैं। सभी अकाउंट दिल्ली में खुले हैं। पुलिस ने आरोपित का बैंक अकाउंट फ्रीज कर जांच आरंभ कर दी है। जांच में पता चला है कि बैंक से सोने के एवज में आरोपित ने पांच लाख रुपये का लोन भी लिया है।

उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि 19 अप्रैल को शालीमार बाग के बीक्यू-ब्लाक स्थित व्यवसायी विजयपाल गुप्ता के घर में चोरी के मामले में पुलिस ने घरेलू सहायिक सोना उर्फ के. सोनिया (45 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित आदतन अपराधी है।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने चोरी किए गए सोने के आभूषणों को विभिन्न बैंकों में गिरवी रखकर लोन प्राप्त किया। अब तक मुथूट फिनकार्प, मुथूट फाइनेंस बैंक एवं फेड बैंक में लगभग दो किलोग्राम सोने के आभूषण चिह्नित किए गए हैं।

जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपित जिस मकान में रहती है, वहां उसकी मां और बहनों का आना-जाना है। भाई एक आपराधिक मामले में जेल में है। मूलतः चेन्नई की रहने वाली सोना उर्फ के. सोनिया लंबे समय से दिल्ली में रहती है।

आरोपित महिला ने घर में पाल रखे हैं चार विदेशी खूंखार कुत्ते

घर में किसी अवांछित की एंट्री रोकने के लिए आरोपित महिला ने चार विदेशी नस्ल के खूंखार कुत्ते पाल रखे थे। इस कारण पुलिस को भी घर के भीतर जाने में मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस को घर में पिटबुल, अमेरिकन बुली व हाइब्रिड कुत्ते मिले। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि छापे के दौरान कुत्तों को काबू में करने के लिए विशेषज्ञ बुलाने पड़े और अपने बचाव के लिए पुलिस टीम बोरी व डंडे लेकर घर में घुसी। छापेमारी के दौरान आरोपित महिला खूंखार कुत्तों की ओट लेकर रजाइयों के बीच छिपी थी। पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि आरोपित ने अपने घर को पुलिस कार्रवाई से बचाने के लिए आक्रामक कुत्तों का उपयोग करते हुए किले जैसा बना रखा था।

घरेलू सहायिका के घर में मौजूद खूंखार कुत्ते। सौ. दिल्ली पुलिस

सैनिक पुरस्कार के लिए नहीं, राष्ट्र सेवा के लिए लड़ता है: डा. वीके सिंह

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

सैनिक पुरस्कार के लिए नहीं, बल्कि कर्तव्य, सम्मान और इस विश्वास के लिए लड़ता है कि उसका बलिदान राष्ट्र की सेवा करेगा। यह बात मिजोरम के राज्यपाल जनरल (सेवानिवृत्त) डा. वीके सिंह ने गुरुवार को दिल्ली विधानसभा में आयोजित 'युद्ध-सम्मेलन' की 108वीं वर्षगांठ पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में कही। संगोष्ठी का विषय 'प्रथम विश्वयुद्ध और भारत' था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने की।

डा. वीके सिंह ने वैश्विक संघर्षों में भारतीय सैनिकों के विशाल, लेकिन अक्सर उपेक्षित योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रथम विश्वयुद्ध में 13 लाख से अधिक भारतीय सैनिकों ने भाग लिया, जिनमें से लगभग 74,000 ने अपने प्राणों की आहुति दी, जिनके नाम इंडिया गेट पर अंकित हैं। उन्होंने कहा कि यह योगदान केवल मानव संसाधन तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें वित्तीय सहायता, रसद और संसाधनों का भी महत्वपूर्ण योगदान शामिल था, जो औपनिवेशिक शासन के बावजूद भारत की बड़ी भूमिका को दर्शाता है। 1962 के भारत-चीन युद्ध का उल्लेख करते हुए उन्होंने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस का उदाहरण दिया, जिन्होंने संसाधनों की भारी कमी के बावजूद संघर्ष जारी रखा। उन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान विक्टोरिया क्रास से सम्मानित वीरों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सम्मान सैनिकों की वीरता और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

▶ दिल्ली विस में युद्ध सम्मेलन' की 108वीं वर्षगांठ पर संगोष्ठी का आयोजन

38 हजार करोड़ रुपये रहा गत वर्ष भारत का रक्षा निर्यात। यह एक साल में 61 प्रतिशत की वृद्धि है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने यह जानकारी देते हुए भरोसा जताया कि भारत 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात के लक्ष्य को आसानी से पार कर लेगा।

हमने स्वेच्छा से आपरेशन सिंदूर रोक दिया, लंबी लड़ाई के लिए तैयार थे : राजनाथ

कहा, सरकार का दृढ़ रुख-किसी भी परिस्थिति में आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

भारत अब कूटनीतिक बयान देने की पुरानी मानसिकता से बंधा नहीं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आपरेशन सिंदूर ने वैश्विक स्तर पर स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत आतंकी हमला होने की स्थिति में अब केवल कूटनीतिक बयान जारी करने की पुरानी मानसिकता से बंधा नहीं है। मोदी सरकार ने आगे बढ़कर निर्णायक कार्रवाई के जरिये आतंकवाद के खिलाफ अपनी अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। सरकार का दृढ़ रुख है कि किसी भी परिस्थिति में आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ सरकार की दृढ़ता का प्रमाण बताते हुए कहा कि आतंकवाद को धार्मिक रंग देकर या माओवाद जैसी हिंसक विचारधारा से जोड़कर इसे जायज ठहराने की कोशिश की जाती है, जो बेहद खतरनाक है।

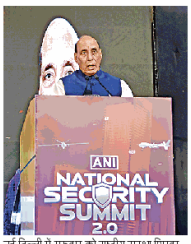

नई दिल्ली में गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एएनआइ

रक्षा मंत्री ने गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आपरेशन सिंदूर को हमने अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर न केवल अंजाम दिया, बल्कि अपनी शर्तों पर ही इसे रोका। हम लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष को जारी रखने के लिए पूरी तरह तैयार थे। इस दौरान भारत ने छल या परमाणु हमले की धमकी के आगे घुटने नहीं टेके और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया। यह 'नया भारत' है, जो आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों में कोई भेद नहीं करता।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल राष्ट्रीय सुरक्षा का नहीं बल्कि मानवता के मूलभूत मूल्यों की रक्षा की लड़ाई है। आतंकवाद को पाकिस्तान के समर्थन पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों को एक ही समय में स्वतंत्रता मिली। भारत आज दुनिया में आइटी यानी सूचना प्रौद्योगिकी के लिए जाना जाता है, जबकि पाकिस्तान अलग प्रकार की आइटी यानी अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का केंद्र माना जाता है। राजनाथ ने कहा कि आपरेशन सिंदूर प्रतिरोध क्षमता का ठोस उदाहरण था। मुझे प्रतिरोध क्षमता के बारे में केवल एक ही पंक्ति याद आती है- भय बिन होय ना प्रीत। इसका अर्थ है कि भय के बिना प्रेम नहीं हो सकता। यही प्रतिरोध क्षमता का सार है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी यही बात लागू होती है।

आपरेशन सिंदूर को भारतीय सैन्य बलों की एकजुटता और तालमेल का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना ने मिलकर काम किया। आपरेशन सिंदूर मात्र 72 घंटों में पूरा हो गया, मगर इसकी तैयारियां व्यापक और लंबी थीं।

राजनाथ ने कहा कि आधुनिक युद्ध की मांगों को ध्यान में रखते हुए हम अपनी सेना को प्रौद्योगिकी-संचालित और एकीकृत युद्धक प्रणाली में बदलने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सेना ने 'रुद्र' ब्रिगेड, 'भैरव' बटालियन, 'शक्तिबाण' तोपखाना रेजिमेंट और 'दिव्यास्त्र' बैटरी जैसी चुस्त और आत्मनिर्भर लड़ाकू इकाइयां इसी मकसद से स्थापित की हैं, जो आधुनिक हाइब्रिड खतरों का तत्काल और सशक्त जवाब देने में सक्षम हैं। एआइ भारत की रणनीतिक तैयारियों का एक अनिवार्य घटक बन रहा है। सुदर्शन वायु रक्षा प्रणाली एक विशाल परियोजना है, जो एआइ के अनुकरणीय प्रयोग का एक प्रमुख उदाहरण है। इसके साथ ही एआइ के उपयोग की तुलना 'भस्मासुर' से करते हुए रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ जाए तो कई क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती है। आज डीप फेक, साइबर युद्ध और स्वायत्त हथियार प्रणालियां नई चुनौतियां पेश कर रही हैं।

छठी पीढ़ी के युद्धक विमानों को विकसित करने के लिए साझेदारी पर विचार कर रहा भारत

नई दिल्ली, एएनआइ : रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने गुरुवार को संकेत दिया कि भारत छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को विकसित करने के लिए साझेदारों की भी तलाश कर रहा है, क्योंकि इसके लिए बहुत बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। सरकार ने दो मौजूदा अंतरराष्ट्रीय त्रि-राष्ट्रीय कार्यक्रमों से संपर्क किया है और उनमें सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की है। उनकी ओर से जवाब का इंतजार है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत एक बहु-स्तरीय पारंपरिक मिसाइल बल विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है।

एएनआइ नेशनल सिक्योरिटी समिट 2.0 में रक्षा सचिव ने बताया कि पांचवीं पीढ़ी का एडवांस्ड मीडियम कांबैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) कार्यक्रम आगे बढ़ रहा है और उम्मीद है कि टेंडर जारी होने के बाद इसमें और तेजी आएगी। उन्होंने कहा, 'खरीद प्रक्रिया जारी है; उम्मीद है कि जल्द ही चुने गए बोलीदाताओं (जो निजी क्षेत्र से हैं) के लिए रिक्वेस्ट फार प्रपोजल (आरएफपी) जारी कर दी जाएगी और इसके बाद इस प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है।' एएमसीए और राफेल से जुड़े उत्पादन जैसे आगामी प्रमुख एयरोस्पेस प्रोजेक्ट्स में एचएएल की अनुपस्थिति को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर सिंह ने कहा, 'अमेरिका, रूस और चीन जैसे दुनिया के अधिकांश प्रमुख रक्षा उत्पादक देशों के पास दो अलग-अलग कंपनियों में लड़ाकू विमानों की दो उत्पादन लाइनें होती हैं। चीन में कभी-कभी ये दोनों ही सरकारी कंपनियां होती हैं, लेकिन उनके पास दो उत्पादन लाइनें जरूर होती हैं।'

मिसाइल-ड्रोन की तुलना में लड़ाकू विमान किफायती : एयर मार्शल दीक्षित

प्रथम पृष्ठ से आगे

एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कहा है कि भविष्य के युद्ध में सिर्फ ड्रोन और मिसाइलों जैसे 'सस्ते' विकल्पों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। पारंपरिक और आधुनिक हथियारों का संतुलित इस्तेमाल ही प्रभावी रणनीति साबित होगा। सम्मेलन में ड्रोन-मिसाइल बनाम लड़ाकू विमान की बहस पर दीक्षित ने साफ किया कि केवल लागत के आधार पर निष्कर्ष निकालना ठीक नहीं। अगर किसी हवाई अड्डे पर हमला होता है, तो उसकी मरम्मत हो सकती है। सवाल यह है कि आप कितनी बार और किस लागत पर हमला कर पाएंगे। लंबी अवधि में लड़ाकू विमान कई बार अधिक किफायती साबित होते हैं, क्योंकि वे बार-बार उड़ान भर सकते हैं और उनसे इस्तेमाल होने वाले हथियार अपेक्षाकृत सस्ते होते हैं।

स्वदेशी प्रणालियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस महंगी है, इसलिए लागत-क्षति अनुपात का संतुलन जरूरी है।

दीक्षित ने अंत में कहा कि किसी भी कमांडर के पास हर तरह के विकल्प उपलब्ध होने चाहिए, ताकि हालात के मुताबिक सही फैसला लिया जा सके।

ग्लाइड बनाम क्रूज मिसाइल : कामत ने दोनों प्रणालियों के बीच अंतर समझाते हुए कहा कि हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल में स्क्रैमजेट इंजन होता है और उड़ान के दौरान इसे ऊर्जा मिलती है। हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल प्रारंभिक वेग प्राप्त करने के लिए बूस्टर का उपयोग करती है और फिर बिना किसी ऊर्जा के ही ग्लाइड करती है। कामत ने संकेत दिया कि ग्लाइड मिसाइल का परीक्षण जल्द ही किया जा सकता है। समीर कामत ने कहा कि सबसे पहले ग्लाइड मिसाइल आएगी। हमें जल्द ही पहले परीक्षण करने चाहिए और यह क्रूज मिसाइल की तुलना में अधिक उन्नत चरण में है। उन्होंने प्रस्तावित पारंपरिक मिसाइल बल की संरचना की भी रूपरेखा प्रस्तुत की, जिस पर अब भी विचार किया जा रहा है। उनके अनुसार, बल को विभिन्न श्रेणियों और सामरिक भूमिकाओं के लिए विभिन्न प्रणालियों के मिश्रण की आवश्यकता होगी।

भारत-इटली मिलकर बनाएंगे हथियार

- दोनों देशों के बीच रणनीतिक रिश्ते बढ़ाने का निर्णय
- राजनाथ और क्रोसेटो की क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर वार्ता

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत और इटली मिलकर हथियारों का निर्माण करेंगे। इस बाबत दोनों देशों ने समझौते की औपचारिकताओं को काफी हद तक पूरा कर लिया है। विश्व और खासतौर पर पश्चिम एशिया में सुरक्षा को लेकर पैदा हुई परिस्थितियों में इस सहयोग को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसमें दोनों देश अपनी-अपनी क्षमताओं के अनुरूप सहयोग कर उच्च तकनीक वाले हथियारों का उत्पादन करेंगे।

भारत और इटली के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने को लेकर यह निर्णय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके इतालवी समकक्ष गुइडो क्रोसेटो की गुरुवार को नई दिल्ली में हुई वार्ता में हुआ है। इस बैठक में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना (एमसीपी) 2026-27 बनाई है। इस योजना के तहत दोनों देशों की सेनाएं संपर्क बढ़ाएंगी और सैन्य अभ्यास करेंगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इंटरनेट मीडिया पर अपनी पोस्ट में बताया है कि हमने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक बात की है। इस वार्ता में पश्चिम एशिया की स्थिति पर खासतौर से चर्चा की गई।

नई दिल्ली में गुरुवार को अपने इतालवी समकक्ष गुइडो क्रोसेटो से हाथ मिलाते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। प्रेट्र

वार्ता के बाद राजनाथ और क्रोसेटो ने कहा है कि दोनों देशों का रणनीतिक सहयोग शांति, स्थिरता, स्वतंत्रता और परस्पर सम्मान पर आधारित होगा।

नीट-यूजी में बायोमीट्रिक वेरिफिकेशन न होने पर भी छात्र दे सकेंगे परीक्षा

- परीक्षा से पहले एनटीए ने छात्रों को दी बड़ी राहत, वेरिफिकेशन न होने पर देनी होगी अंडरटेकिंग

3 मई को देशभर में आयोजित होगा नीट-यूजी

22 लाख से अधिक छात्र शामिल होंगे इस बार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी के ठीक पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने छात्रों को एक बड़ी राहत दी है। इसमें बायोमीट्रिक वेरिफिकेशन न होने की स्थिति में भी किसी भी छात्र को परीक्षा में बैठने से नहीं रोका जाएगा। ऐसी स्थिति में उनसे सिर्फ एक अंडरटेकिंग लेकर परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी जाएगी। नीट-यूजी की परीक्षा देशभर में तीन मई को आयोजित होनी है। इसमें इस बार 22 लाख से अधिक छात्र शामिल होंगे।

एनटीए ने यह कदम तब उठाया है, जब परीक्षा के ठीक पहले कई बार बायोमीट्रिक मशीन में खराबी और आधार नेटवर्किंग में दिक्कत के चलते वेरिफिकेशन में परेशानी खड़ी हो जाती है। ऐसे में छात्रों को परीक्षा से पहले किसी तरह के तनाव में डालने के बजाय उन्हें लिखित अंडरटेकिंग का एक

एनटीए ने दी परीक्षार्थियों को सुविधा।

विकल्प दिया गया है। इसे देकर वह परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। एनटीए ने जारी निर्देश में साफ कहा है कि परीक्षा के दौरान यानी दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक छात्रों को बायोमीट्रिक वेरिफिकेशन के नाम पर बिल्कुल भी परेशान न किया जाए।

नीट-यूजी के दौरान किसी भी तरह की गडबड़ी और फर्जी परीक्षार्थियों की पहचान के लिए एनटीए ने बायोमीट्रिक वेरिफिकेशन की व्यवस्था बनाई है। इसमें परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा जांच के बाद छात्रों का सबसे पहले बायोमीट्रिक वेरिफिकेशन किया जाता है। उसके बाद ही छात्रों को परीक्षा कक्ष में जाने की अनुमति दी जाती है। यह वेरिफिकेशन सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है।

वानिकी व सांख्यिकी की पढ़ाई करने वाले छात्र भी दे सकेंगे यूजीसी नेट : उच्च शिक्षण संस्थानों में वानिकी व सांख्यिकी विषय की पढ़ाई कर रहे छात्र भी अब यूजीसी-नेट दे सकेंगे। यूजीसी ने छात्रों की मांग पर इन दोनों विषयों को यूजीसी नेट के विषयों की सूची में शामिल करने की अनुमति दे दी है। जून सत्र में होने वाले यूजीसी-नेट में ही दोनों विषय शामिल होंगे। अभी यूजीसी नेट की परीक्षा में करीब 85 विषय शामिल हैं।

मिजोरम 'उग्रवाद-मुक्त', आखिरी उग्रवादी समूह ने हथियार डाले

- एचपीसी(डी) का सनाते गुट था आखिरी जातीय उग्रवादी समूह
- 14 अप्रैल को किए गए थे शांति समझौते पर हस्ताक्षर

आइजल, प्रेट्र : मिजोरम के आखिरी बचे जातीय उग्रवादी समूह हमार पीपुल्स कन्वेंशन (डेमोक्रेटिक) या एचपीसी(डी) के लालहमिंगथांगा सनाते के नेतृत्व वाले गुट ने गुरुवार को हथियार डाल दिए। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने एलान किया कि इसके साथ ही राज्य उग्रवाद मुक्त हो गया है। एचपीसी(डी) कई वर्षों से निष्क्रिय था, लेकिन सनाते गुट छिटपुट गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। सनाते गुट को मिजोरम में आखिरी बचा हुआ उग्रवादी समूह माना जाता था।

गुरुवार को आइजल के पास सेसावंग में आयोजित 'घर वापसी और हथियार समर्पण समारोह' में सनाते सहित समूह के कुल 43 सदस्यों ने हथियार डाल दिए। इससे पहले 14 अप्रैल को मिजोरम सरकार और समूह के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। समारोह में मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा कि अतीत में जब भी मिजोरम में शांति की बात होती थी तो एचपीसी(डी) के उग्रवाद की छाया हमेशा मन में बनी रहती थी। उन्होंने कहा, हम एक

लालदुहोमा। फाइल

समझौते तक पहुंचने के लिए खुले दिल से बातचीत के लिए आगे आए। आज हम अपने लक्ष्य तक पहुंच गए हैं। अब हम शांत मन से गर्व के साथ कह सकते हैं कि मिजोरम वास्तव में एक शांतिपूर्ण राज्य है। विभिन्न मिजो जनजातियों से एकजुट होने का आग्रह करते हुए कहा कि कोई भी एक जनजाति 'मिजो' होने की पहचान से ऊपर नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा के स्थायी समाधान में जुटी सरकार

- पेट्रोल-डीजल की बचत के लिए ई-बस और ट्रक की खरीदारी को प्रोत्साहन
- कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने को पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मजबूत बनाएंगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए सरकार स्थायी रूप से कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कम करने की तैयारी में जुट गई है। केंद्र सरकार राज्य के साथ निजी सेक्टर को इलेक्ट्रिक बस और ट्रक खरीदने के लिए प्रोत्साहन योजना लाने जा रही है। कई राज्यों में सार्वजनिक वाहन के रूप में निजी सेक्टर की बसें बड़ी संख्या में चलती है। माल ढोने में बड़ी संख्या में इस्तेमाल होने वाले ट्रक डीजल से चलते हैं। कोशिश यह है कि सभी राज्यों को ऐसी सार्वजनिक वाहन प्रणाली विकसित करने के लिए राजी किया जाए जिससे कच्चे तेल के आयात की जरूरत भी नहीं हो और शहरों को भी प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके।

भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव के नेतृत्व में निजी इलेक्ट्रिक बस और ट्रक की खरीदारी के प्रोत्साहन के लिए विभिन्न प्रकार के वित्तीय संस्थान, वित्तीय सेवा विभाग व कई अन्य सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। सरकार निजी इलेक्ट्रिक बस और ट्रक की खरीदारी के लिए

प्रतीकात्मक

ब्याज दरों पर छूट दिलवा सकती है और इस सीमा तक लोन की गारंटी भी ले सकती है। वित्त मंत्रालय का मानना है कि इस चुनौती भरे समय में सबसे पहले हमें ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत है। ऊर्जा सुरक्षा का स्थायी हल निकालना होगा ताकि भविष्य में भी इस प्रकार की स्थिति में कोई दिक्कत नहीं हो। सिर्फ एथेनाल की मदद से वाहन चलाने की कवायद भी शुरू होने जा रही है। सरकार का मानना है कि होर्मुज के रास्ते तेल की आवाजाही शुरू होने के बाद भी स्थिति सामान्य होने में महीनों लग जाएंगे। वैश्विक चुनौती के इस समय में सरकार आयात व निर्यात की लागत को कम करने के लिए भी कई नियमों का सरलीकरण कर सकती है और विभिन्न सीमा शुल्क को समाप्त कर सकती है।

वित्त मंत्रालय का मानना है कि इस कठिन परिस्थिति में अधिक से अधिक भारतीय युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) से जुड़े कारोबार में कुशल बनाने की जरूरत है। इससे घरेलू स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के प्रोत्साहन के साथ निर्यात से आय अर्जित करने में मदद मिलेगी। बुधवार को जारी वित्त मंत्रालय की मासिक रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापार घाटा को कम करने के लिए इस चुनौती भरे समय में विदेश निवेश को आकर्षित करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सरकार को टैक्स नीति में बदलाव के साथ लाजिस्टिक लागत में कमी और घरेलू स्तर पर अनुसंधान, इनोवेशन की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इसके अलावा कृषि उत्पादन के पैटर्न को भी बदलने की जरूरत है।

वेणुगोपाल फिर बने लोक लेखा समिति के अध्यक्ष

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल को गुरुवार को संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष के रूप में 2026-27 के लिए पुनः नियुक्त किया गया, जबकि भाजपा के बैजयंत पांडा लोक उपक्रम समिति के प्रमुख होंगे।

केसी वेणुगोपाल।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाजपा के नेता फग्गन सिंह कुलस्ते को एक मई 2026 से 30 अप्रैल 2027 तक की अवधि के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। लोक लेखा समिति में लोकसभा से डीएमके के टीआर बालू, टीएमसी के कल्याण बनर्जी, निशिकांत दुबे, जगदंबिका पाल, रविशंकर प्रसाद, तेजस्वी सूर्या, अनुराग सिंह ठाकुर (सभी भाजपा से), जय प्रकाश, अमर सिंह और वेणुगोपाल (कांग्रेस से) और राज्यसभा अशोकराव चव्हाण और सुधांशु त्रिवेदी (भाजपा से), प्रफुल्ल पटेल (एनसीपी), सुखेंदु शेखर रे (टीएमसी) और अखिलेश प्रसाद सिंह (कांग्रेस) भी शामिल हैं।

हवाई किराया मामले में हलफनामा दाखिल न करने पर केंद्र को फटकार

- पीठ ने तीन सप्ताह का समय देने से किया इन्कार, कहा- सप्ताह भीतर आ जाना चाहिए हलफनामा
- याचिका में निजी एयरलाइनों की ओर से किए जाने वाले भारी उतार-चढ़ाव पर अंकुश लगाने की है मांग

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने देश में निजी एयरलाइनों द्वारा विमान के किराये (एयरफेयर) और अन्य शुल्कों में किए जाने अनियंत्रित बढ़ोतरी पर रोक लगाने संबंधी याचिका पर हलफनामा न दाखिल करने पर गुरुवार को केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र से कहा कि वह एक आवेदन के साथ हलफनामा दाखिल करे और उसमें यह स्पष्ट किया जाए कि हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया व इसके लिए और समय क्यों मांगा गया।

पिछले वर्ष 17 नवंबर को शीर्ष अदालत ने सामाजिक कार्यकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा था। याचिका में एक स्वतंत्र नियामक की मांग की गई थी जोकि नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। त्योहारों के दौरान विमान यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जाता है। इन पर अंकुश के लिए रेगुलेटरी गाइडलाइंस जरूरी हैं।

गुरुवार को सुनवाई शुरू होते ही याची के वकील ने कहा कि केंद्र द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया है। केंद्र के वकील ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति का हवाला दिया। पीठ ने कहा- आप हलफनामा क्यों नहीं दाखिल कर रहे हैं? हमने आपको तीन बार समय दिया है। केंद्र के वकील ने कहा कि वे नियम बनाने पर विचार कर रहे हैं। पीठ ने तीन सप्ताह का समय देने से इन्कार करते हुए कहा कि हलफनामा अगले सप्ताह दाखिल किया जाए। हलफनामा अगले शुक्रवार यानी आठ मई तक आना चाहिए। 19 जनवरी को मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह एयरफेयर में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव में हस्तक्षेप करेगी।

राजस्व न्यायिक सेवा कैडर बनाने की मांग पर सरकार से जवाब तलब

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने जमीन से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिए अलग से राजस्व न्यायिक सेवा कैडर बनाने की मांग पर केंद्र और सभी राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने ये नोटिस वकील अश्वनी उपाध्याय की जनहित याचिका पर सुजारी किए। कोर्ट ने याचिका की सराहना करते हुए कहा कि इसमें उठाया गया मुद्दा महत्वपूर्ण है। कोर्ट ने सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है।

इससे पहले उपाध्याय ने अपनी याचिका पर स्वयं बहस करते हुए कोर्ट से कहा कि दीवानी के कुल मुकदमों में 66 प्रतिशत मामले जमीन के विवाद से जुड़े हुए हैं। जो अधिकारी अभी इन मामलों को सुनते हैं, वे कानूनी दक्षता नहीं रखते। याचिका में मांग की गई है कि केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया जाए कि एक अलग राजस्व न्यायिक सेवा कैडर की स्थापना करें। इसके लिए एक समान न्यूनतम कानूनी शैक्षणिक योग्यता और ट्रेनिंग का माड्यूल लागू किया जाए।

स्वामित्व योजना

अब 'वित्तीय पूंजी' बने गांवों के घर, मिला 1679 करोड़ का कर्ज

आइआइएम अहमदाबाद ने किया आकलन, विश्व बैंक के मंच पर प्रस्तुत की गई रिपोर्ट, पंचायतीराज मंत्रालय का दावा, देशभर के ग्रामीण घरों का मूल्य 135 लाख करोड़ रुपये

- इस योजना के कारण संपत्ति के विवादों में आई अप्रत्याशित रूप से कमी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

गांवों में आबादी क्षेत्र का भू-अभिलेख न होने के कारण गांवों के घर विवादों का कारण तो बनते थे, लेकिन वित्तीय दृष्टिकोण से वह कोई पूंजी नहीं थे। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) अहमदाबाद ने पंचायतीराज मंत्रालय की स्वामित्व योजना के धरातल पर प्रभाव का आकलन करते हुए रिपोर्ट में दावा किया है कि इस योजना के कारण ग्रामीणों को अपने घरों के जो प्रापर्टी कार्ड सरकार से मिले हैं, उससे यह घर अब 'वित्तीय पूंजी' बन चुके हैं।

यही कारण है कि योजना के पूर्ण होने से पहले ही अब तक देशभर में इन प्रापर्टी कार्ड के आधार पर बैंक 1,679 करोड़ रुपये के 10,913 लोन दे चुके हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इस योजना के कारण संपत्ति के विवादों में अप्रत्याशित रूप से कमी देखी गई है।

योजना का सामने आया सकारात्मक असर।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीण आबादी क्षेत्र का ड्रोन सर्वे और मैपिंग के बाद राज्य सरकार के माध्यम से ग्रामीणों को उनके आवासीय क्षेत्र का संपत्ति कार्ड दिलाने के लिए मोदी सरकार ने वर्ष 2021 में स्वामित्व योजना शुरू की थी। भू-अभिलेख की समान योजना होने के कारण बंगाल, बिहार, नगालैंड और मेघालय जैसे राज्य इसमें शामिल नहीं हुए, जबकि सिक्किम, तेलंगाना और तमिलनाडु भी अपनी योजनाओं के कारण सिर्फ पायलट फेज में ही भागीदार बने। इनके अलावा सभी राज्यों में इस योजना को लागू करते हुए अब तक 1,89,814 गांवों में 3,14,73,480 संपत्ति कार्ड बनाए जा चुके हैं। इस पर केंद्र सरकार का अब तक 472 करोड़ रुपया खर्च हुआ है।

योजना के वास्तविक परिणाम का आकलन आइआइएम अहमदाबाद ने किया है। संपत्ति कार्ड के एवज में मिले बैंक लोन के आंकड़े के साथ ही इसमें मध्य प्रदेश के 42 हजार गांवों के अध्ययन का निष्कर्ष बताया है कि स्वामित्व सर्वे के बाद यहां प्रति आवासीय संपत्ति कर्ज का मूल्य 22,129 रुपये प्रतिवर्ष की दर से बढ़ा है। वहीं, प्रति ग्राम पंचायत संपत्ति कर राजस्व 4.71 प्रतिशत, ओन सोर्स रेवेन्यू 4.08 प्रतिशत और अन्य स्थानीय कर 7.57 प्रतिशत की दर से बढ़े हैं।

आवासीय संपत्तियों का नामांतरण भी 6.2 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ा है। आइआइएम अहमदाबाद की ओर से यह भी दावा किया गया है कि आवासीय संपत्ति का स्पष्ट निर्धारण और संपत्ति कार्ड बन जाने से संपत्ति के विवादों में भी अप्रत्याशित रूप से कमी आई है।

पंचायतीराज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने बताया कि योजना सेचुरेशन मोड पर पहुंचने के करीब है। उसके बाद ग्रामीण आबादी क्षेत्र की आवासीय संपत्ति का कुल मूल्य लगभग 135 लाख करोड़ रुपये पहुंच जाएगा।

उन्होंने कहा कि विश्व बैंक के मंच पर इस रिपोर्ट के प्रस्तुतीकरण से अन्य देश भी जान सकेंगे कि भारत में लैंड रिफार्म के लिहाज से स्वामित्व योजना कितनी कारगर साबित हुई है। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए यह एक उदाहरण भी बनेगा।

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

2021 के विधानसभा चुनाव में कोलकाता में 63.21 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2016 के चुनाव में 64.54 प्रतिशत जबकि 2011 में 65.63 प्रतिशत मतदान हुआ था।

सभी मतगणना केंद्रों के लिए पहली बार क्यूआर कोड वाले पहचान पत्र

अनधिकृत प्रवेश रोकने को चुनाव आयोग ने क्यूआर कोड वाले फोटो पहचान पत्र जारी किए

भविष्य में सभी लोकसभा, विधानसभा और उपचुनावों में मानक प्रथा के रूप में लागू होगी

जेएनएन, नई दिल्ली

कोलकाता में गुरुवार को स्ट्रांग रूम के बाहर तैनात सुरक्षाबल के जवान। एएनआइ

बंगाल समेत पांच राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों की मतगणना के लिए अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को पूरी तरह से रोकने के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने पहली बार क्यूआर (QR) कोड आधारित फोटो पहचान पत्र प्रणाली शुरू की है। आयोग का कहना है कि यह प्रणाली 4 मई को लागू होगी, जब पांच विधानसभा चुनावों के लिए मतों की गणना की जाएगी और भविष्य में सभी लोकसभा, विधानसभा और उपचुनावों में मानक प्रथा के रूप में लागू होगी।

बंगाल, असम, केरलम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में मतगणना केंद्रों पर पहचान सत्यापन के लिए तीन-स्तरीय सुरक्षा तंत्र निर्धारित किया गया है। पहले और दूसरे स्तर पर संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा जारी फोटो पहचान पत्रों की मैन्युअल जांच की जाएगी। तीसरे और सबसे भीतरी सुरक्षा घेरे में मतगणना हाल के निकट, क्यूआर कोड स्कैनिंग के माध्यम से सफल सत्यापन के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। नए क्यूआर कोड आधारित कार्ड उन व्यक्तियों के लिए लागू होंगे जिन्हें चुनाव आयोग ने मतगणना केंद्रों और हाल में प्रवेश के लिए अधिकृत किया है, जिसमें रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, मतगणना कर्मचारी, तकनीकी कर्मी, उम्मीदवार, चुनाव एजेंट और मतगणना एजेंट शामिल हैं।

राज्य ब्यूरो के अनुसार बंगाल में दूसरे व अंतिम चरण का मतदान बुधवार को संपन्न होने के बाद अब चुनाव आयोग की ओर से राज्यभर में स्ट्रांग रूमों के पुख्ता सुरक्षा प्रबंध से लेकर मतगणना केंद्रों पर जरूरी इंतजाम युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं।

बंगाल में इस बार मतगणना केंद्रों की संख्या घटाकर 87 कर दी गई है। 2021 के चुनाव में यह संख्या 108 थी। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि मतगणना में पारदर्शिता, निष्पक्षता व सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया है।

मीडिया के लिए भी प्रबंध : चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट किया कि मीडिया कर्मियों का प्रवेश आयोग द्वारा जारी प्राधिकरण पत्रों के आधार पर जारी रहेगा, जो आयोग के मौजूदा निर्देशों के अनुसार है।

केंद्रीय निर्वाचन आयोग के बयान में कहा गया है कि मतगणना की मीडिया कवरेज को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रत्येक मतगणना केंद्र में गणना हाल के निकट एक मीडिया केंद्र स्थापित किया जाएगा।

मतगणना को लेकर आयोग ने कसी कमर तो तृणमूल-भाजपा रच रहे हैं व्यूह

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

77 केंद्रों पर कड़ी पहरेदारी में होगी मतगणना, अब असली मुकाबला गिनती का

- सुरक्षा, पारदर्शिता और रणनीति, भाजपा-तृणमूल ने काउंटिंग डे के लिए कसी कमर

सीसीटीवी से स्ट्रांग रूम पर नजर रखते राजनीतिक दल के कार्यकर्ता। प्रेट्र

बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दोनों चरणों का मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हो चुका है। अब सबकी नजरें चार मई की मतगणना पर टिक गई हैं। चुनाव आयोग ने इस बार गिनती की प्रक्रिया को न केवल पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने का संकल्प लिया है, बल्कि सुरक्षा और गति को प्राथमिकता देते हुए मतगणना केंद्रों की संख्या में कटौती भी की है। इस रणनीतिक बदलाव के साथ ही राज्य का सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है, जहां सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने अपनी-अपनी 'काउंटिंग वार रूम' रणनीतियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रचार के दौरान ही ईवीएम में संभावित हेराफेरी का अंदेशा जताते हुए अपने कार्यकर्ताओं को 'हाई अलर्ट' पर रहने का निर्देश दिया था। तृणमूल कांग्रेस का पूरा ध्यान स्ट्रांग रूम से लेकर मतगणना टेबल तक त्रिस्तरीय निगरानी पर है। वहीं, वाममोर्चा और कांग्रेस ने भी अपने-अपने मतगणना एजेंटों की नियुक्ति के लिए मंथन तेज कर दिया है।

मतगणना केंद्रों में कटौती: इस बार चुनाव आयोग ने एक अहम बदलाव करते हुए 294 सीटों की मतगणना के लिए केंद्रों की संख्या एक सप्ताह पहले घटाकर 87 की थी, जिसे अब 77 कर दिया गया है, जो 2021 के 108 केंद्रों से काफी कम है। यह निर्णय अचानक नहीं, बल्कि चरणबद्ध तरीके से लिया गया-पहले 165, फिर 150, उसके बाद 112, फिर 87 और अंततः 87 केंद्रों पर सहमति बनी। इस बदलाव के पीछे सिर्फ समय बचाने की मंशा नहीं, बल्कि पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता भी है। 2021 के अनुभवों से सबक लेते हुए आयोग इस बार किसी भी तरह की अव्यवस्था या हिंसा की आशंका को न्यूनतम करना चाहता है। यही वजह है कि मतदान के बाद भी सुरक्षा बलों की भारी तैनाती जारी है और स्ट्रांग रूम से लेकर मतगणना केंद्रों तक बहुस्तरीय निगरानी सुनिश्चित की गई है।

दो मई को अहम बैठक: पिछले अनुभवों से सबक लेते हुए भाजपा ने इस बार अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी के बंगाल चुनाव प्रभारियों ने दो मई को कोलकाता में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है, जिस में वे नेता शामिल हैं जो अन्य राज्यों से आकर पिछले कई माह से बंगाल में चुनाव को लेकर रणनीति और कार्यों को गति दे रहे थे।

एक और एक्जिट पोल में बंगाल, असम में भाजपा की बड़ी जीत की भविष्यवाणी

- टुडेज चाणक्य के सर्वे के अनुसार, तमिलनाडु में वापसी करेगा द्रमुक

नई दिल्ली, प्रेट्र : गुरुवार को जारी एक नए एक्जिट पोल में भविष्यवाणी की गई है कि भाजपा बंगाल और असम में बड़ी जीत हासिल करेगी, जबकि द्रमुक तमिलनाडु की सत्ता में वापसी करेगा। टुडेज चाणक्य के एक्जिट पोल में केरलम में कड़ी टक्कर का अनुमान लगाया गया है। वैसे, विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में वोटों की गिनती चार मई को होगी और तभी सही तस्वीर का पता चलेगा। न्यूज18 द्वारा बंगाल के लिए किए गए एक अन्य एक्जिट पोल में कड़ी टक्कर का अनुमान लगाया गया है, जिसमें भाजपा को 143-163 सीटें और तृणमूल को 127-147 सीटें मिल सकती हैं। टुडेज चाणक्य के एक्जिट पोल के अनुसार, बंगाल में भाजपा को 192 और तृणमूल को 100 सीटें मिलेंगी, जिसमें 11 सीटों की त्रुटि की संभावना है। टुडेज चाणक्य ने अनुमान लगाया है कि तमिलनाडु में द्रमुक सत्ता में वापसी करेगा, लेकिन अभिनेता से राजनेता बने विजय की टीवीके चुनाव में शानदार शुरुआत करते हुए अन्नाद्रमुक को पछाड़कर दूसरे स्थान पर आ जाएगी। बुधवार को कई एक्जिट पोल ने असम में भाजपा की भारी जीत और बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल पर स्पष्ट बढ़त का अनुमान लगाया था, जबकि तमिलनाडु में द्रमुक सरकार की वापसी और केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की 10 साल बाद वापसी की भविष्यवाणी की थी। कुछ सर्वेक्षण में बंगाल में तृणमूल की बड़ी जीत और तमिलनाडु में त्रिशंकु विधानसभा का अनुमान लगाया गया था। लगभग सभी सर्वे एजेंसियों ने पुडुचेरी में एआइएनआरसी के नेतृत्व वाली राजग सरकार की वापसी की बात कही है।

ममता का दावा-तृणमूल 226 से अधिक सीटें जीतेगी : बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को दावा किया कि राज्य में एक बार फिर मां-माटी-मानुष की सरकार बनेगी। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो संदेश साझा कर विश्वास व्यक्त किया कि उनकी पार्टी 226 से अधिक सीटें जीतकर सत्ता में वापसी करेगी।

टुडेज चाणक्य का अनुमान

बंगाल (294)		
भाजपा	तृणमूल	अन्य
192	100	2
असम (126)		
भाजपा	कांग्रेस	अन्य
102	23	1
केरल (140)		
यूडीएफ	एलडीएफ	भाजपा
69	64	7
तमिलनाडु (234)		
द्रमुक+	अन्नाद्रमुक+	टीवीके
125	45	63

जय बांग्ला नहीं बोलने पर कोलकाता में आरएसएस कार्यकर्ताओं की पिटाई

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: कोलकाता के बेहाला इलाके में गुरुवार रात जय बांग्ला नहीं बोलने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के दो कार्यकर्ताओं समेत कुल पांच लोगों की पिटाई किए जाने की घटना प्रकाश में आई है। पीड़ितों का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके साथ मारपीट की है। घायलों में दोनों आरएसएस कार्यकर्ता सगे भाई हैं। उनका यह भी आरोप है कि पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज नहीं की, उल्टा तृणमूल कांग्रेस समर्थकों की शिकायत के आधार पर पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

जादवपुर में भी हिंसा की घटना सामने आई। आरोप है कि गुरुवार रात 50-60 लोगों ने भाजपा के पोलिंग एजेंट के दफ्तर पर हमला कर दिया। हमलावरों ने दफ्तर में लगे सीसीटीवी तोड़ दिए और जमकर तोड़फोड़ की। पोलिंग एजेंट की गाड़ी में तोड़फोड़ की गई। एजेंट की पत्नी को भी कथित रूप से धमकाया गया। इसके अलावा, पास में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता के घर को भी निशाना बनाए जाने की बात सामने आई है।

ईवीएम में गड़बड़ी की 77 शिकायतों की चुनाव आयोग ने शुरू की जांच

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- विशेष पर्यवेक्षक पहुंचे, जांच के बाद होगा पुर्नमतदान पर अंतिम फैसला
- चुनाव आयोग ने कहा-गड़बड़ी मिली तो होगी सख्त कार्रवाई

बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के दौरान डायमंड हार्बर समेत कई केंद्रों पर ईवीएम की सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर उठे सवालों के बीच चुनाव आयोग अब एक्शन मोड में आ गया है। चुनाव प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखने के लिए आयोग ने 'हाई-लेवल' जांच शुरू कर दी है। विशेष रूप से डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र की स्थिति पर अब सबकी निगाहें टिकी हैं, जहां स्पेशल रोल आब्जर्वर सुब्रत गुप्ता ने स्वयं स्ट्रांग रूम का मुआयना किया।

जानकारी के अनुसार, वे मशीनों की सीलिंग, सुरक्षा मानकों और संरक्षण पद्धति की गहन जांच कर रहे हैं। आयोग का स्पष्ट निर्देश है कि इस जमीनी जांच की रिपोर्ट के आधार पर ही यह तय किया जाएगा कि क्षेत्र में पुनर्मतदान की आवश्यकता है या नहीं।

77 शिकायतों ने बढ़ाई आयोग की सख्ती : केवल डायमंड हार्बर ही नहीं, बल्कि दूसरे चरण के मतदान के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों से ईवीएम से छेड़छाड़ और गड़बड़ी की कुल 77 गंभीर शिकायतें दर्ज की गई हैं। इन शिकायतों पर कड़ा रुख अपनाते हुए आयोग ने वेबकास्ट फुटेज और संबंधित बूथ अधिकारियों की रिपोर्ट खंगालना शुरू कर दिया है। बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल ने इस मामले पर स्पष्ट संदेश देते हुए कहा है कि आयोग जीरो टालरेंस की नीति पर काम कर रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जहां भी ईवीएम के साथ छेड़छाड़ या तकनीकी धांधली की पुष्टि होगी, वहां बिना किसी देरी के पुनर्मतदान कराया जाएगा।

राजनीतिक आरोप और प्रशासनिक सक्रियता : मतदान के बाद से ही भाजपा ने ईवीएम के बटन पर टेप लगाने समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं। विपक्ष का दावा है कि दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर क्षेत्र में कई बूथों पर पारदर्शिता के साथ समझौता किया गया। इन आरोपों के बीच, एक विशेष पर्यवेक्षक को भेजने का निर्णय चुनाव आयोग की सक्रियता और निष्पक्षता के प्रमाण के रूप में देखा जा रहा है। प्रशासनिक हलकों में यह चर्चा है कि सुब्रत की रिपोर्ट ही अब इस चुनावी भविष्य का फैसला करेगी। जब तक जांच की यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती और रिपोर्ट जमा नहीं होती, तब तक आयोग किसी भी अंतिम निर्णय पर मुहर नहीं लगाएगा।

मतदान के दौरान केंद्रीय बलों के धक्के से बुजुर्ग मतदाता की मौत का आरोप

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी बुधवार को हुए दूसरे व अंतिम चरण के मतदान के दौरान हावड़ा जिले में केंद्रीय बलों के धक्के से कथित तौर पर एक बुजुर्ग मतदाता की मौत का आरोप लगाया है। बनर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों ने बंगाल में चुनाव के दौरान भाजपा की निजी सेना की तरह काम किया और मतदाताओं को आतंकित किया। उन्होंने हावड़ा की घटना का जिक्र करते हुए दावा किया कि बुजुर्ग व्यक्ति अपने बेटे के साथ वोट डालने गए थे। आरोप है कि जब उनका बेटा उन्हें बूथ तक ले जाने की कोशिश कर रहा था, तभी केंद्रीय बल के जवान ने उन्हें धक्का दिया और मारपीट की, जिसके बाद बुजुर्ग अचानक गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने भी हावड़ा में बुजुर्ग मतदाता की मौत पर गुरुवार को दुख जताते हुए कहा कि उनकी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

खतरे में वोट का अधिकार लेकिन अब इसे मौलिक अधिकार बनाना जरूरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

जयराम रमेश

जयराम ने कहा, मौलिक अधिकार के उल्लंघन पर कोई भी तत्काल जा सकता है कोर्ट

कांग्रेस ने दावा किया है कि चुनाव आयोग के पक्षपाती रुख के चलते नागरिकों का वोट का अधिकार खतरे में है। इसकी रक्षा के लिए मताधिकार को अब मौलिक अधिकार बनाया जाना जरूरी है। एसआइआर में लक्षित कर बड़ी संख्या में लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काटने से लेकर चुनावों के दौरान निष्पक्ष अंपायर की भूमिका निभाने की बजाय स्वयं एक पक्ष का साथी खिलाड़ी बनने का मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि चुनाव आयोग उनके नेतृत्व में जितना समझौतावादी हो गया है, उतना इतिहास में पहले कभी नहीं था।

उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने तीन 'डी' पता लगाना (डिटेक्ट), हटाना (डिलीट) तथा देश से निकालना (डिपोर्ट) को एसआइआर का लक्ष्य बताया था। इसलिए हम जानना चाहते हैं कि इसमें अब तक कितने गैर-भारतीय नागरिकों का पता लगा, कितने नाम काटे गए हैं और कितनों को देश से निकाला गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसमें संदेह नहीं कि एसआइआर के बाद वोट देने का अधिकार खतरे में है। इसलिए इसे वैधानिक अधिकार की जगह अब मौलिक अधिकार बनाने का वक्त आ गया है।

कांग्रेस अपने शासनकाल में ऐसा क्यों नहीं कर पाई, इस पर जयराम ने कहा कि किसी ने कल्पना नहीं की थी कि ज्ञानेश कुमार जैसे लोग चुनाव आयोग को इस स्थिति में पहुंचा देंगे। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिए गए दूसरे महाभियोग प्रस्ताव को सही ठहराते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष उन्हें हटाने का अपना प्रयास जारी रखेगा, क्योंकि वह संपूर्ण रूप से समझौतावादी हो चुके हैं।

बंगाल में 51 लाख मतदाता घटे, फिर भी 30 लाख ज्यादा वोट डाले गए

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बाद नई तस्वीर आई सामने
- दोनों चरणों को मिलाकर मतदान का आंकड़ा 92.93 प्रतिशत तक पहुंचा
- यह देश के सभी विधानसभा चुनावों में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत माना जा रहा

प्रतीकात्मक

बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के बाद चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। राज्य में एसआइआर के दौरान कुल मतदाताओं की संख्या पिछले चुनाव के मुकाबले करीब 51 लाख कम हो गई, इसके बावजूद मतदान करने वालों की संख्या 30 लाख से अधिक बढ़ गई। इस असामान्य ट्रेंड ने राज्य में मतदान प्रतिशत को ऐतिहासिक स्तर तक पहुंचा दिया है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, दूसरे चरण के मतदान के बाद रात 12 बजे तक 92.63 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। दोनों चरणों को मिलाकर यह आंकड़ा 92.93 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो न सिर्फ बंगाल बल्कि देश के सभी विधानसभा चुनावों में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत माना जा रहा है।

वोटिंग से दूर रहने वाले मतदाता भी मतदान केंद्र पहुंचे : विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता मतदान केंद्रों तक पहुंचे, जो आमतौर पर वोट नहीं डालते थे या किसी कारणवश मतदान से दूर रहते थे। यही अतिरिक्त वोट इस चुनाव के परिणाम को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकता है। आंकड़ों के मुताबिक, बढ़े हुए 30 लाख वोटरों में से करीब 21 लाख सिर्फ पहले चरण में ही वोट डालने पहुंचे। विधानसभा क्षेत्र के स्तर पर देखें तो औसतन हर सीट पर करीब 10 हजार अधिक वोट पड़े हैं। पहले चरण की सीटों में यह बढ़ोतरी औसतन 14,237 वोट प्रति सीट रही, जबकि दूसरे चरण में यह आंकड़ा 6,615 रहा।

अधिक वोटिंग पर अलग-अलग तर्क: सामान्य धारणा यह है कि अधिक मतदान अक्सर सत्ता विरोधी लहर का संकेत होता है, लेकिन इसके उलट उदाहरण भी मौजूद हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए दावा कर रहे हैं कि अधिक मतदान के बावजूद तब जनता ने सत्ता पक्ष का समर्थन किया था। वहीं, विपक्ष 2011 के चुनाव का उदाहरण दे रहा है, जब 84.33 प्रतिशत मतदान के साथ 34 साल पुराने वाम शासन का अंत हुआ था।

मतदान न कर पाने वाले ड्यूटी में तैनात अधिकारियों को हाई कोर्ट से राहत नहीं

कोच्चि, आइएएनएस : केरल हाई कोर्ट ने गुरुवार को उन हजारों चुनाव अधिकारियों को अंतरिम राहत देने से इन्कार कर दिया, जिनका कहना है कि उन्हें नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में मतदान करने का मौका नहीं दिया गया।

कई रिट याचिकाओं में चुनाव ड्यूटी पर तैनात सरकारी कर्मचारियों के बड़े पैमाने पर मताधिकार से वंचित किए जाने का आरोप लगाया गया था। कई कर्मचारियों ने दावा किया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करने के बावजूद उन्हें डाक मतपत्र प्राप्त नहीं हुए।

राज्य सेवा संगठनों की संयुक्त परिषद और केरलम एनजीओ यूनियन सहित याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि लगभग 6,000 अधिकारियों को मतपत्र नहीं मिले, जबकि व्यापक अनुमानों के अनुसार प्रभावित अधिकारियों की संख्या 20,000 से अधिक थी। हालांकि, न्यायमूर्ति के.वी. जयकुमार ने फैसला सुनाया कि चुनावी प्रक्रिया के इस चरण में न्यायालय हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

नया अध्याय

महिलाओं की रिकार्ड भागीदारी ने बदली तस्वीर, वैश्विक लोकतंत्रों के बीच बंगाल बना अपवाद

चुनावी लोकतंत्र में अब 'बंगाल माडल'

जयकृष्ण वाजपेयी ● जागरण

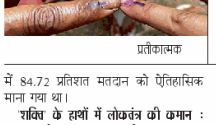

93 प्रतिशत मतदान के साथ बंगाल में बना रिकार्ड

प्रतीकात्मक

कोलकाता: बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 ने भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। लगभग 93 प्रतिशत के करीब पहुंचती मतदान दर केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि यह जनभागीदारी की उस ऊंचाई का संकेत है, जिसे आज दुनिया के कई स्थापित लोकतंत्र भी हासिल नहीं कर पा रहे हैं। यह चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन या स्थायित्व का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना के अभूतपूर्व उभार का प्रतीक बनकर उभरा है। दो चरणों में हुए मतदान में पहले चरण में 93.19 और दूसरे चरण में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। अंतिम आंकड़े के 93 प्रतिशत पार करने की पूरी संभावना है। यह न केवल बंगाल, बल्कि स्वतंत्रता के बाद देश में किसी भी बड़े चुनाव में सबसे ऊंचे मतदान प्रतिशतों में शुमार होगा। इससे पहले 2011 में 84.72 प्रतिशत मतदान को ऐतिहासिक माना गया था।

'शक्ति' के हाथों में लोकतंत्र की कमान : इस बार के चुनाव का सबसे उज्ज्वल पक्ष महिलाओं की अभूतपूर्व भागीदारी है। बंगाल की आधी आबादी ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह केवल मतदाता नहीं, बल्कि देश की गणतांत्रिक व्यवस्था की असली नियंता हैं। प्रथम चरण में जहां 94.10 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाले, वहीं पुरुष मतदान 92.34 प्रतिशत रहा। दूसरे चरण में भी महिलाओं ने 92.28 प्रतिशत के साथ पुरुषों (91.07 प्रतिशत) को पीछे छोड़ दिया है। यह रुझान स्पष्ट संकेत है कि संसदीय व्यवस्था में 33 प्रतिशत आरक्षण की तैयारी के बीच, बंगाल की महिलाएं जमीनी स्तर पर अपनी सत्ता पहले ही स्थापित कर चुकी हैं।

चुनावी चेतना का नया 'बेंचमार्क'

स्वतंत्रता के बाद भारत में कभी भी किसी राज्य में इतनी भारी वोटिंग नहीं देखी गई। 2001 में बंगाल का मतदान प्रतिशत 75.29 प्रतिशत था, जो अब 2026 में 93 प्रतिशत के करीब पहुच चुका है। यह वृद्धि जनता के उस अटूट विश्वास को दर्शाती है, जो वे चुनावी प्रक्रिया और अपने अधिकारों में रखते हैं। बंगाल का यह 'चुनावी महोत्सव' देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक शुभ संकेत है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का घरों से बाहर निकलना यह साबित करता है कि जनता अपनी नियति खुद लिखने के लिए प्रतिबद्ध है।

वैश्विक मंच पर बंगाल की 'विराट' बढ़त

जब हम 2026 के वैश्विक चुनावी रुझानों की तुलना बंगाल से करते हैं, तो अंतर चौंकाने वाला दिखता है। जहां हंगरी जैसे राजनीतिक रूप से जागरूक देश में भारी उलटफेर के बावजूद मतदान 79.5 प्रतिशत रहा, वहीं जापान जैसे विकसित राष्ट्र में यह आंकड़ा 56.25 प्रतिशत पर ही सिमट गया। पड़ोसी नेपाल (59.67 प्रतिशत) और बांग्लादेश (59.44 प्रतिशत) में भी चुनावी उत्साह बंगाल के मुकाबले फीका नजर आया। यहां तक कि थाईलैंड, जहां के उत्तरी प्रांतों में काफी सक्रियता देखी गई, वहां भी राष्ट्रीय औसत 71.42 प्रतिशत ही रहा।

स्ट्रांग रूम के बाहर धरना दे रहे तृणमूल प्रत्याशियों को हटाया गया

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बंगाल में मतदान की प्रक्रिया समाप्त होने के अगले दिन कोलकाता के खुदीराम अनुशीलन केंद्र में बनाए गए स्ट्रांग रूम में कथित छेड़छाड़ के आरोपों को लेकर गुरुवार को वहां जबरदस्त उत्तेजना फैल गई।

स्ट्रांग रूम में बाहरी लोगों के कथित रूप से घुसने और ईवीएम से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी कुणाल घोष और मंत्री व प्रत्याशी शशि पांजा शाम में केंद्र के बाहर धरने पर बैठ गए। देखते ही देखते वहां तृणमूल और भाजपा कार्यकर्ताओं की भी भारी भीड़ जुट गई और दोनों तरफ से नारेबाजी शुरू हो गई। बाद में पुलिस व पहुंचे केंद्रीय बल ने हस्तक्षेप कर धरना दे रहे तृणमूल नेताओं को कई घंटे बाद रात करीब साढ़े नौ बजे वहां से हटा दिया।

कुणाल घोष और शशि पांजा कई घंटों से धरना दे रहे थे। दोनों नेताओं का आरोप था कि सील किए गए स्ट्रांग रूम के भीतर बाहरी लोगों की आवाजाही हो रही है और पोस्टल बैलेट में गड़बड़ी की आशंका जताई। उन्होंने अंदर जाकर स्थिति की जांच करने की मांग की, लेकिन सुरक्षा नियमों का हवाला देकर उन्हें अनुमति नहीं दी गई। माहौल तब गरम हो गया जब तृणमूल नेताओं के धरने देने की खबर पाकर भाजपा प्रत्याशी तापस राय और संतोष पाठक भी वहां पहुंचे। उनके पहुंचते ही तृणमूल समर्थकों ने उन्हें घेरकर जय बांग्ला के नारे लगाए, जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम के नारे लगाकर जवाब दिया। इससे माहौल और गरमा गया और स्ट्रांग रूम के बाहर दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई।

6 दोषियों को मौत की सजा सुनाई है प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने भाजपा नेता वेंकटेश कुरुवारा की पिछले साल हुई हत्या मामले में। पिछले साल आठ अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। 11 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी गई।

नासिक टीसीएस प्रकरण में विदेशी कनेक्शन व मानव तस्करी का भी संदेह

आरोपितों के लैपटाप पासवर्ड अभी तक नहीं मिले

इसमें पीड़ितों को बरगलाने के लिए तैयार प्रेजेंटेशन हो सकते हैं मौजूद

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

प्रतीकात्मक

टीसीएस की नासिक इकाई में हुए मतांतरण व यौन उत्पीड़न में एसआइटी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार मुख्य आरोपितों को पुनः अपनी हिरासत में लिया है। दानिश शेख, तौसीफ अत्तर, शाह रुख कुरैशी और रजा मेमन की पुलिस हिरासत अदालत ने दो मई तक बढ़ा दी है। जांच के नए चरण में पुलिस अब इस सिंडिकेट के 'विदेशी कनेक्शन' और 'ह्यूमन ट्रैफिकिंग' के तारों को जोड़ने में जुटी है।

विशेष सरकारी वकील अजय मिसर ने दलील दी थी कि आरोपितों के पास कंपनी द्वारा दिए गए जो लैपटाप थे, उनके पासवर्ड अभी तक नहीं मिले हैं। पइन डिवाइस में मतांतरण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वीडियो, आपत्तिजनक चैट और पीड़ितों को बरगलाने के लिए तैयार किए गए प्रेजेंटेशन मौजूद हो सकते हैं। इसके साथ ही पुलिस उन वाट्सएप ग्रुपों की भी पड़ताल कर रही है, जिनमें कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री साझा की जाती थी। आरोपितों से अब तक की पूछताछ में एक सनसनीखेज पर्दाफाश यह हुआ है कि पीड़ितों को नौकरी का झांसा देकर मलेशिया भेजने की योजना बनाई गई थी। जांच एजेंसियां इमरान नामक एक व्यक्ति की तलाश कर रही हैं। इसके माध्यम से पीड़ितों को विदेश भेजने की साजिश रची गई थी। यह महज मतांतरण का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी गिरोह भी सक्रिय हो सकता है।

टीसीएस के बाद अब मुंबई के पीरामल समूह में भी सामने आया यौन उत्पीड़न का मामला

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

- युवती के नौकरी छोड़ने के बाद भी आरोपित अशरफ सिद्दीकी भेज रहा था अश्लील संदेश

मुंबई के महालक्ष्मी स्थित पीरामल समूह के कार्यालय में भी नासिक के टीसीएस कांड जैसी घटना सामने आई है। एक 19 वर्षीय युवती ने अपने सहकर्मी पर यौन उत्पीड़न और पीछा करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के पिता की सक्रियता के बाद यह मामला कानूनी कार्रवाई तक पहुंचा। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता के पिता द्वारा मुंबई के आग्रीपाड़ा पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसमें कहा गया है कि युवती के नौकरी छोड़ने के बावजूद आरोपित उसे अश्लील मैसेज भेजकर और फोन कर प्रताड़ित कर रहा था। जब यह प्रताड़ना सहनशक्ति से बाहर हो गई, तब पीड़िता ने अपने परिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने आरोपित की पहचान अशरफ सिद्दीकी के रूप में की है। वह उसी कार्यालय में पीड़िता का सहकर्मी था।

प्राथमिकी में कहा गया है कि आरोपित ने न सिर्फ युवती को अश्लील तस्वीरें भेजीं, बल्कि अन्य महिला सहकर्मियों के बारे में भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया। पीड़िता को संबंध बनाने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया। आग्रीपाड़ा पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

यह मामला नासिक के टीसीएस में सामने आए बड़े उत्पीड़न और मतांतरण गिरोह से मिलता-जुलता है। लेकिन इसमें अभी एक ही आरोपित के सामने आने की बात पता चली है। नासिक की तरह यहां भी कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और विशाखा दिशा निर्देशों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में बाहरी ठेका कंपनियों के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों की पृष्ठभूमि की जांच में ढिलाई बरती जाती है।

आनलाइन गेमिंग के नए नियम लागू, खेल सुरक्षित बनाने पर जोर

- ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स को बढ़ावा, पैसे वाले गेम्स पर सख्ती
- अब हर प्लेटफार्म को लेना होगा रजिस्ट्रेशन, शिकायत का रास्ता साफ
- 90 दिन में तय होगा कौन-सा गेम किस श्रेणी में
- 2027 तक 3.16 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है बाजार

नई दिल्ली, आइएएनएस: अगर आप मोबाइल या कंप्यूटर पर गेम खेलते हैं, तो आज से आपके अनुभव में बदलाव दिख सकता है। सरकार ने एक मई 2026 से आनलाइन गेमिंग के नए नियम लागू कर दिए हैं, जिनका मकसद खेल को ज्यादा सुरक्षित, साफ-सुथरा और भरोसेमंद बनाना है।

सरकार का कहना है कि इन नियमों से जहां खिलाड़ियों को ठगी या गलत तरीकों से सुरक्षा मिलेगी, वहीं गेम बनाने वाली कंपनियों के लिए भी स्पष्ट नियम तय हो जाएंगे। अब हर गेमिंग प्लेटफार्म को रजिस्ट्रेशन कराना होगा और अपनी जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। अगर किसी खिलाड़ी को शिकायत है, तो उसके लिए तय समय में सुनवाई और समाधान का प्रविधान भी रखा गया है।

कौन सा गेम सही, कौन सा नहीं, अब साफ होगा : नए नियमों में यह भी तय किया गया है कि कौन से गेम सिर्फ मनोरंजन या कौशल (ई-स्पोर्ट्स/सोशल गेम्स) के लिए हैं और कौन-से ऐसे हैं जिनमें पैसे का दांव लगता है। अगर किसी गेम में पैसा लगाकर कमाई की उम्मीद है, तो उसे सख्त नियमों के दायरे में रखा जाएगा। सरकार 90 दिनों के भीतर यह तय करेगी कि कोई गेम किस श्रेणी में आता है। इससे खिलाड़ियों को भी साफ समझ मिलेगी कि वे किस तरह का गेम खेल रहे हैं।

कंपनियों की जिम्मेदारी बढ़ी : अब गेमिंग कंपनियों को यूजर डाटा की सुरक्षा का खास ध्यान रखना होगा। साथ ही उन्हें एक जिम्मेदार अधिकारी तय करना होगा, जिससे खिलाड़ी सीधे संपर्क कर सकें। भुगतान से जुड़े नियमों का पालन भी अनिवार्य होगा, ताकि किसी तरह की धोखाधड़ी न हो।

तेजी से बढ़ रहा है गेमिंग का बाजार : भारत में आनलाइन गेमिंग तेजी से बड़ा बाजार बनता जा रहा है। 2024 में इस सेक्टर का कारोबार 2.32 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें ज्यादातर हिस्सा उन गेम्स का है जहां लेन-देन होता है। आने वाले समय में यह बाजार और बढ़कर 2027 तक 3.16 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

गौरतलब है कि पहले ही लागू कानून के तहत पैसे लगाकर खेले जाने वाले आनलाइन गेम्स पर प्रतिबंध है। इनके विज्ञापन और भुगतान पर भी रोक है, और नियम तोड़ने पर जुर्माने के साथ जेल तक की सजा हो सकती है।

गिरफ्तारी की आशंका जताकर पवन खेड़ा ने मांगी अग्रिम जमानत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर आरोप लगाने के मामले में आपराधिक मुकदमे का सामना कर रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मांगी। दूसरी तरफ असम पुलिस ने खेड़ा की याचिका का जोरदार विरोध किया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुन ली है और सुनवाई अब पूरी हो गई है।

पवन खेड़ा ने गौहाटी हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। खेड़ा ने असम में चुनाव से पहले गुवाहाटी में प्रेस कान्फ्रेंस करके रिनिकी भुइयां सरमा के पास तीन देशों का पासपोर्ट होने, अमेरिका में कंपनी पंजीकृत होने और उसमें रिनिकी का काफी बड़ा निवेश होने के आरोप लगाए थे। रिनिकी ने आरोपों का खंडन करते हुए खेड़ा के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज कराया था। इसी मामले में खेड़ा अग्रिम जमानत मांगने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। गुरुवार को खेड़ा की याचिका पीठ के समक्ष सुनवाई पर लगी थी। खेड़ा के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने गिरफ्तारी की आशंका जताई और केस दर्ज होने के बाद खेड़ा के बारे में असम के मुख्यमंत्री ओर से दिए गए बयानों का हवाला दिया।

2014 में खुद ही समाप्त हो गया था मुस्लिम आरक्षण : महाराष्ट्र सरकार

- बांबे हाई कोर्ट में हलफनामा देकर कहा- सरकारी आदेश से खत्म नहीं किया मुस्लिम कोटा

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र सरकार ने बांबे हाई कोर्ट को बताया है कि मुस्लिमों को पांच प्रतिशत आरक्षण देने वाला 2014 का अध्यादेश उसी वर्ष समाप्त हो गया था। इस वर्ष फरवरी में जारी किए गए सरकारी आदेश से मुस्लिमों के लिए किसी भी कोटे को समाप्त नहीं किया गया है।

राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह वकील सैयद एजाज नकवी द्वारा दायर याचिका के जवाब में हलफनामा पेश किया। याचिका में 17 फरवरी के सरकारी आदेश को चुनौती दी गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह आदेश जारी कर सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मुस्लिम समुदाय के लिए आरक्षण को रद कर दिया गया था। नकवी ने सरकार के फैसले को 'नस्ली भेदभाव' करार दिया था और दावा किया था कि यह संविधान का उल्लंघन है।

जस्टिस आरआइ छागला और जस्टिस अद्वैत सेठना की पीठ चार मई को इस याचिका पर सुनवाई कर सकती है। सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया, कोई भेदभाव नहीं किया गया, न ही संविधान के किसी प्रविधान का उल्लंघन किया गया है। याचिका में दम नहीं है और इसे खारिज किया जाना चाहिए क्योंकि यह तथ्यों की गलत धारणाओं पर आधारित है। 17 फरवरी का सरकारी आदेश वैधानिक प्रविधानों के अनुरूप जारी किया गया था।

सरकार ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में मुसलमानों के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण के लिए जुलाई 2014 में पारित अध्यादेश उसी वर्ष दिसंबर में समाप्त हो गया। उसके बाद किसी भी वैध कानून द्वारा इसे प्रतिस्थापित नहीं किया गया। इसलिए उस अध्यादेश के आधार पर किसी अधिकार पर दावा नहीं किया जा सकता है। संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण देने का प्रविधान नहीं करता है, इसलिए याचिका में मांगी गई राहतों पर विचार नहीं किया जा सकता है।

बिहार में अब शुरू हुई संस्थानों के नाम बदलने की राजनीति

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- कांग्रेस नेता संजय गांधी का नाम तीन संस्थानों से हटाया
- भाजपा से जुड़ी हैं संजय गांधी की पत्नी मेनका गांधी व बेटे वरुण गांधी
- नीतीश के चंद निर्णय को छोड़ दें तो वह करते रहे हैं इससे किनारा

सम्राट सरकार ने बिहार के तीन प्रमुख संस्थानों के नाम से दिवंगत कांग्रेस नेता संजय गांधी का नाम हटाकर नई राजनीति को हवा दे दी है। इससे साफ है कि आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच राजनीतिक वार-पलटवार तेज होगा। सरकार ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के माध्यम से संचालित दो संस्थान संजय गांधी जैविक उद्यान, पटना एवं संजय गांधी जैविक उद्यान एवं विकास सोसाइटी, पटना का नाम बदल दिया है। दोनों संस्थान के नाम से संजय गांधी का नाम हटा दिया गया है। शेष नाम यथावत हैं।

इसी तरह डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के एक संस्थान संजय गांधी गव्य प्रावैधिकी संस्थान, पटना का रूपांतरण बिहार स्टेट इंस्टीट्यूट आफ डेयरी टेक्नोलाजी, पटना कर दिया गया है। संजय गांधी की पत्नी व पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी तथा बेटे वरुण गांधी भाजपा से जुड़े हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि दोनों विभाग भी लंबे समय से भाजपा कोटे के मंत्रियों के पास रहे हैं। अब संभावना है कि आने वाले दिनों में सुल्तानगंज का नाम बदलकर सरकार अजगैवीनाथ धाम कर देगी। बख्तियारपुर का नाम भी बदलने की मांग की जा रही है। इसी तरह अन्य कई शहरों के नाम भी बदलने की मांग लंबे समय से की जा रही है।

सम्राट चौधरी। फाइल

नीतीश ने कांग्रेस नेताओं का रखा सम्मान

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नाम बदलने की राजनीति से खुद को दूर रखा। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के सम्मान का ख्याल रखा। नीतीश ने बेली रोड का नाम जवाहर लाल नेहरू पथ से बदलकर नेहरू पथ के रूप में प्रचारित किया। साथ ही बख्तियारपुर का नाम बदलने के प्रस्ताव को हमेशा टालते रहे। गया का नाम बदलकर गयाजी एवं रघुनाथपुर का नाम बदल ब्रह्मेश्वर नाथ करने जैसे गिने चुने बदलाव ही किए। इधर, राजद का कहना है कि एनडीए की सरकार काम में नहीं, नाम बदलने में विश्वास करती है।

हजयात्रियों को 10 हजार रुपये अधिक देने होंगे

- पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर एटीएफ की बढ़ी कीमतों के कारण लिया गया फैसला
- विपक्ष ने बताया अन्याय, सरकार ने कहा- हजयात्रियों पर नहीं पड़ने दिया अधिक बोझ

नई दिल्ली, प्रेट्र : पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण विमानन ईंधन (एटीएफ) के दामों में वृद्धि का असर हजयात्रियों पर भी पड़ेगा। हज कमेटी आफ इंडिया ने इस वर्ष हज के लिए हवाई किराये में प्रति हजयात्री 10 हजार रुपये की वृद्धि की है। सरकार ने कहा कि हजयात्रियों पर अधिक बोझ नहीं पड़ने दिया है, वहीं विपक्षी नेताओं ने कहा है कि हजयात्रा के किराये में बढ़ोतरी अन्याय है।

हज कमेटी द्वारा जारी सर्कुलर में कहा गया है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण असाधारण परिस्थितियों के मद्देनजर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने हज 2026 के लिए हवाई किराये में एक बार के बदलाव को मंजूरी दे दी गई है।

सर्कुलर के अनुसार प्रति हजयात्री 100 अमेरिकी डालर (लगभग 10 हजार रुपये) की वृद्धि की गई है चाहे हजयात्री भारत के किसी भी स्थान से हजयात्रा के लिए प्रस्थान करें। यह निर्णय हितधारकों के साथ परामर्श के बाद लिया गया है। एयरलाइंस कंपनियों द्वारा किराये में 400 अमेरिकी डालर से अधिक की वृद्धि की लगातार मांग की जा रही थी। इस वर्ष सभी हजयात्रियों को 15 मई तक हवाई किराये के अंतर के रूप में 10 हजार रुपये जमा करने होंगे।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा एक्स पर पोस्ट किया, भू-राजनीतिक तनावों के चलते विमानन टरबाइन ईंधन की कीमतों में वैश्विक स्तर पर तीव्र वृद्धि के बीच एयरलाइंस ने प्रत्येक तीर्थयात्री के लिए 300-400 अमेरिकी डालर की भारी बढ़ोतरी की मांग की है। बातचीत के जरिए सुनिश्चित किया गया कि बढ़ोतरी केवल 100 अमेरिकी डालर तक ही सीमित रहे।

पीएनजी के साथ एलपीजी कनेक्शन रखने वालों की सरकार कर रही पहचान

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार उन घरों की पहचान कर रही है जिनके पास एलपीजी और पीएनजी दोनों कनेक्शन हैं। सरकार ने पिछले दिनों एक साथ दोनों कनेक्शन रखने पर रोक लगा दी थी तथा पीएनजी कनेक्शन धारकों से अपने एलपीजी सिलिंडर सरेंडर करने का कहा था। पश्चिम एशिया में जंग के चलते वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में आई बाधा के बीच यह कदम कुकिंग गैस की आपूर्ति पर दबाव को कम करने के लिए उठाया गया था। साथ ही लक्ष्य था कि जरूरतमंदों तक एलपीजी पहुंचे ताकि उन्हें खाना बनाने में दिक्कत न आए।

मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि यह आकलन किया जा रहा है कि कितने लोगों के पास दोहरे कनेक्शन हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 43,000 से अधिक पीएनजी धारकों ने अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं। सुजाता ने कहा कि हालांकि यह संख्या अपेक्षाकृत कम है और उम्मीद है कि यह बढ़ेगी। सरकार ने नए एलपीजी कनेक्शन जारी करना भी बंद कर दिया है।

वीवीआइपी कल्चर छोड़ें कांग्रेसी

जागरण संवाददाता धर्मशाला

- प्रशिक्षण शिविर में बोले राहुल, कोई पदाधिकारी संगठन हित में खरा नहीं उतरेगा तो उसे पद से हटाया जाएगा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को कांगड़ा के गुप्त गंगा में कहा कि कांग्रेस नेता वीवीआइपी कल्चर छोड़ें। कांग्रेस पदाधिकारी छोटे-छोटे मुद्दे उठाकर आम आदमी की आवाज बनें। राहुल हिमाचल प्रदेश, पंजाब व जम्मू-कश्मीर के कांग्रेस जिलाध्यक्षों के 10 दिवसीय सृजन प्रशिक्षण शिविर के समापन पर संबोधित कर रहे थे।

शिविर के दौरान उन्होंने एक नेता को कुर्सी पर खड़ा कर उसके आगे तीन-चार लोगों को नतमस्तक करवाकर वीवीआइपी कल्चर को खत्म करने का संदेश दिया। उन्होंने जिलाध्यक्षों के समक्ष ऐसा कर यह संदेश दिया कि अब भी कहीं न कहीं पार्टी में वीवीआइपी कल्चर भारी है और यह पार्टी व संगठन की मजबूती के लिए लाभकारी नहीं है। सभी राज्यों के जिलाध्यक्ष जनहित के मुद्दों को उठाने या उसके लिए आंदोलन करने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी या फिर आल इंडिया कांग्रेस कमेटी की अनुमति का इंतजार न करें। उन्होंने कहा कि अगर कोई पदाधिकारी संगठन हित में खरा नहीं उतरेगा है तो उसे पद से हटाया जाएगा या फिर वह पदाधिकारी स्वयं ही पद से इस्तीफा दे।

कांगड़ा शहर स्थित गुप्त गंगा में गुरुवार को राहुल गांधी का स्वागत करते मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू। सौ. कांग्रेस

जू-जुत्सू करवाकर दिया फिटनेस का संदेश: शिविर में राहुल ने सभी जिलाध्यक्षों को 50 मिनट तक जू-जुत्सू करवाकर शारीरिक फिटनेस और मानसिक अनुशासन का संदेश दिया। जू-जुत्सू एक जापानी मार्शल आर्ट और आत्मरक्षा तकनीक है, जिसका अर्थ लचीली कला है।

महाराष्ट्र के अफसरों के लिए विधायकों और सांसदों की 'जी-हुजूरी' से दूरी

- अफसरों को जन प्रतिनिधियों से सामान्य नागरिकों की तरह बवहार करने की सलाह
- प्रोटोकाल में संशोधन, कानूनी या चुनावी मामलों में अधिकारियों के लिए अभिवादन अनिवार्य नहीं
- अब कुछ परिस्थितियों में जन प्रतिनिधियों का अभिवादन करने के लिए खड़ा होना आवश्यक नहीं

मुंबई, एएनआइ : महाराष्ट्र के सरकारी महकमों में विधायकों और सांसदों की हर वक्त की 'जी-हुजूरी' के दौर से निजात दी जा रही है। भाजपा नीत राज्य सरकार ने सांसदों और विधायकों को सम्मान देने के संबंध में अपने नवंबर, 2025 के सर्कुलर में एक सुधार जारी किया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि अधिकारियों को कुछ परिस्थितियों में सार्वजनिक प्रतिनिधियों का अभिवादन करने के लिए खड़ा होना आवश्यक नहीं है। विशेष रूप से जब वे कानूनी या चुनावी प्रक्रियाओं में शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने प्रोटोकाल में संशोधन कर के एक सर्कुलर जारी किया जो सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा विधायकों को "सम्मान और शिष्टाचार देने" के संबंध में जारी किए गए संशोधित और व्यापक दिशा-निर्देशों का हिस्सा है, जिसमें 27 जुलाई, 2015 से 20 अगस्त, 2021 के बीच जारी सर्कुलरों को संकलित किया गया है। सुधार में यह भी जोड़ा गया कि ऐसे मामलों में अधिकारियों को जन प्रतिनिधियों से सामान्य नागरिकों की तरह व्यवहार करना चाहिए। ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारियों को कानून, नियमों और प्रचलित परिस्थितियों के अनुसार, जनप्रतिनिधियों से सामान्य नागरिकों की तरह बिना किसी भेदभाव के व्यवहार करने की अपेक्षा की जाती है।

28 अप्रैल, 2026 की तारीख वाले संशोधित सरकारी सर्कुलर के अनुसार, पहले के प्रविधान में अधिकारियों को सरकारी कार्यालयों में विधायकों के आगमन और प्रस्थान के समय खड़े होकर उनका अभिवादन करने के लिए कहा गया था, जिसे विशेष अपवादों के साथ संशोधित किया गया है। सर्कुलर में उल्लेख किया गया है, "उपरोक्त सरकारी सर्कुलर में बिंदु संख्या 1.2 में कहा गया था, 'जब भी एक विधायक/सांसद कार्यालय में आते हैं या जाते हैं, तो अधिकारियों को खड़े होकर उनका अभिवादन करना चाहिए।' इसमें कहा गया, "इसके बजाय बिंदु संख्या 1.2 अब इस प्रकार पढ़ा जाएगा, 'यदि किसी सार्वजनिक प्रतिनिधि को किसी आपराधिक या अन्य मामले में दोषी ठहराया गया है, या उन्हें अपीलकर्ता या पक्ष के रूप में पूछताछ/सुनवाई के लिए बुलाया गया है, या वे चुनाव प्रक्रिया के संबंध में सरकारी कार्यालय में उपस्थित हैं, तो ऐसी परिस्थितियों में जब विधायक/सांसद कार्यालय में आते हैं या जाते हैं, तो अधिकारियों के लिए खड़ा होना और उनका अभिवादन करना आवश्यक नहीं है।

'महाकुंभ भगदड़ : मुआवजा दावों पर 30 दिन में निर्णय करे जिला प्रशासन

जासं, प्रयागराज: इलाहाबाद हाई कोर्ट ने महाकुंभ मेले (जनवरी 2025) में मची भगदड़ को लेकर स्पष्ट किया है कि पीड़ितों को अनुग्रह मुआवजा देने संबंधी दावों का निपटारा राज्य द्वारा गठित न्यायिक जांच आयोग नहीं, बल्कि जिला प्रशासन और मेला प्राधिकरण करेगा। हाई कोर्ट ने कहा कि यह प्रक्रिया 30 दिनों के भीतर पूरी करनी होगी। न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने संजय कुमार शर्मा की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। याचिका में 29 जनवरी 2025 (मौनी अमावस्या) को हुई भगदड़ में उनके रिश्तेदार की मौत पर मुआवजा मांगा गया है। अदालत ने न्यायिक जांच आयोग के सचिव द्वारा दाखिल हलफनामे का अवलोकन करते हुए कहा कि मुआवजा दावों का निपटारा करना आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। आयोग का कार्य केवल घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच करना, भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के सुझाव देना और प्रशासनिक

मांग स्वीकार

शीर्ष अदालत ने पुनर्विचार याचिकाओं पर खुली अदालत में सुनवाई करने की अर्जी की स्वीकार, शिक्षक संघों, उप्र और मप्र सहित कई राज्य सरकारों ने टीईटी की अनिवार्यता को दी है चुनौती

टीईटी की अनिवार्यता मामले में 13 को खुली अदालत में सुप्रीम सुनवाई

माला दीक्षित ● जागरण

- कोर्ट ने कक्षा एक से आठ तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए टीईटी पास करना कर दिया था अनिवार्य

नई दिल्ली: कक्षा एक से आठ तक के छात्रों को पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता के फैसले के खिलाफ दाखिल पुनर्विचार याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट खुली अदालत में सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत ने पुनर्विचार याचिकाओं पर खुली अदालत में सुनवाई की मांग स्वीकार कर ली है और चीफ जस्टिस का आदेश लेकर 13 मई को केस लगाने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश टीईटी की अनिवार्यता के आदेश से प्रभावित हो रहे शिक्षकों के लिए एक राहत की खबर है, क्योंकि खुली अदालत में सुनवाई होने से उनके वकील कोर्ट के समक्ष बहस कर पाएंगे और अपना पक्ष ज्यादा बेहतर तरीके से रख पाएंगे।

मालूम हो कि जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ ने ही एक सितंबर, 2025 को टीईटी की अनिवार्यता का फैसला दिया था। उस फैसले में कहा था कि कक्षा एक से आठ तक के छात्रों को पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों के लिए, जिनकी नौकरी पांच वर्ष से ज्यादा बची है, दो वर्ष के भीतर टीईटी पास करना अनिवार्य है। जिनकी नौकरी पांच वर्ष से कम बची है, उन्हें भी अगर प्रोन्नति पानी है तो टीईटी पास करना अनिवार्य है। हालांकि, जिनकी नौकरी पांच वर्ष से कम बची है, उन्हें टीईटी से छूट दे दी गई थी। कोर्ट के इस आदेश से पूरे देश में प्राथमिक और जूनियर कक्षाओं को पढ़ाने वाले पुरानी नियुक्ति के शिक्षकों में हड़कंप मच गया था। इस आदेश का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर हो रहा है, जिनकी नियुक्ति आरटीई कानून लागू होने से पहले यानी 2010 से पहले हुई है।

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ देशभर के विभिन्न शिक्षक संघों, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्य सरकारों ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर रखी है। सुप्रीम कोर्ट के तय नियम के मुताबिक पुनर्विचार याचिका पर फैसला सुनाने वाली पीठ ही चैंबर में सर्कुलेशन के जरिये सुनवाई करती है। माननीय न्यायाधीश फाइलों को देखकर फैसला लेते हैं। हालांकि, ज्यादातर मामलों में पुनर्विचार याचिकाओं के साथ एक अर्जी दाखिल की जाती है, जिसमें पुनर्विचार याचिका पर खुली अदालत में सुनवाई का अनुरोध किया जाता है। अगर कोर्ट को मामला पुनर्विचार का लगता है और खुली अदालत में सुनवाई की जरूरत दिखती है, तो कोर्ट पुनर्विचार याचिका को खुली अदालत में सुनवाई के लिए लगाने का आदेश देती है, जिसमें पक्षकारों के वकील पेश होकर दलीलें रखते हैं।

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

कोर्ट से मिलेगा न्याय

इस मामले में पुनर्विचार याचिकाओं पर गत 28 अप्रैल को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने चैंबर में विचार किया और मामले को खुली अदालत में सुने जाने की अर्जी स्वीकार करते हुए चीफ जस्टिस का आदेश लेकर केस को 13 मई को दोपहर दो बजे लगाने का निर्देश दिया। मामले की खुली अदालत में सुनवाई पर संतोष जाहिर करते हुए आल इंडिया बीटीसी शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल यादव कहते हैं कि इससे शिक्षकों में उम्मीद जगी है कि उन्हें कोर्ट से जरूर न्याय मिलेगा।

किसी पर भी थोपा नहीं जा सकता अनचाहा गर्भ : सुप्रीम कोर्ट

प्रथम पृष्ठ से आगे

कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि अगर मां को स्थायी दिव्यांगता का खतरा नहीं है तो गर्भपात करवा देना चाहिए। किसी पर भी अनचाहा गर्भ थोपा नहीं जा सकता। जरा सोचिए वह अभी बच्ची है। उसे अभी आगे की पढ़ाई करनी चाहिए, लेकिन हम उसे मां बनाने पर तुले हैं। उसके दर्द के बारे में सोचना चाहिए, जो उसने झेला है। कोर्ट ने ये टिप्पणियां तब कीं, जब एम्स की ओर से दाखिल क्यूरेटिव याचिका को मेंशन करते हुए एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने गर्भपात में दिक्कतें बताते हुए गर्भपात का आदेश वापस लेने का अनुरोध किया।

भाटी ने कहा कि गर्भ 30 सप्ताह का हो गया है। अगर ऐसे में प्रीमैच्योर जन्म हुआ तो उसमें स्थायी दिव्यांगता आ जाएगी। ऐसा एक बच्चा एम्स में एक साल से है, जिसे कोई गोद नहीं ले रहा। भाटी ने कहा कि सिर्फ चार सप्ताह के लिए गर्भ जारी रहना चाहिए, उसके बाद आराम से बच्चे का जन्म हो जाएगा। बच्चा भी जिंदा रहेगा और मां को भी खतरा नहीं होगा। अभी गर्भपात कराने से बच्ची को भी जीवनभर की सेहत संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं।

भाटी ने कोर्ट से इजाजत मांगी कि इस संबंध में नाबालिग और उसके माता-पिता से बात की जाए। उनकी काउंसलिंग की जाए और उसके बाद आकर एम्स फिर कोर्ट को बताएगा। कोर्ट ने कहा कि बच्ची एम्स में ही है। ऐसे में उसकी और माता-पिता की काउंसलिंग से किसने रोका है। लेकिन, गर्भपात का फैसला बच्ची और माता-पिता का होना चाहिए। एम्स उन्हें सोच समझकर फैसला लेने में मदद कर सकता है, लेकिन उन्हें फैसला लेने दें।

4.3 किलोग्राम चरस जब्त की है रेलवे सुरक्षा बल नरकटियागंज ने छापेमारी कर सत्याग्रह एक्सप्रेस से। जब्त चरस और गिरफ्तार तस्करों को कार्रवाई के लिए गोरखपुर रेल पुलिस को सौंप दिया गया है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार, 1 मई, 2026

पंजाब में सीसीटीवी कैमरे से जासूसी, पाक भेजी गईं 25 हजार फोटो, तीन गिरफ्तार

पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और कपूरथला पुलिस ने दो जगह की कार्रवाई

लेडीज गारमेंट्स बेचने की आड़ में कर रहे थे जासूसी, दुकान के बाहर खंभे पर लगा रखा था कैमरा

जागरण संवाददाता, जालंधर

पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ समर्थित दो अलग-अलग जासूसी माड्यूल को बेनकाब करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित संवेदनशील सैन्य ठिकानों की लाइव फुटेज पाकिस्तान में मौजूद हैंडलरों तक पहुंचाने के लिए हाई-टेक चीनी सोलर सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल कर रहे थे। इनमें दो आरोपित कपूरथला जिले में एक किराये की दुकान लेकर लेडीज गारमेंट्स बेचने की आड़ में जासूसी कर रहे थे। उन्होंने दुकान के बाहर खंभे पर सोलर सीसीटीवी कैमरा लगा रखा था, जहां से सेना की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। आरोपित एक महीने में ही करीब 25 हजार फोटो पाकिस्तान में मौजूद फौजी नामक हैंडलर को भेज चुके हैं। आरोपितों से दो हाई-टेक चीनी सोलर सीसीटीवी कैमरे, चार मोबाइल फोन और वाई-फाई सेट बरामद हुआ है। इसकी पुष्टि डीजीपी गौरव यादव ने की है। तीनों आरोपितों की पहचान फिरोजपुर जिले के गांव सहांके निवासी सुखविंदर सिंह उर्फ सुक्खा, गांव दोना मट्टर निवासी सोना व गांव छांगा खुर्द निवासी संदीप सिंह उर्फ सोनू के रूप में हुई है। डीजीपी ने बताया कि ये माड्यूल विभिन्न स्थानों पर सिम-आधारित और सौर ऊर्जा से संचालित सीसीटीवी कैमरे लगाकर जासूसी कर रहा था, ताकि रक्षा बलों से जुड़े संस्थानों सहित संवेदनशील स्थानों की लाइव फुटेज पाकिस्तान स्थित हैंडलरों को भेजी जा सके। पहले मामले में जालंधर में काउंटर इंटेलिजेंस की टीम ने सुखविंदर सिंह को गिरफ्तार किया।

जालंधर में पत्रकारवार्ता में (दाएं से) काउंटर इंटेलिजेंस के एआइजी सिमरतपाल सिंह और कपूरथला के एसएसपी गौरव तूरा। जागरण

पंजाब के कपूरथला में गिरफ्तार दो आरोपितों से बरामद सीसीटीवी कैमरा और वाइफाइ डिवाइस। जागरण

हेरोइन सप्लाई में वांछित था एक आरोपित

आरोपित संदीप सिंह फिरोजपुर जेल में बंद नशा तस्करों के संपर्क में था। उसने पाकिस्तानी ड्रग माफिया की ओर भेजी गई एक किलो हेरोइन को आगे सप्लाई किया था और इसके बदले में उसे 50 हजार मिले थे। संदीप विवाह में हलवाई का काम करता था और उसका साथी सोना जलालाबाद शहर में पल्लेदारी का काम करता था। एक हादसे में जख्मी होने के बाद वह तीन महीने से बेरोजगार था। संदीप ने सोना को भी अपने साथ मिला लिया और वे आइएसआइ के लिए जासूसी करने लगे। संदीप की भाभी भी पाकिस्तानी ड्रग माफिया के संपर्क में रही है।

पाकिस्तान में हैंडलर के पास भी था कैमरे का एक्सेस : काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर के एआइजी सिमरतपाल सिंह ढींडसा और कपूरथला जिले के एसएसपी गौरव तूरा ने जालंधर में बताया कि आर्मी कैंट के पास जासूसी संबंधी सूचना के आधार पर कपूरथला के कांजली रोड स्थित एक दुकान पर दबिश देकर संदीप और सोना को गिरफ्तार किया।

एसएसपी तूरा ने बताया कि पाकिस्तान में मौजूद फौजी नाम के हैंडलर ने यह कैमरा लगाने के लिए आरोपित को 35 हजार रुपये दिए थे। यह सीसीटीवी कैमरा सिम संचालित था, जिसका एक्सेस पाकिस्तान के हैंडलर के पास भी था।

निजी एयरपोर्ट आपरेटरों की गुहार, 'किराये में छूट का बोझ हम अकेले क्यों उठाएं?'

- एसोसिएशन आफ प्राइवेट एयरपोर्ट आपरेटर्स ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को लिखा पत्र
- आर्थिक स्थिरता, कर्ज चुकाने की क्षमता, दैनिक संचालन पर मंडराते संकट की बात कही

नई दिल्ली, प्रेट्र : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की आंच अब भारतीय विमानन क्षेत्र तक पहुंच गई है। केंद्र सरकार द्वारा घरेलू एयरलाइंस को राहत देने के लिए लैंडिंग और पार्किंग शुल्कों में 25 प्रतिशत की कटौती के फैसले ने निजी एयरपोर्ट आपरेटरों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। 'एसोसिएशन आफ प्राइवेट एयरपोर्ट आपरेटर्स' ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि इस कटौती से उनकी आर्थिक स्थिरता, कर्ज चुकाने की क्षमता और दैनिक संचालन पर गहरा संकट मंडरा रहा है।

राजस्व घाटे की भरपाई की मांग : एपीएओ, जिसमें जीएमआर और अदाणी समूह जैसे दिग्गज शामिल हैं, ने एयरपोर्ट आर्थिक नियामक प्राधिकरण के इस फैसले को 'मनमाना' बताया है। आपरेटरों का तर्क है कि लैंडिंग शुल्कों में कमी से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर यूजर डेवलपमेंट फीस बढ़ा दी जानी चाहिए। उनका कहना है कि यदि अभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों से यह शुल्क नहीं लिया गया, तो भविष्य में इसकी भरपाई करना और भी कठिन होगा।

एसोसिएशन ने एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी उठाया है कि क्या लैंडिंग चार्जेस में दी गई इस छूट का लाभ वास्तव में यात्रियों को मिलेगा? पत्र में कहा गया है

प्रतीकात्मक

कि एयरलाइंस के किराये अनियंत्रित हैं, ऐसे में इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि टिकट सस्ते होंगे। एयरपोर्ट आपरेटरों ने सुझाव दिया है कि सरकार भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को राजस्व हिस्सेदारी के भुगतान को फिलहाल टालने का निर्देश दे और राज्यों से एटीएफ पर वैट घटाकर पांच प्रतिशत करने की अपील करे। वर्तमान में दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु सहित 14 प्रमुख एयरपोर्ट इस वित्तीय अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं, जहां वे सार्वजनिक लाभ और अपनी आर्थिक उत्तरजीविता के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

आरएसएस मुख्यालय पर रेडिएशन हमले की धमकी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई : नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुख्यालय और इसके पास ही स्थित स्मृति मंदिर परिसर पर रेडिएशन हमले की धमकी मिली है। इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। आरएसएस मुख्यालय के आसपास सुरक्षा व्यवस्था अभेद्य बना दिया गया है। नागपुर पुलिस आयुक्त डा.रवींद्र कुमार सिंगल के कार्यालय को सोमवार को पत्र मिला है, जिसमें आरएसएस मुख्यालय, आरएसएस के संस्थापक डा.केशव बलिराम हेडगेवार के समाधि स्थल स्मृति मंदिर, गणेश पेठ स्थित भाजपा कार्यालय एवं नागपुर मेट्रो की आरेंज एवं एक्वा लाइनों में सीजियम-137 नामक रेडियोएक्टिव पदार्थ रखने की धमकी दी गई थी।

पत्र में भेजनेवाले का नाम डीएसएस लिखा गया है। पत्र में यह भी लिखा है कि शहर के ही एक कैंसर अस्पताल से प्राप्त किया गया यह रेडियोएक्टिव पदार्थ पूरे शहर के लिए खतरा बन सकता है।

पत्र मिलने के बाद से संघ मुख्यालय सहित धमकी में उल्लिखित सभी स्थानों की तलाशी ली जा रही है, लेकिन अभी तक कोई संदिग्ध पदार्थ नहीं मिला है। पुलिस इस पत्र को झूठी धमकी मानकर पत्र भेजने वाले की तलाश में जुटी है।

कुछ दिनों पहले ही संघ मुख्यालय के पास ही स्थित दोसर भवन मेट्रो स्टेशन से भारी मात्रा में जिलेटिन की छड़ें और डेटोनेटर बरामद हुए थे। सोमवार के पत्र में इस घटना का भी उल्लेख करते हुए इसे एक 'चेतावनी' बताया गया है।

पिता ने मजदूरी के रुपये हड़पकर पी शराब, नाराज बेटी ने दी जान

जागरण संवाददाता, पीलीभीत : बिटिया ने खेतों में मजदूरी कर रुपये एकत्र किए, मगर पिता ने शराब में फूंक दिए। वह नशे की लत में इस कदर जकड़ा था कि मेहनत की कद्र भी नहीं की। उसकी करतूत से नाराज बेटी ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। प्रकरण पुलिस तक न पहुंच सके, इसलिए गुरुवार तड़के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

युवती के पिता को शराब की लत है। उसने काफी समय से मजदूरी करनी बंद दी, जिस कारण घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगी। ऐसे में युवती ने परिवार के भरण पोषण में हाथ बंटाना शुरू किया। वह खेतों में मजदूरी कर कुछ रुपये कमाती थी, उन्हीं से राशन आदि आता था। बीते दिनों उसने एक खेत में मजदूरी की, उसने रुपये खेत मालिक के पास ही रखे रहने दिए। ग्रामीणों के अनुसार, युवती को डर था कि रुपये घर लेकर जाएगी तो पिता शराब के लिए झपट लेगा। ऐसे में उसने खेत मालिक से कहा कि जब राशन आदि की जरूरत होगी, तब रुपये ले जाएगी।

साइबर ठगी में चार बैंक मैनेजर समेत आठ गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, कानपुर

- कर्नाटक के ट्रस्ट में भेजे 30 करोड़, हवाला व आतंकी फंडिंग की भी जांच
- पुलिस ई-मेल भेजती तो बैंक मैनेजर ठगों को बुला रुपये निकलवा देते थे

आइपीएल मैचों में सट्टा व प्रतिबंधित किए जा चुके आनलाइन गेमों को खिलाने वाले गिरोह के फरार आरोपितों की तलाश के साथ उनके बैंक खातों की जांच हुई तो पुलिस के हत्थे साइबर ठगों का बड़ा गिरोह लग गया। गिरोह में शामिल चार बैंक मैनेजरों समेत आठ ठगों को गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। कर्नाटक के जामिया इस्लाहुल बनात ईसी ट्रस्ट काराजगी के खाते में भी साइबर ठगी के 30 करोड़ रुपये भेजे गए, जिससे हवाला व आतंकी फंडिंग की भी आशंका को लेकर जांच की जा रही है।

आरोपितों के बैंक खातों में केवल तीन माह में 150 करोड़ रुपये का लेनदेन मिला है, जबकि ये साल भर से ठगी कर रहे थे। बैंक मैनेजरों का काम फर्जी पते पर खुले खातों के एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक उनके पते के बजाय ठगों तक पहुंचाना व ठगी की रकम होल्ड कराने के लिए पुलिस की ई-मेल आने पर उन्हें बुलाकर नकदी निकलवा देना था। केरल के त्रिशूर स्थित कैथोलिक सीरियन बैंक की स्वरूपनगर शाखा में खाता होल्ड करने के बाद भी उसमें हर घंटे चार से पांच लाख रुपये निकाले जाते रहे। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि 13 अप्रैल को आइपीएल मैचों में सट्टा खिलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया गया था। उसके आरोपितों के बैंक खातों की जांच में लेनदेन मिलने पर एक्सिस बैंक कन्नौज के आपरेशन मैनेजर धर्मेंद्र सिंह, इसी बैंक के डिप्टी मैनेजर अमित सिंह, सीएसबी का ब्रांच मैनेजर अमित कुमार, यूनिटी स्माल फाइनेंस बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर आशीष कुमार, सोनू शर्मा, सतीश पांडेय, साहिल विश्वकर्मा व तनिष्क गुप्ता को पकड़ा गया। गिरोह के मास्टरमाइंड राजवीर सिंह व आगरा का अंचित गोयल फरार हैं। राजवीर की लोकेशन छत्तीसगढ़ में मिली है। राजवीर पहले नौबस्ता स्थित फिनो पेमेंट बैंक शाखा में कार्यरत था। इसके बाद वह ठगों के गिरोह से जुड़ गया व बैंक की नौकरी छोड़ दी। वह साइबर ठगों को खाते उपलब्ध कराता था। इसके लिए लोगों को पांच से 10 प्रतिशत कमीशन देता था। फिर फर्जी फर्म बनाकर उसके नाम खाता खोलकर रुपये मंगाता था। राजवीर ने अपने एक परिचित शुभम गौड़ का सालभर पहले फिनो पेमेंट बैंक में खाता खुलवाया था, जिसमें नवी मुंबई के एक परिवार को डिजिटल अरेस्ट कर ठगी गई रकम समेत 58 करोड़ रुपये पहुंचे थे। इसमें नौ अक्टूबर 2025 में वहां मुकदमा भी हुआ था। देशभर में शुभम के खाते में ठगी की रकम पहुंचने पर 17 शिकायतें नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो में दर्ज हैं।

गिरफ्तार किए गए साइबर ठगी के आठ आरोपित व पुलिस टीम। जागरण

गिरोह ने फर्जी फर्म बना कई बैंकों में खोले खाते

गिरोह ने फर्जी फर्म व जीएसटी पंजीकरण करा यूपी ग्रामीण बैंक, जेएंडके बैंक, सीएसबी बैंक, यूनिटी स्माल फाइनेंस बैंक, एक्सिस बैंक, महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक, यूको बैंक, सिटी यूनियन बैंक में भी खाते खोले। 24 फर्जी जीएसटी पंजीकृत फर्में, 16 म्यूल खाते, 22 फर्जी सिम कार्ड व नौ मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

आप से भाजपा में गए राजिंदर गुप्ता की फैक्ट्री में पीपीसीबी का छापा

हेमंत राजू ● जागरण

20 अधिकारियों सहित 30 सदस्यीय टीम ने छह घंटे की जांच

बरनाला: आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य व ट्राइडेंट ग्रुप के संस्थापक उद्योगपति राजिंदर गुप्ता की बरनाला जिले के गांव धौला स्थित फैक्ट्री पर पंजाब पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (पीपीसीबी) की टीम ने छापा मारा। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे चंडीगढ़ से आए 20 से अधिक अधिकारियों ने टीम के साथ फैक्ट्री में जांच की। करीब छह घंटे तक चली इस जांच में टीम ने फैक्ट्री से पानी आदि के नमूने लिए। इसके अलावा अन्य दस्तावेजों को जांच के लिए कब्जे में लेकर चंडीगढ़ रवाना हो गए।

जानकारी के अनुसार, पीपीसीबी की जिस टीम ने फैक्ट्री में रेड की उनमें दो एसई, तीन एक्सईएन, चार एसडीओ सहित 20 अधिकारी व 10 कर्मचारी शामिल थे। आठ गाड़ियों में सवार होकर सभी दोपहर करीब दो बजे फैक्ट्री में पहुंचे और जांच शुरू की। इस दौरान किसी को भी न तो बाहर जाने दिया गया और न ही किसी को बाहर से अंदर आने की आज्ञा दी गई। पीपीसीबी की इस रेड से पंजाब के औद्योगिक और राजनीतिक दोनों ही गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। राजिंदर गुप्ता ने पिछले दिनों आप के अन्य छह राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा, हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, बिक्रजीत सिंह साहनी, संदीप पाठक और स्वाति मालीवाल के साथ राज्यसभा के सभापति को पत्र लिख उनके भाजपा में विलय का आवेदन किया था। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह छापामारी राजिंदर गुप्ता के पार्टी छोड़ने पर की गई है।

राजिंदरगुप्ता।

टीम ने फैक्ट्री से पानी के लिए नमूने, दस्तावेज भी किए जब्त

जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत शुरू, अब राजौरी-पुंछ और उड़ी तक रेल पहुंचाने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

- केंद्रीय रेल मंत्री ने दिखाई झंडी, अब जम्मू से मात्र चार घंटे 50 मिनट में पहुंचेंगे श्रीनगर
- अश्विनी वैष्णव ने कहा, जम्मू-श्रीनगर के बीच यह रेल संपर्क नयी जीवन रेखा बन चुका

इंतजार की घड़ियां समाप्त हुईं और गुरुवार को जम्मू से पहली सीधी वंदे भारत एक्सप्रेस कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीएम उमर अब्दुल्ला और केंद्रीय मंत्री डा. जितेंद्र सिंह के साथ इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वंदे भारत अपने साथ सीमावर्ती राजौरी-पुंछ और उड़ी तक रेल नेटवर्क के विस्तार की योजना भी लेकर आई है।

मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जून 2025 को कटड़ा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाई थी। इसके बाद से जम्मू-श्रीनगर के बीच भी सीधी वंदे भारत रेल सेवा की मांग की जा रही थी। गुरुवार को यह मांग भी पूरी हो गई। यात्रियों के लिए जम्मू से श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस दो मई से शुरू होगी। अब जम्मू से मात्र चार घंटे 50 मिनट में श्रीनगर पहुंचा जा सकेगा, जबकि सड़क मार्ग से सात घंटे तक लग जाते हैं। जम्मू रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में वंदे भारत को श्रीनगर के लिए रवाना करने के मौके पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रदेशवासियों को बधाई दी। कहा कि बीते एक वर्ष में जम्मू-श्रीनगर के बीच रेल संपर्क जम्मू-कश्मीर की नयी जीवन रेखा बन चुका है। रेल मंत्री ने कहा कि महत्वाकांक्षी ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना के पूरा होने के बाद अब राजौरी-पुंछ और बारामुला-उड़ी में रेल नेटवर्क के विस्तार की तैयारी है। जालंधर-जम्मू रेलवे लाइन को डबल किया गया है और दिल्ली-अंबाला रेलवे लाइन को फोरलेन करने का काम जल्द शुरू होगा। जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत को विशेष रूप से स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप तैयार किया गया है। प्रत्येक सेक्शन में एक ही वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा उपलब्ध है, लेकिन जम्मू-श्रीनगर सेक्शन पर दो वंदे भारत उपलब्ध रहेंगी।

अश्विनी वैष्णव, जितेंद्र सिंह ने की रेल से सैर

वंदे भारत में अश्विनी वैष्णव, डा. जितेंद्र सिंह व सांसद मनोज तिवारी ने भी बच्चों के साथ कटड़ा तक सफर का आनंद लिया। इसके आगे केंद्रीय मंत्रियों का दल विशेष निरीक्षण ट्रेन से कटड़ा से विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे के आर्च पुल पर पहुंचा। इस दौरान अंजी खड्ड पर बने देश के पहले केबल-स्टे रेल पुल का भी निरीक्षण किया।

फिजिक्स वाला ने जीतू मुंडा के खाते में जमा कराए 10 लाख रुपये

जासं, भुवनेश्वर : मृत बहन के खाते में पड़े 19,300 की निकासी के लिए बहन का कंकाल लेकर ओडिशा के क्योंझर स्थित ग्रामीण बैंक की मल्लीपसी शाखा पहुंचने वाले भाई जीतू मुंडा का वीडियो तेजी से इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। कई संस्थाएं जीतू के सहायतार्थ आगे आई है तो कुछ ने व्यक्तिगत तौर पर भी उनकी मदद की है। इसी कड़ी में फिजिक्स वाला एवं विद्यापीठ के सीईओ अलख पांडे ने गुरुवार को जीतू को 10 लाख की सहायता प्रदान की है।

मालूम हो कि बहन के खाते में जमा राशि को निकालने के लिए जीतू सोमवार को जब बैंक पहुंचा, उससे बहन का मृत्यु प्रमाणपत्र के अलावा उत्तराधिकारी प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज की मांग की गई। जब वह इन प्रमाणपत्रों का जुगाड़ कर पाने में सक्षम नहीं हुआ तो श्मशान से बहन का कंकाल निकालकर बैंक पहुंच गया। इसके बाद 24 घंटे के अंदर सारी प्रक्रिया पूरी करते हुए बैंक ने ब्याज सहित संबंधित राशि जीतू को मंगलवार को सौंप दी।

रीति-रिवाजों का अनूठा उदाहरण : पांच दुल्हनें लेकर आईं बरात, बेटी भी गई डोली के साथ

जागरण संवाददाता, चकराता (देहरादून)

- उत्तराखंड के जौनसार बावर क्षेत्र में अनूठा सामूहिक विवाह
- एक ही परिवार के छह भाई-बहनों का एक साथ विवाह

उत्तराखंड के जौनसार बावर क्षेत्र में पारंपरिक रीति-रिवाजों का अनूठा उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब यहां एक ही परिवार के पांच भाई और एक बहन का विवाह एक साथ संपन्न हुआ।

संयुक्त परिवार के दौलत सिंह चौहान और मोहन सिंह चौहान के परिवार में आयोजित इस विवाह समारोह में जोजोड़ा प्रथा की विशेष झलक देखने को मिली, जिसमें दुल्हनें स्वयं बरात लेकर दूल्हे के घर पहुंचती हैं।

बुधवार को खारसी गांव में आयोजित इस समारोह में पांच दुल्हनें अलग-अलग गांवों से बरात लेकर खारसी पहुंचीं।

नरेंद्र, राहुल, प्रदीप, प्रीतम और अमित का विवाह क्रमशः अंजू, आंचल, निक्की, पुनीता और निर्मला के साथ हुआ। वहीं परिवार की बेटी राधिका भी अपनी बरात लेकर मरलोऊ गांव पहुंची और रणवीर के साथ विवाह बंधन में बंधी।

उत्तराखंड के जौनसार बावर क्षेत्र की खासियत है कि यहां आज भी शादियां दहेजरहित होती हैं। इस विवाह में भी केवल पांच प्रतीकात्मक वस्तुएं दहेज में दी गईं।

साथ ही रईणी भोज का आयोजन कर गांव और परिवार की महिलाओं का सम्मान किया गया। यह सामूहिक विवाह जौनसार बावर की सांस्कृतिक पहचान, संयुक्त परिवार की एकता और सादगीपूर्ण जीवनशैली का संदेश देता है, साथ ही फिजूलखर्ची पर रोक लगाने की प्रेरणा भी देता है।

खारसी गांव में एक ही परिवार में बरात लेकर पहुंची पांच दुल्हनें अपने-अपने दूल्हे के साथ। ग्रामीण

तंत्र-जाल

उप कोषागार की व्यवस्था खत्म होने के बाद भी जर्जर भवन में चौबीसों घंटे निगरानी, सिक्कों की सुरक्षा पर सरकारी खजाने से हर महीने खर्च हो रहे करीब तीन लाख रुपये

पांच साल से आठ सिक्कों की रखवाली कर रहे तीन पुलिसकर्मी

अजय सिंह ● जागरण

अंबेडकरनगर : यूपी में अंबेडकरनगर जिले में 'खाकी' की एक ऐसी तैनाती चर्चा का विषय बनी हुई है। यहां प्राचीन चांदी के महज आठ सिक्कों की सुरक्षा के लिए तीन पुलिसकर्मी पिछले पांच साल से 24 घंटे मुस्तैद हैं।

चौंकाने वाली बात यह है कि जिस उप कोषागार (सब-ट्रेजरी) की सुरक्षा के लिए इन्हें लगाया गया था, वह पांच साल पहले ही आधिकारिक रूप से बंद हो चुका है, लेकिन इन सिक्कों के मोह में सुरक्षा का चक्रव्यूह आज भी बरकरार है।

आलापुर तहसील स्थित उप कोषागार का भवन जर्जर हो चुका है। शासन ने वर्षों पहले तहसीलों से उप कोषागार की व्यवस्था खत्म कर सारा रिकार्ड और कर्मचारी जिला मुख्यालय शिफ्ट कर दिए थे।

इसके बावजूद, पुलिस लाइंस से तैनात राकेश वर्मा, विशाल पाल और रामानंद यादव इस खाली इमारत की रखवाली कर रहे हैं। अनुमान के मुताबिक, इन तीन जवानों के वेतन और भत्तों को मिलाकर सरकार हर माह करीब तीन लाख रुपये खर्च कर रही है।

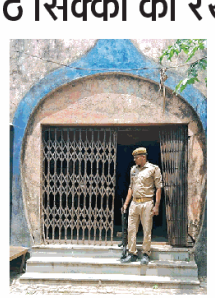

अंबेडकरनगर के आलापुर उप कोषागार में तैनात पुलिसकर्मी। जागरण

उप कोषागार से सुरक्षा हटाने के लिए चल रहा पत्राचार

वरिष्ठ कोषाधिकारी बृजलाल ने बताया कि सिक्कों और कीमती सामान को कुछ दिन पहले जिला मुख्यालय के कोषागार में रखवा दिया गया है। उप कोषागार से सुरक्षा हटाने के लिए निदेशालय से मार्गदर्शन मांगा गया है। जल्द ही सुरक्षाकर्मियों को वापस बुला लिया जाएगा। तहसीलदार आलापुर पद्मेश श्रीवास्तव ने कहा कि सिंगल लाक तिजोरी में क्या है, इसकी सटीक जानकारी नहीं है। फरवरी में एसडीएम के निरीक्षण के दौरान सामान शिफ्ट करने और पुलिसकर्मियों की वापसी के निर्देश दिए गए थे। इस संबंध में पत्राचार किया जा रहा है।

राजा मोरध्वज के किले से निकले थे सिक्के : मामला करीब आठ साल पुराना है। राजेसुल्तानपुर के चांडीपुर कला गांव में स्थित राजा मोरध्वज के किले के पास एक खेत की खोदाई के दौरान मिट्टी से आठ प्राचीन सिक्के निकले थे। पुरातत्व विभाग के निर्देश पर पुलिस ने इन्हें जब्त कर सुरक्षित रखने के लिए आलापुर उप कोषागार में जमा करा दिया था। तब से ये सिक्के यहीं रखे हुए हैं। सिक्कों को ठिकाने लगाने की कोशिशें भी कम दिलचस्प नहीं हैं।

इन सिक्कों को अयोध्या स्थित पुरातत्व विभाग के कार्यालय में जमा करने भेजा गया था, लेकिन वहां से इन्हें वापस कर दिया गया। तर्क दिया गया कि जिस दारोगा ने इन सिक्कों को सील किया था, वह मौजूद नहीं हैं। पता चला कि संबंधित दारोगा का स्थानांतरण हो चुका है। अब विभाग उन्हें ढूंढ रहा है, ताकि उनके हाथों विधिवत सिक्के जमा कराए जा सकें।

हिंदी में बोलकर छाया नाइजीरियाई छात्र, एएमयू से शुरू कराऊंगा मेट्रो

जागरण संवाददाता, अलीगढ़

- एएमयू में पढ़ रहे नाइजीरिया के छात्र का भाषण हुआ प्रसारित

आजकल बहुत गर्मी है। सबको एसी दूंगा। स्वीमिंग पूल भी बनेगा। एनटी (नदीम तरीन) हाल से अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) बहुत दूर है। मेट्रो स्टार्ट कराऊंगा। कपड़े धोने के लिए हाल के हर फ्लोर पर वाशिंग मशीन होगी। मैं सेक्रेट्री बना तो एनटी में सबको तीन टाइम चाय मिलेगी। अयूबा जिंदाबाद...अयूबा जिंदाबाद। एएमयू में पढ़ रहे नाइजीरिया के छात्र अयूबा का हिंदी में दिया गया यह भाषण इंटरनेट मीडिया पर छा गया है। नदीम तरीन हाल में आयोजित वार्षिक समारोह में सचिव पद के लिए "प्रतीकात्मक" चुनाव हुआ था। सचिव पद के प्रत्याशी अयूबा ने हिंदी में भाषण देकर चुनाव तो जीता ही, छात्रों को हंसा-हंसाकर लोट-पोट कर दिया। एएमयू से करीब 3.2 किमी दूर स्थित नदीम तरीन हाल में 25 अप्रैल को आयोजन हुआ था। सचिव पद के लिए बीटेक (मैकेनिकल) द्वितीय वर्ष के छात्र अयूबा और उनकी क्लास के ही छात्र सादैन मैदान में उतरे।

एएमयू के नदीम तरीन हाल में हिंदी में भाषण देते नाइजीरिया के छात्र अयूबा। वीडियोग्रैब

594 किमी है गंगा एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई, लेकिन गूगल मैप पर मेरठ के बेगमपुल (जीरो माइल) से प्रयागराज शहर तक का कुल रास्ता 637 किमी लंबा दिखाई दे रहा है। इसे तय करने में 7.40 घंटे का समय गूगल मैप दिखा रहा है।

केक लगाने के विवाद में तिहरे हत्याकांड का मुख्य आरोपित ढेर

मिस्टर यूपी-उत्तराखंड क्लासिक बाडी-बिल्डिंग प्रतियोगिता 2021 में सेकेंड रनरअप था

खुर्जा में जिम में भाजपा नेता के दो भाइयों और भतीजे की कर दी गई थी हत्या

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर

जीतू की फाइल फोटो • सौ : पुलिस

बसपा से मांगा था पालिका चेयरमैन का टिकट
जीतू सैनी ने 2022 में खुर्जा नगर पालिका चेयरमैन पद के लिए बसपा से टिकट भी मांगा था। बसपा के मंडल कोआर्डिनेटर कमल राजन ने स्वीकार किया कि जीतू ने चेयरमैन का टिकट मांगा था। हालांकि उन्होंने पार्टी से उसके जुड़ाव से इन्कार किया है। उनका कहना है कि न तो जीतू पार्टी का सदस्य था और न ही किसी स्तर का पदाधिकारी।

जिम में हुई बर्थडे पार्टी में चेहरे पर केक लगाने के विवाद में भाजपा नेता के दो चचेरे भाइयों और भतीजे की हत्या का मुख्य आरोपित जीतू सैनी गुरुवार सुबह पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गया। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम रखा गया था। मुठभेड़ के दौरान जीतू का एक साथी भागने में सफल रहा। मुठभेड़ में स्वाट टीम प्रभारी मो. असलम, हेड कांस्टेबल मोहित मलिक गोली लगने से घायल हो गए। जीतू 2021 में मिस्टर यूपी-उत्तराखंड क्लासिक बाडी-बिल्डिंग प्रतियोगिता में सेकेंड रनरअप रहा था।

खुर्जा के आरजेएस फिटनेस जिम में 25 अप्रैल की रात जीतू सैनी की बर्थ डे पार्टी थी। जीतू की भाजपा के पूर्व सभासद संजय सैनी के चचेरे भाई अमरदीप सैनी से दोस्ती थी। जीतू के मुंह पर केक लगाने के दौरान अमरदीप से विवाद हो गया था। इसके बाद अमरदीप ने फोन कर अपने चचेरे भाई मनीष और भतीजे आकाश को बुला लिया था। वहां पहुंचने पर जीतू ने पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर तीनों की हत्या कर दी थी। मामले में जीतू सैनी समेत दस के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

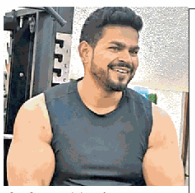

एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब पांच बजे झाझर मार्ग पर सिकंदरपुर व सीकरी गांव के निकट स्वाट टीम और कोतवाली पुलिस गश्त कर रही थी। इसी दौरान स्कूटी पर दो लोग आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की तो स्कूटी सवारों ने फायरिंग कर दी, जिसमें मो. असलम व मोहित मलिक हाथ में गोली लगने से घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में जीतू गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरा फरार हो गया। घायल अवस्था में उसे पहले जटिया अस्पताल, फिर वहां से जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसएसपी ने बताया कि मौके से अवैध पिस्टल, 15 कारतूस, 14 खोखे और बिना नंबर प्लेट की स्कूटी बरामद हुई है।

पुणे के जल शुद्धिकरण संयंत्र में क्लोरीन गैस का रिसाव, 24 भर्ती

पुणे, प्रेट्र : पुणे के कोंधवा क्षेत्र में बंद पड़े जल शुद्धिकरण संयंत्र के गोदाम में क्लोरीन गैस के रिसाव के बाद कम से कम 22 निवासियों और दो दमकलकर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि रिसाव एक बंद पड़े टैंक से हुआ, जिसमें क्लोरीन था, जो रात करीब एक बजे गंगाधाम क्षेत्र में स्थित एक बंद पानी शुद्धिकरण संयंत्र के गोदाम में था। एक दमकल अधिकारी ने कहा,"रिसाव और गैस के फैलने के बाद आसपास के निवासियों ने सांस लेने में कठिनाई की शिकायत की। शिकायत मिलने पर दमकल टीमें भेजी गईं। कई नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया और रिसाव वाले टैंक को सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करके ठीक किया गया।" इस आपरेशन के दौरान 22 निवासियों और दो दमकलकर्मियों ने सांस लेने में कठिनाई की शिकायत की और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। एक व्यक्ति, जिसने पहले इस स्थान पर पानी शुद्धिकरण संयंत्र का संचालन किया था, ने कहा कि उसने यूनिट को नष्ट कर दिया था, लेकिन क्लोरीन वाला टैंक अनदेखा रह गया और उसमें रिसाव हो गया। सभी प्रभावित निवासी और दो दमकलकर्मी खतरे से बाहर हैं और वर्तमान में ससून जनरल अस्पताल में निगरानी में है।

सोनम की जमानत रद कराने को हाई कोर्ट जाएगी शिलांग पुलिस

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

- साक्ष्यों व तथ्यों को और मजबूती से पेश करने की बना रही रणनीति
- आशंका है कि गवाहों को प्रभावित कर सकती है सोनम

बहुचर्चित हनीमून मर्डर केस में ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपित सोनम को मिली जमानत रद करने के लिए शिलांग पुलिस मेघालय हाई कोर्ट जाएगी। दरअसल, शिलांग पुलिस का मानना है कि गंभीर प्रकृति के इस केस में सोनम मास्टर माइंड है। जमानत मिलने से वह गवाहों को प्रभावित कर सकती है। उसकी जमानत को आधार बनाकर शेष आरोपित भी जमानत मांगने लगे हैं। पुलिस उन बिंदुओं को ही आधार बनाएगी, जिन बिंदुओं पर शिलांग की सत्र न्यायालय ने सोनम को जमानत दी। सरकारी वकील केशव गौतम ने भी इसकी पुष्टि की है।

सूत्रों के अनुसार, शिलांग पुलिस अब इस मामले से जुड़े साक्ष्यों और तथ्यों को और मजबूती से प्रस्तुत करने की रणनीति बना रही है, ताकि हाईकोर्ट में जमानत आदेश को चुनौती दी जा सके।

बता दें कि इंदौर निवासी राजा रघुवंशी की हत्या में उसकी पत्नी सोनम को सशर्त जमानत मिली है। सत्र न्यायालय ने जमानत देते समय शिलांग की ईस्ट खासी हिल्स थाना पुलिस की जांच प्रक्रिया पर प्रश्न उठाए थे।

दरअसल, न्यायालय ने पाया गया कि सोनम की गिरफ्तारी के अभिलेख में हत्या की वास्तविक धारा के बजाय असंगत धारा लगा दी गई।

साथ ही सोनम को गिरफ्तारी के समय आरोपित के रूप में उसके अपराध के बारे में भी नहीं बताया गया। इसे सत्र न्यायालय ने कानूनी प्रक्रिया की गंभीर खामी और संविधान में आरोपित को प्राप्त मौलिक अधिकार का उल्लंघन माना।

शिलांग से बाहर जाने की अर्जी दायर कर सकती है सोनम
सोनम की रिहाई की इंदौर से ज्यादा शिलांग में चर्चा हो रही है। सरकार को आगे आकर टूरिस्ट को सुरक्षा की गारंटी देनी पड़ी थी। बताया गया है कि जमानत के बाद सोनम को वकील की मदद से शिलांग में किसी सुरक्षित जगह पर रखा गया है। कारण यह है कि सोनम कोर्ट की अनुमति के बगैर शिलांग नहीं छोड़ सकती है। सूत्रों के अनुसार, सोनम खुद शिलांग से बाहर जाने के लिए भी कोर्ट में अर्जी दायर कर सकती है।

धार पर हिंदू राजाओं ने किया था कब्जा, तब भोजशाला में थी मस्जिद

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में गुरुवार को सुनवाई में मस्जिद पक्ष की याचिकाकर्ता मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी की ओर से परिसर में मंदिर होने के दावे को खारिज किया गया। इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) के सर्वे पर भी असहमति व्यक्त की गई। सोसायटी की ओर से 1305 से 1392 ईस्वी तक के अभिलेखों का संदर्भ रखते हुए कहा गया कि इनमें भोजशाला में मस्जिद का ही उल्लेख है। मस्जिद के लिए 850 बीघा जमीन तय की गई थी। इसकी आमदनी से 350 सालों तक मस्जिद बनी रही, लेकिन 1732 में धार पर हिंदू राजाओं का कब्जा हुआ। इसके बाद उन्होंने मस्जिद की जमीन में से काफी हिस्सा खत्म करते हुए उस पर मालीवाड़ा नाम से क्षेत्र बसा दिया। इसके बाद इस जमीन का हिस्सा बंटा।

जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगल पीठ के समक्ष दो घंटे चली सुनवाई में सोसायटी के अधिवक्ता तौसीफ वारसी ने 2005 के मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद के प्रकाशन का भी उल्लेख किया गया। तर्क दिया कि इसके लेखक रामसेवक ने मस्जिद और मौलाना कमालुद्दीन के बारे में काफी विस्तार से लिखा है। अब मामले में सोमवार को सुनवाई होगी।

न्यूज गैलरी

मनी लांड्रिंग मामले में आइ-पैक निदेशक चंदेल को मिली जमानत

नई दिल्ली: राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त सत्र अदालत ने मनी लांड्रिंग मामले में इंडियन पालिटिकल एक्शन कमेटी (आइ-पैक) के सह-संस्थापक और निदेशक विनेश चंदेल को जमानत दे दी है। न्यायाधीश अमित बंसल ने गुरुवार को जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए राहत दी। कोर्ट ने जमानत देते हुए कई शर्तें भी लगाई हैं। मामले की सुनवाई के दौरान ईडी ने जमानत याचिका का विरोध नहीं किया। यह मामला बंगाल में कोयला घोटाले से जुड़ा है, जिसमें करोड़ों रुपये की अवैध कमाई के लेन-देन का आरोप है। (जासं)

एडवोकेट-आन-रिकार्ड की परीक्षा इस साल नहीं होगी

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने एओआर की कुल संख्या को ध्यान में रखते हुए गुरुवार को निर्णय लिया कि वर्ष 2026 में एडवोकेट-आन-रिकार्ड (एओआर) की परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। एओआर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अधिकृत एक विशेष रूप से योग्य वकील होता है, जो शीर्ष कोर्ट में मुवक्किलों की ओर से कार्य करता है और पैरवी करता है। केवल एओआर ही सुप्रीम कोर्ट में उपस्थिति, याचिकाएं या दस्तावेज दाखिल कर सकते हैं, जिससे प्रक्रियात्मक अनुपालन और उच्च स्तरीय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होता है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जारी नोटिस में कहा गया है, "सक्षम प्राधिकारी ने आदेश दिया है कि कुल संख्या को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2026 में एओआर की परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। (प्रेट्र)

अमृतपाल की वीडियो कान्फ्रेंसिंग से पेशी, चालान पेश

अमृतसर: सांसद अमृतपाल सिंह को गुरुवार को फिर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये अजनाला की अदालत में पेश किया गया। इससे पहले अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजा था। पुलिस ने जांच पूरी कर अदालत में चालान पेश किया। अब इस केस की सुनवाई अमृतसर सेशन कोर्ट में होगी, जहां दो मई से ट्रायल प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एडवोकेट संधू ने बताया कि एफआइआर नंबर 39 से जुड़े इस मामले में अब तक सभी आरोपितों की गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जा चुका है। (जासं)

अनिल अंबानी समूह से जुड़े मामले की सुनवाई आठ मई तक स्थगित

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अनिल धीरूभाई अंबानी समूह और उसकी कंपनियों से जुड़े बड़े पैमाने पर बैंकिंग धोखाधड़ी के आरोपों वाली जनहित याचिका की सुनवाई आठ मई तक के लिए स्थगित कर दी। पीठ पूर्व नौकरशाह ई ए एस शर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले एडीएजी की कंपनियों द्वारा कथित तौर पर 40,000 करोड़ से अधिक के ऋण धोखाधड़ी की अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई थी। शुरुआत में, सीबीआइ और ईडी की ओर से पेश हुए सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि दोनों केंद्रीय जांच एजेंसियों ने 23 मार्च को जारी निर्देशों के अनुसार मामले की नई स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है। जनहित याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने कहा, सीबीआइ और ईडी ने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी हैं। मुख्य आरोपित को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

कानफोड़ू संगीत के शोर से 140 मुर्गियों की मौत, मुकदमा दर्ज

जागरण संवाददाता, सुलतानपुर

- पोस्टमार्टम में 'कार्डियक अरेस्ट' से मौत की पुष्टि, संचालक के खिलाफ एफआइआर के बाद जांच शुरू

बरात में तेज आवाज में बज रहा कानफोड़ू संगीत एक पोल्ट्री फार्म संचालक के लिए मातम का सबब बन गया। उप्र के सुल्तानपुर जिले के दरियापुर गांव में तेज संगीत की धमक और तेज आवाज के कारण एक साथ 140 मुर्गियों की मौत हो गई। पोल्ट्री फार्म के मालिक का आरोप है कि संचालक को आवाज कम करने के लिए बार-बार टोकने के बावजूद उसने अनसुना कर दिया।

यूपी में सुलतानपुर के दरियापुर निवासी बब्बन विश्वकर्मा की बेटी की शादी में कुड़वार के पूरे राम भद्र पुरवा से बरात आई थी। बरात जैसे ही गांव के पास स्थित साबिर अली के पोल्ट्री फार्म के सामने से गुजरी, वहां बज रहे संगीत का शोर बहुत तेज था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज कंपन और शोर से फार्म के अंदर मुर्गियां बुरी तरह घबरा गईं और जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगीं। देखते ही देखते 140 मुर्गियों ने दम तोड़ दिया।

इस घटना से स्तब्ध फार्म मालिक साबिर अली ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और म्यूजिक संचालक कवि यादव के खिलाफ तहरीर दी। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (सीवीओ) डाक्टर प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि मृत मुर्गियों के पोस्टमार्टम में 'कार्डियक अरेस्ट' (दिल का दौरा) की पुष्टि हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने संगीत संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जांच अधिकारी उपनिरीक्षक ताहुर खान ने बताया कि मामले की तफ्तीश जारी है। उन्होंने कहा कि हमें अभी विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार है।

पूर्व सीएम से संबंधित आडियो क्लिप की होगी फोरेंसिक जांच

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से संबंधित कथित आडियो क्लिप की फोरेंसिक जांच गुजरात स्थित राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय से कराए जाने के गुरुवार को आदेश दिए है। यह आडियो क्लिप मणिपुर में हुई जातीय हिंसा से संबंधित है।

जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह निर्देश गैर सरकारी संगठन 'कुकी आर्गनाइजेशन फार ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट' की याचिका पर दिया। पीठ ने राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) को रिकार्डिंग का विश्लेषण करने और उसमें मौजूद आवाज के नमूने की तुलना बीरेन के आवाज के नमूनों से करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने बताया कि दो घंटे 36 मिनट की पूरी आडियो क्लिप मूल डिवाइस से पेन ड्राइव में कापी कर ली गई है।

कुत्ते के हमले में लड़की की मौत पर चार सरकारी डाक्टरों पर केस दर्ज

- केरलम के कोल्लम जिलान्तर्गत पुनालुर का है हृदयविदारक मामला

कोल्लम, प्रेट्र : केरलम के कोल्लम जिलान्तर्गत पुनालुर में एक हृदयविदारक मामले में पुलिस ने चार सरकारी डाक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई पिछले साल आवारा कुत्ते के हमले के बाद सात साल की बच्ची निया फैसल की रेबीज से हुई मौत के संबंध में की गई है। पठानपुरम की रहने वाली निया को पिछले साल मई में उसके घर के सामने खेलते समय एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था। उसे तुरंत पुनालुर सरकारी तालुक अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे तिरुवनंतपुरम मेडिकल कालेज स्थानांतरित कर दिया गया। हालांकि, डाक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उसने दम तोड़ दिया। बच्ची की मौत के बाद उसके स्वजनों ने पुनालुर अस्पताल के डाक्टरों पर इलाज में भारी लापरवाही बरतने का आरोप लगाया।

स्वजनों की शिकायत पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पुलिस को इस मामले की जांच करने और

प्रतीकात्मक

मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया। पुनालुर पुलिस ने दो दिन पहले अस्पताल के अधीक्षक डा. सुनील कुमार, डा. देवी लक्ष्मी, डा. अंजीता और डा. जयसूर्या के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

इन डाक्टरों पर न केवल चिकित्सीय लापरवाही बल्कि सबूतों को नष्ट करने जैसी गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कार में आग लगने से एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जले

जागरण संवाददाता, जयपुर

- राजस्थान के अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर देर रात हुई दुर्घटना
- मन्नत पूरी होने पर वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रहा था परिवार

राजस्थान के अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात चलती हुई कार में आग लगने से मध्य प्रदेश के एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी, सास एवं दो नाबालिग बच्चे शामिल हैं।

हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार सभी लोगों की केवल हड्डियां ही मिली है। इन हड्डियों को अलग-अलग कपड़े की पोटलियों में रखा गया है। शवों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल लिए जाएंगे।

परिवार के लोग मन्नत पूरी होने पर वैष्णो देवी के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान एक्सीडेंट हो गया। अलवर जिला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि देर रात कार में आग लगने की सूचना मिलने पर अग्निशमन दल एवं पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे थे।

आशंका है कि शार्ट सर्किट एवं सीएनजी के कारण आग तेजी से भड़की, इस कारण कार में सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। पुलिस के अनुसार रात के समय नींद में होने के कारण ये लोग अपना बचाव नहीं कर सके। आग से कार चालक 80 फीसदी से अधिक झुलस गया, जिसे जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया है।

कार में आग लगने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस और अग्निशमन दल को आग बुझाने के बाद अर्टिगा कार में पांच लोगों की केवल हड्डियां ही मिली है। हादसे का शिकार परिवार मध्य प्रदेश में श्योपुर जिले का निवासी था।

मेरठ में दुल्हन के स्वागत पर हर्ष फायरिंग में सूर्य को जल चढ़ा रहे पड़ोसी की मौत

जागरण संवाददाता, मेरठ

- सुबह घर पर दुल्हन के पहुंचते ही चचिया ससुर ने की तीन राउंड फायरिंग

दुल्हन के स्वागत में चचिया ससुर की ओर से की गई हर्ष फायरिंग में पड़ोसी की गोली लगने से मौत हो गई। पड़ोसी राजमिस्त्री छत पर सूर्यदेव को जल चढ़ा रहे थे। आरोपित ने दोस्त की लाइसेंसी पिस्टल लेकर तीन राउंड फायरिंग की थी।

घटना के बाद दुल्हन को घर पर छोड़कर पूरा परिवार फरार हो गया। पुलिस ने दूल्हे की मां, बुआ और चाचा के बेटे को हिरासत में लिया है। करीब पांच घंटे बाद आरोपित की गिरफ्तारी के बाद सभी को छोड़ दिया गया।

खड़ौली निवासी पूर्व प्रधान देवी सहाय के पोते आदेश कुमार की बुधवार को शादी थी। गुरुवार सुबह दुल्हन प्रियंका ससुराल पहुंची। स्वागत के लिए सुबह करीब 7:15 बजे दुल्हन दरवाजे पर कार से उतर रही थी। इसी बीच आदेश के चाचा संदीप ने दोस्त अजय कुमार की लाइसेंसी पिस्टल से हर्ष फायरिंग कर दी। सामने किराये पर रह रहे राजमिस्त्री सुभाष प्रजापति सूर्यदेव को जल चढ़ा रहे थे, उन्होंने संदीप को हर्ष फायरिंग से रोका।

सुभाष प्रजापति।

दुल्हन को घर छोड़कर आदेश का परिवार फरार, पुलिस को महिलाओं ने शव नहीं उठाने दिया

इसके बाद भी संदीप ने तीन राउंड फायरिंग की। तीसरी गोली सुभाष के जबड़े में लग गई। सुभाष फर्श पर गिर पड़े। पत्नी पुष्पा ने शोर मचाया। आसपास के लोग सुभाष को अस्पताल ले जाने लगे, तभी उनकी मौत हो गई। इसी बीच दुल्हन को घर छोड़कर आदेश का परिवार फरार हो गया। पुलिस को परिवार की महिलाओं ने शव नहीं उठाने दिया। उनकी मांग थी कि आरोपित संदीप को गिरफ्तार किया जाए।

समझाकर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सीओ प्रकाश चंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में टीम ने दोपहर करीब 12 बजे संदीप को गिरफ्तार कर लिया। पुष्पा की तरफ से संदीप के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। अजय कुमार को भी मुकदमे में आरोपित बनाया है।

संदीप की निशानदेही पर 32 बोर का पिस्टल बरामद कर लिया गया। एसएसपी अविनाश पांडेय ने बताया कि लाइसेंस के निरस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। मामले पर सीओ से रिपोर्ट मांगी गई है।

हत्या का मामला सुलझाने में खोजी कुत्ते ने की मदद

ठाणे, प्रेट्र : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में हत्या के एक मामले को सुलझाने में पुलिस के एक खोजी कुत्ते ने बड़ी भूमिका निभाई। इस मामले में आरोपित को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित योगेश एकनाथ राणे ने पैसों के विवाद को लेकर अपने दोस्त राजेश योगीराज प्रभुल्कर की हत्या कर दी थी। 21 अप्रैल को खडावली क्षेत्र में भाटसा नदी के पास पीड़ित का शव मिला था। एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित का सिर और चेहरा कुचल दिया गया था। शव मिलने के बाद अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या के आरोप में मामला दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, श्वान दस्ते के सदस्य 'बेली' ने शव के पास मिली वस्तुओं के आधार पर जांचकर्ताओं को खडावली रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया। पुलिस ने जांच के बाद राणे की संदिग्ध के रूप में पहचान की। राणे मुंबई में घूमता रहता था और पहचान छिपाने के लिए हमेशा टोपी पहनता था।

जागरण विशेष

नई पहचान पाकर दमक उठी रविंद्रनगर की सामाजिक चेतना

जानिए पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से आए हिंदुओं के संघर्ष व संस्कृति की कहानी

आनंद त्रिपाठी • जागरण

लखीमपुर: चौड़ी गलियां, स्वच्छ रास्ते और घरों के सामने हरियाली देखकर भान होता है कि यह शहर की कोई नियोजित कालोनी है। घरों के अंदर बड़ा बरामदा और छोटा मंदिर। वातावरण में शांति और सुंदरता का अनूठा मिश्रण। जैसे प्राकृतिक छटा के बीच करीने से बसावट की गई हो। हालांकि, यह शहर नहीं, बल्कि मोहम्मदी तहसील से करीब 14 किलोमीटर दूर स्थित रविंद्रनगर गांव है। वही, जिसका नामकरण पिछले दिनों 11 अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मियांपुर से बदलकर रविंद्रनगर किया है। उन्होंने जमीन का मालिकाना हक भी स्थानीय लोगों को दिया है। दैनिक जागरण की विशेष सीरीज में जानिये यहां रहने वाले बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों के संघर्ष, संस्कृति और समर्पण की कहानी। यह सीरीज की पहली किस्त है। दो किस्तें आगामी बुधवार और गुरुवार को प्रकाशित होंगी।

सोये तो अपने देश में थे, उठे तो पराए हो गए

गांव के बाहर लगे साप्ताहिक बाजार में मिले शिक्षक तपन कुमार बिश्वास बताते हैं कि 14 अगस्त, 1947 को विभाजन हुआ। सोये तो अपने देश में थे, उठे तो पराए हो गए। उस समय धार्मिक प्रताड़ना बढ़ गई। 15 अगस्त से ही लोग वहां से भारत आने लगे। वह कहते हैं कि मेरे दादा स्व. राज बिहारी बिश्वास भी उनमें से एक थे। उन्हें पहले कटक में रखा गया। तत्कालीन सरकार ने रिलीफ कैंप बनाए, लेकिन जब वहां भी संख्या अधिक होने लगी तो यहां के जंगल में लाकर छोड़ दिया गया। गांव वालों के बीच इसे रवींद्रनगर ही कहा जाता था, लेकिन अभिलेख में नाम परिवर्तित नहीं हो सका था। अब योगी ने पहचान दिलाई।

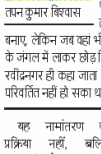

तपन कुमार बिश्वास

उच्च प्राथमिक विद्यालय रविंद्रनगर का परिसर, जो किसी का भी मनमोह ले • जागरण

योगी ने कराया अपनेपन का अहसास

आयुर्वेदाचार्य 73 वर्षीय श्यामपद अपने बरामदे में बैठे मरीजों को देख रहे हैं। वह बताते हैं कि बहुत छोटी आयु में पूर्वी पाकिस्तान से बंगाल के हसनाबाद आए थे। पिता जी का सिटीजन चार्टर (एक तरह का पहचान पत्र) बना था। वहां से रुद्रपुर लाया गया। सरकार की ओर से सुई से लेकर रजाई तक उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन हम जमीन के मालिक नहीं थे। सब कुछ होने के बाद भी लग रहा था कि हम पराए हैं, लेकिन अब अपनेपन का अहसास हो रहा है। शब्दों में खुशी नहीं बता सकते। बस आप समझ लीजिए। सीएम योगी ने अपनेपन का अहसास कराया है।

श्यामपद

यह नामांतरण की साधारण प्रक्रिया नहीं, बल्कि मुस्लिम कट्टरपंथ के कारण अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश बांग्लादेश के हिंदू शरणार्थियों के कड़े संघर्ष की विजय गाथा है। उनके सामने जीवन बचाए रखने के लक्ष्य के साथ अपनी पहचान, अस्मिता और संस्कृति को बनाए रखने की दोहरी चुनौती थी, जिसमें वे सफल रहे। रविंद्रनगर में करीब सात सौ परिवार रहते हैं, जिनकी आबादी लगभग पांच हजार है। गांव के आखिर में प्रधान मिथुन ढाली का घर है। मिथुन बताते हैं कि यहां के अधिकांश लोग वर्ष 1964-65 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से आकर बसे हैं। तब यहां घना जंगल था। मजदूरी कर लोग जीवनयापन करते थे। कई दिन तो भूखे रहे। चूंकि, हम लोग पूर्वी पाकिस्तान से आए थे, इसलिए हमें मुस्लिम समझा जाता था। मुस्लिम होने की धारणा के चलते ही गांव को मियांपुर कहा जाने लगा। हालांकि, गांव के लोगों ने इस नाम को कभी नहीं अपनाया। अब योगी ने गांव को नई पहचान दिलाई। उन्होंने जब गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के नाम पर नामकरण किया तो सूख रही धरा पर जैसे बरखा की फुहारें पड़ गईं। हर घर दीप जले व उत्सव मनाया गया।

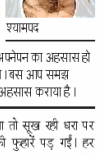

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

पहले आठ घंटे में गंगा एक्सप्रेसवे से गुजरे 1200 वाहन

जागरण संवाददाता, मेरठ

- पहले दिन पूजा करके और नारियल फोड़कर किया गया वाहनों का स्वागत
- गूगल मैप पर दिखाई देने लगा एक्सप्रेसवे, प्रयागराज तक का सीधा सफर

गंगा एक्सप्रेसवे पर खड़खड़ी में स्थित टोल प्लाजा पर पहले दिन पूजा करके और नारियल फोड़कर वाहनों का स्वागत किया गया। बुधवार रात 12 बजे से वाहनों का प्रवेश शुरू हो गया था। मेरठ से बदायूं तक के 130 किमी लंबे प्रथम पैकेज की संचालनकर्ता एजेंसी आइआरबी के अधिकारियों ने बताया कि सुबह आठ बजे तक पहले आठ घंटे में इस मार्ग पर दोनों ओर से गुजरने वाले वाहनों की संख्या 1200 रही, गुरुवार शाम छह बजे तक वाहनों की संख्या 4300 पहुंच गई। संचालन शुरू होते ही गूगल मैप पर गंगा एक्सप्रेसवे दिखाई देने लगा। अभी तक प्रयागराज तक जाने के लिए कई हाईवे, एक्सप्रेसवे व अन्य मार्गों से गुजरकर जाना होता था, लेकिन अब गूगल मैप पर मेरठ से प्रयागराज तक का रास्ता बिल्कुल सीधा दिखाई दे रहा है।

गंगा एक्सप्रेसवे का नाम दर्ज होते ही मैप अब प्रयागराज के लिए एक मात्र रूट गंगा एक्सप्रेसवे को ही प्रदर्शित कर रहा है। आइआरबी इन्फ्रा के सीजीएम अनूप सिंह ने बताया कि मल्टी लेन फ्री फ्लो सिस्टम के कारण टोल प्लाजा पर वाहनों को रुकने की जरूरत नहीं है। लिहाजा अधिकांश वाहन बिना रुके ही आगे बढ़ गए, लेकिन जो वाहन टोल प्लाजा के पास रुका उसका कर्मियों ने पूजा करके और वाहन के सामने नारियल फोड़कर स्वागत किया। अनूठा स्वागत देखकर वाहन मालिक भी गदगद दिखाई दिए। उन्होंने टोल कर्मियों के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाए।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार, 1 मई, 2026

दैनिक जागरण

सफलता कोई गंतव्य नहीं, अपितु निरंतर चलने वाली यात्रा है

साइबर ठगों के साथी

कानपुर में चार बैंक मैनेजरों समेत आठ साइबर ठगों की गिरफ्तारी इस आशंका की पुष्टि करती है कि बैंक कर्मियों और आनलाइन ठगी करने वालों में मिलीभगत कायम हो गई है। आमतौर पर साइबर ठग ठगी की रकम इधर-उधर करने के लिए किसी अन्य के खातों यानी म्यूल खातों का सहारा लेते हैं। ऐसे तमाम खाते बैंक अधिकारियों की साठगांठ से खुलते हैं। कानपुर का प्रसंग पहला ऐसा प्रकरण नहीं, जिसमें साइबर ठगी के किसी मामले में बैंक अधिकारियों की भूमिका पाई गई हो। हाल के समय में इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं, जो यह बताते हैं कि बैंक अधिकारी साइबर ठगों से मिलकर फर्जी या म्यूल खाते खुलवाते हैं। कुछ समय पहले लखनऊ में एक बैंक मैनेजर समेत चार लोगों को साइबर धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह तेलंगाना पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर साइबर ठगों से मिलीभगत में दो बैंकों के मैनेजरों को गिरफ्तार किया था। ये बिना सत्यापन के खाते खुलवाते थे और इसके बदले साइबर ठगों से कमीशन लेते थे। कुछ बैंक मैनेजर डिजिटल अरेस्ट के जरिये की जाने वाली ठगी के मामले में भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

साइबर ठगी के मामलों में बैंकों की संदिग्ध भूमिका का सबसे पहले उल्लेख सुप्रीम कोर्ट ने तब किया था, जब वह डिजिटल अरेस्ट के नाम पर की जाने वाली ठगी के मामलों की सुनवाई कर रहा था। उसके आदेश-निर्देश के बाद साइबर ठगों के खिलाफ सख्ती बरतनी शुरू हुई और उनकी गिरफ्तारियां भी हुईं। इसके अतिरिक्त रिजर्व बैंक के निर्देश पर भी बैंकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके ऐसी पहल शुरू की, जिससे ठगी का पैसा द्रुत गति से एक खाते से दूसरे और दूसरे से तीसरे में हस्तांतरित हो तो बैंकों को इसकी भनक लग जाए, पर यह ध्यान रहे कि साइबर ठग धोखाधड़ी के नए-नए तौर-तरीके इस्तेमाल करने में माहिर हैं। चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि साइबर ठग आनलाइन धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए सक्रिय एजेंसियों को मात देने के लिए अपने तौर-तरीके बदल सकते हैं, इसलिए उन्हें सतर्क रहना होगा। वैसे भी यह देखने को मिलता रहा है कि पुलिस एवं अन्य एजेंसियां डाल-डाल हैं तो साइबर ठग पात-पात। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि साइबर ठग भी एआइ समेत अन्य आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने में सक्षम हैं। इसी कारण वे विदेश में बैठकर भी साइबर ठगी को अंजाम देते रहते हैं। साइबर ठगों की धरपकड़ में तेजी आने के बाद भी यह शुभ संकेत नहीं कि उनके दुस्साहस में कोई कमी आती नहीं दिखती। साइबर ठगी पर लगाम लगाने के लिए एजेंसियों की अपनी सक्रियता का स्तर बढ़ाने के साथ यह भी आवश्यक है आम लोगों को कम से कम इतना तो पता होना ही चाहिए कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई प्रक्रिया नहीं होती।

बीमार मिट्टी का इलाज

कृषि के बदलते परिदृश्य में मिट्टी की गिरती सेहत एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। हरियाणा में भी रासायनिक उर्वरकों और एंटी-फंगस के अंधाधुंध उपयोग ने न केवल उत्पादन की लागत बढ़ाई है, बल्कि भूमि की प्राकृतिक उर्वरा शक्ति को भी क्षीण किया है। ऐसे समय में केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (सीएसएसआरआइ) में विकसित 'सुडोमोनास' जैविक फंगस उम्मीद की एक नई किरण बनकर उभरा है। यह शोध केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि टिकाऊ खेती की दिशा में एक निर्णायक हस्तक्षेप है। यह फंगस मिट्टी में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं को खत्म कर सुरक्षात्मक कवच तैयार करता है, जिससे पौधों की जड़ें स्वस्थ रहती हैं और उनकी वृद्धि बेहतर होती है। खास बात यह है कि यह जैविक एजेंट केवल रोग नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि मिट्टी की पोषक तत्व उपलब्धता को भी बढ़ाता है। नाइट्रोजन स्थिरीकरण और फास्फोरस को सुलभ बनाने की इसकी क्षमता सीधे तौर पर उत्पादन में लगभग 20 प्रतिशत वृद्धि सुनिश्चित करती है। इससे किसानों को अधिक लागत झेलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और फसल की गुणवत्ता भी सुधरेगी।

नया शोध वैज्ञानिक उपलब्धि ही नहीं, बल्कि टिकाऊ खेती की दिशा में एक निर्णायक हस्तक्षेप है

नारी सशक्तीकरण का स्रोत उज्ज्वला

धर्मेंद्र प्रधान

उज्ज्वला योजना इसका भी प्रमाण बनी कि जब नीतियां संवेदनशीलता के साथ बनती हैं, तो करोड़ों जिंदगियां बदल देती हैं

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 10 वर्ष पूरे हो चुके हैं। यह केवल एक सरकारी योजना की दशक भर की यात्रा ही नहीं, अपितु भारत के विकास संबंधी दृष्टिकोण में आए एक बड़े परिवर्तन का जीवंत प्रमाण है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला के रूप में प्रतिष्ठित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक मई, 2016 को बलिया की क्रांतिकारी धरा से इस योजना की शुरुआत हुई थी। उज्ज्वला योजना ने स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की। महिला सम्मान, स्वास्थ्य और गरिमा को केंद्र में रखकर विकास के एक नए सोच को भी इसने राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया। सरकार का संकल्प सुस्पष्ट था कि शासन के केंद्र में हाशिए पर मौजूद उस अंतिम महिला को रखें, जो दशकों से रसोई के धुएं में अपना स्वास्थ्य और सपने गंवा रही थी। मोदी सरकार का यह मूल मंत्र रहा है कि स्थायी प्रगति का रास्ता देश की नारी शक्ति के जीवन की सुगमता से होकर ही गुजरता है। ग्रामीण बहनों के जीवन में आई सहजता ही वास्तव में राष्ट्रीय उन्नति का सबसे ठोस आधार है।

महिला-नेतृत्व वाले विकास का जो संकल्प प्रधानमंत्री जी ने लिया था, उज्ज्वला योजना की सफल यात्रा उसी संकल्प को साकार करते हुए करोड़ों महिलाओं के सम्मान और बेहतर जीवन का आधार बना है। स्वच्छ रसोई ऊर्जा की दिशा में यह दुनिया का सबसे बड़ा अभियान है। जिस तेजी और व्यापक स्तर पर इसे लागू किया गया, उसकी मिसाल कहीं नहीं। इस योजना ने करोड़ों महिलाओं की पीढ़ियों से चली आ रही कठिन दिनचर्या को बदला और उनके स्वाभिमान की पुनर्स्थापना का माध्यम बनी। यह योजना 'सबका साथ, सबका विश्वास' के मंत्र को व्यावहारिक रूप देने वाली सरकार की प्रारंभिक और सबसे प्रभावशाली जनकल्याणकारी पहलों में एक मानी जाती है, जिसने विकास को समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाने का कार्य किया।

उज्ज्वला से पहले की तस्वीर बहुत चुनौतीपूर्ण थी। अप्रैल 2015 तक भारत में एलपीजी का दायरा 56.2 प्रतिशत परिवारों तक ही सीमित था। यह एक विडंबना थी कि बिजली तो गांवों तक पहुंच रही थी, लेकिन रसोई का ईंधन अब भी सदियों पुराना था। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 के अनुसार उस समय 44 प्रतिशत परिवार ही स्वच्छ ईंधन का उपयोग कर पा रहे थे। उज्ज्वला ने इस खाई को पाटने का काम किया। इसके तहत कम आय वाले परिवारों की महिलाओं के नाम पर बिना किसी सुरक्षा राशि के गैस कनेक्शन दिए गए। अगस्त 2018 में पांच करोड़ कनेक्शन का पहला लक्ष्य हासिल हुआ। इसे 2019 तक बढ़ाकर आठ करोड़ कर दिया गया। उज्ज्वला 2.0 ने उन प्रवासी परिवारों की चिंता भी दूर कर दी, जिनके पास स्थायी पते का प्रमाण नहीं था। 1 मार्च 2026 तक 10.56 करोड़ महिलाएं इस योजना की लाभार्थी बन गईं। इसके साथ ही गैस वितरण की व्यवस्था का भी व्यापक विस्तार हुआ। 2014 में देश में कुल 14.52 करोड़ गैस कनेक्शन थे। यह संख्या नवंबर 2024 तक बढ़कर 32.83 करोड़ हो गई। गैस वितरकों की संख्या लगभग दोगुनी हो चुकी है। इनमें से ज्यादातर केंद्र ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में खोले गए। पिछड़े क्षेत्रों में एलपीजी ढांचे को मजबूत करने में तेल विपणन कंपनियों ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई। इसमें जन-धन, आधार और मोबाइल की तिकड़ी ने पारदर्शिता के साथ सार्थक भूमिका निभाई। इसके जरिये सब्सिडी का पैसा सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचने लगा। बीच के सभी रिसाव दूर किए गए।

भोजन पकाने में सुगमता और स्वास्थ्य लाभ बढ़ाने वाली साबित हुई उज्ज्वला योजना। फाइल

स्वच्छ ईंधन का सबसे गहरा और सकारात्मक असर महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ा। लकड़ी और उपलों के धुएं से होने वाली बीमारियां महिलाओं और बच्चों के लिए हमेशा से एक बड़ा जोखिम रही हैं। उज्ज्वला ने इस संकट को जड़ से मिटाने का काम किया। जहां भी इस योजना का विस्तार हुआ, वहां श्वसन संबंधी बीमारियों में भारी कमी दर्ज की गई। यह एक मूक स्वास्थ्य क्रांति की तरह है, जिसने महिलाओं को 'चूल्हे के धुएं' की गुलामी से आजाद किया। समय की बचत भी इस योजना का एक और क्रांतिकारी पहलू है। ईंधन जुटाने और पारंपरिक चूल्हे पर खाना पकाने में लगने वाले घंटों की बचत ने महिलाओं को एक नया आकाश दिया। अब वे उस बचे हुए समय का उपयोग आर्थिक गतिविधियों में कर पा रही हैं। कई महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ रही हैं या छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं। जब घर में सुविधा बढ़ती है, तो वह सशक्तीकरण की ओर ले जाती है। महिलाओं के पास समय होने से बेटियों की शिक्षा और उनके भविष्य पर भी बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

यह योजना अपने दूसरे दशक में प्रवेश कर रही है, तो सरकार का ध्यान इसके निरंतर उपयोग पर है। यह बहुत सुखद है कि उज्ज्वला लाभार्थियों में गैस की खपत काफी बढ़ी है। साल 2019-20 में यह औसतन तीन सिलिंडर थी, जो 2025-26 में बढ़कर लगभग पांच सिलिंडर तक पहुंच गई। यह बदलाव बताता है कि लोग अब स्वच्छ ऊर्जा को अपनी आदत बना रहे हैं। सरकार भी लक्षित सब्सिडी और छोटे सिलिंडर जैसे विकल्पों के जरिये सुनिश्चित करने में लगी है कि लागत कभी बाधा न बने। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है कि स्वच्छ रसोई का यह सफर स्थायी बने।

प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण में महिला सशक्तीकरण केवल एक नीतिगत नारा नहीं, बल्कि यह एक ऐसी व्यवस्था है, जो जमीनी स्तर पर परिणाम देती है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से लेकर बजट में महिलाओं के लिए बढ़ी हुई हिस्सेदारी तक, हर कदम इसी दिशा में है। इसी क्रम में उज्ज्वला योजना भी इसका प्रमाण बनी कि जब नीतियां संवेदनशीलता के साथ बनती हैं, तो करोड़ों जिंदगियों को बदल देती हैं। धुएं से आजादी और रसोई में सम्मान की बहाली ही विकसित भारत की सच्ची पहचान है। जब घर की रसोई में सुविधा का उजाला होता है, तो पूरा देश आगे बढ़ता है। उज्ज्वला योजना भारत की नारी शक्ति के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

(लेखक केंद्रीय शिक्षा मंत्री हैं)
response@jagran.com

एफटीए का लाभ उठाने की चुनौती

कुमार रोहित

जब तक हमारे युवा कौशल के मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे, तब तक एफटीए के लाभ सीमित ही रहेंगे

पिछले दिनों भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) किया। इसके पहले यूरोपीय संघ (ईयू) से ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता हुआ था। ये समझौते केवल दो व्यापारिक शक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी के लिए वैश्विक नागरिक बनने के द्वार का खुलना है। आज यूरोप सहित सभी विकसित देश अपनी वृद्ध होती जनसंख्या के कारण भीषण श्रम संकट से जूझ रहे हैं और भारत अपनी जनसांख्यिकीय शक्ति यानी लाभांश के चरम पर है। अब लखनऊ, पटना या भुवनेश्वर का युवा यह सोच सकता है कि उसका करियर केवल दिल्ली-मुंबई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बर्लिन और पेरिस तक पहुंचेगा। यह बदलाव केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि मानसिकता और आकांक्षाओं का भी विस्तार है। एफटीए की असली ताकत माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप में भी है, जो भारतीय पेशेवरों के लिए यूरोप में सुरक्षित, व्यवस्थित और सम्मानजनक अवसर सुनिश्चित करता है। नई दिल्ली में स्थापित लीगल गेटवे आफिस इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अब भारतीय प्रतिभा का प्रवास अनौपचारिक नहीं, बल्कि संस्थागत और संरक्षित होगा। यूरोपीय श्रम बाजार में ही वर्तमान में जो रिक्तियां हैं, वे चौंकाने वाली हैं। ईयू में रोजगार दर 76.3 प्रतिशत के उच्च स्तर पर होने के बावजूद वहां प्रतिभा का अकाल है। ईयू देशों में 10 लाख से ज्यादा स्वास्थ्य पेशेवरों की तत्काल आवश्यकता है। जर्मनी, फ्रांस और आयरलैंड जैसे देशों में भारतीय नर्सों, केयरगिवर्स और फिजियोथेरापिस्ट की भारी मांग है। यूरोपीय संघ में तकनीकी क्रांति तेज हुई है। साफ्टवेयर इंजीनियरिंग, डाटा साइंस और साइबर सुरक्षा में भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। यूरोप का नेट-जीरो लक्ष्य 2035 तक अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार का विस्फोट करेगा। सोलर तकनीशियन, विंड टर्बाइन विशेषज्ञ और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) इंजीनियरों के लिए वहां का बाजार अभी से पलकें बिछाए खड़ा है। केवल उच्च शिक्षित ही नहीं, बल्कि लाजिस्टिक्स, निर्माण और होटल उद्योग में भी लाखों अवसर हैं। वेयरहाउस आपरेशंस, स्मार्ट इलेक्ट्रिशियन और कृषि प्रसंस्करण में कुशल युवाओं की विशेष मांग देखी जा रही है।

कौशल की कसौटी पर खरे उतरने की चुनौती। फाइल

अवसर तो बहुत हैं, पर उनकी राह में देश के युवाओं में कौशल की भारी कमी है। एक हालिया शोध के अनुसार भारत में स्नातक युवाओं में से केवल 8.25 प्रतिशत ही अपनी शिक्षा के अनुरूप काम कर रहे हैं, जबकि 50 प्रतिशत से अधिक युवा अपनी योग्यता से कम स्तर के कार्यों में लगे हैं। हिंदी भाषी राज्यों में केवल अंग्रेजी ही नहीं, बल्कि जर्मन, फ्रेंच और स्पेनिश भाषा की जानकारी का अभाव सबसे बड़ी रुकावट है। हमारे आइटीआइ और विश्वविद्यालयों के कई प्रमाणपत्र यूरोपीय मानकों के साथ मेल नहीं खाते। यह समझना अनिवार्य है कि यूरोप केवल श्रमिक नहीं, बल्कि विशेषज्ञ मांगता है। अब खानापूर्ति वाले प्रशिक्षण का दौर बीत चुका है।

यदि प्रशिक्षण की गुणवत्ता लचर है तो यह केवल युवाओं के समय की बर्बादी नहीं, बल्कि राष्ट्र के साथ छल है। नीतिगत स्तर पर हमें मात्रा के बजाय गुणवत्ता को मूल मंत्र बनाना होगा। प्रशिक्षण संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों, उद्योग-संबद्ध पाठ्यक्रमों और वैश्विक प्रमाणपत्रों को अपनाना होगा। जब तक युवा वैश्विक मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे, तब तक उनके लिए एफटीए के लाभ सीमित ही रहेंगे या फिर कागजों पर ही रहेंगे। युवाओं को अपनी कौशल पहचान बदलनी होगी। बिहार का लैंग्वेज लेबोरेटरी माडल एक शानदार उदाहरण है जहां अरबी, अंग्रेजी, जर्मन और जापानी सिखाई जा रही है। युवाओं को स्नातक साथ ही कम से कम एक यूरोपीय भाषा में दक्षता हासिल करनी चाहिए। यूरोपास सीवी बनाना और ईयू टैलेंट पूल पर अपनी प्रोफाइल को सत्यापित करना सीखना अनिवार्य है। यूरोपीय कार्यसंस्कृति में संवाद, समयबद्धता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता तकनीकी ज्ञान जितनी ही महत्वपूर्ण है। स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर इसी दिशा में सही कदम है, जो वाराणसी और भुवनेश्वर में चालू हो चुके हैं। डिजिटल स्किल पासपोर्ट जैसी पहल भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाएगी और युवाओं के करियर को सुरक्षित करने में बहुत सहायक भी बनेगी।

एक समय था जब बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लाखों लोग गिरमिटिया के रूप में मजबूरी में विदेश गए। आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अब प्रवास मजबूरी नहीं, विकल्प और सम्मान का माध्यम बन चुका है। भारतीय युवा अधिकारों और अवसरों के साथ अब वैश्विक प्रतिभा है। यह ब्रेन ड्रेन नहीं, ब्रेन सर्कुलेशन का युग है। यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड के साथ भारत का एफटीए केवल व्यापारिक संधि नहीं, बल्कि भारतीय युवाओं के लिए एक नवजागरण है, पर इस सुनहरे भविष्य की चाबी केवल गुणवत्तापूर्ण कौशल में छिपी है। यदि युवाओं को श्रेष्ठता के मानक पर तैयार कर सकें तो वह दिन दूर नहीं जब भारतीय हुनर दुनिया की अर्थव्यवस्था की धड़कन बनेगा। यह समय अपनी कमियों को स्वीकारने और उन्हें वैश्विक दक्षता में बदलने का है।

(लेखक अतिरिक्त केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त एवं 'सुयोजन' संस्था के संस्थापक हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

सृष्टि और संबंध

मानव का इस धरातल पर अवतरण होते ही वह अदृश्य, अटूट संबंधों की सूक्ष्म कड़ियों में बंध जाता है। जन्म के साथ ही इन संबंधों का बीजारोपण हो जाता है, जो कालांतर में मोह रूपी सघन वृक्ष का रूप धारण कर लेते हैं। इसी मोहपाश में आबद्ध होकर व्यक्ति संसार के चक्रव्यूह में फंसकर स्वयं को विस्मृत कर बैठता है। वस्तुतः सत्य यह है कि जहां जीवन का स्पंदन है, वहां संबंधों की उपस्थिति अनिवार्य है, क्योंकि समाज और सृष्टि का समूचा ताना-बाना इन्हीं पारस्परिक सूत्रों से निर्मित हुआ है।

प्रत्येक परिवार में संबंधों का एक सहज और नैसर्गिक आकर्षण विद्यमान रहता है, किंतु उनकी सार्थकता व्यक्ति की चेतना की ऊंचाई पर निर्भर करती है। वर्तमान युग की विडंबना यह है कि संबंध प्रायः रक्त-संबंधों की मर्यादा तक सीमित होकर रह गए हैं और दुखद तथ्य यह है कि इन रक्त-संबंधों के आवरण में भी स्वार्थ की गहन छाया छिपी रहती है। संबंधों का विघटन प्रायः कटु वचनों के आघात से होता है, जिसके दुष्प्रभाव से वर्षों से चला आ रहा स्नेह क्षणभर में तार-तार हो जाता है। प्रकृति के साथ हमारा संबंध शाश्वत और अटूट है, जबकि विषय-वासनाओं पर आधारित संबंध क्षणिक और नश्वर हैं। उनमें स्थायित्व और स्थिरता नहीं।

अतः मनुष्य को चाहिए कि वह सदैव विवेक के प्रकाश में अपने संबंधों का मूल्यांकन करे। संबंधों को सहेजना और उनका पोषण करना आवश्यक है, उन्हें तुच्छ कारणों से विच्छिन्न करना बुद्धिमत्ता नहीं है, तथापि यदि स्वाभिमान और सत्य की रक्षा के लिए संबंध-विच्छेद अपरिहार्य हो जाए तो फिर पीछे मुड़कर देखना आत्मिक दुर्बलता सिद्ध होगी। मनुष्य को मोहक प्रतीत होने वाले संबंधों के स्थान पर श्रेयस्कर संबंधों का चयन करना चाहिए। कोई संबंध वही श्रेष्ठ है, जो आत्मिक समुत्कर्ष और लोक-कल्याण के पथ को प्रशस्त करे।

महंत आचार्य नारायण दास

घरेलू सहायकों का सत्यापन जरूरी

सुनीता मिश्रा

यदि हम अपने घरों को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो घरेलू सहायकों के सत्यापन को भी प्राथमिकता देनी होगी

हाल में दिल्ली में एक आइआरएस अधिकारी के यहां काम कर चुके घरेलू सहायक राहुल मीणा ने उनकी बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी। जांच में सामने आया कि आरोपित इससे पहले राजस्थान के अलवर में भी इसी तरह के गंभीर अपराध में शामिल रहा था। इस घटना ने न सिर्फ पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि लोगों के मन में यह चिंता भी गहरा दी है कि क्या वे अपने घरों में सचमुच सुरक्षित हैं? दरअसल महानगरों में बढ़ती ऐसी घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक लापरवाही का भी संकेत हैं। भारत में लगभग 2.81 करोड़ घरेलू सहायक कार्यरत हैं, जिनमें अधिकांश असंगठित क्षेत्र से आते हैं। ऐसे में निगरानी और नियमन की कमी स्वाभाविक है। दिल्ली पुलिस के अनुसार वर्ष 2020 से 2025 के बीच घरेलू सहायकों द्वारा लूट और चोरी की 750 से अधिक वारदातें सामने आईं, जिनमें करीब 650 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। चिंताजनक तथ्य यह है कि इनमें अधिकांश मामलों में सत्यापन नहीं कराया गया था। ये आंकड़े किसी वर्ग विशेष को दोषी ठहराने के लिए नहीं, बल्कि एक गंभीर प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हैं।

दरअसल, बदलते सामाजिक ढांचे ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। एकल परिवारों की बढ़ती संख्या, कामकाजी दंपतियों की व्यस्तता और बच्चों व बुजुर्गों की देखभाल की आवश्यकता ने घरेलू सहायकों पर निर्भरता बढ़ा दी है। ऐसे में अक्सर बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के किसी अनजान व्यक्ति को घर का हिस्सा बना लिया जाता है। यही सहज विश्वास कई बार जोखिम में बदल जाता है।

विडंबना यह है कि घरेलू कामगारों के लिए अब भी कोई व्यापक और प्रभावी नियामक ढांचा मौजूद नहीं है। पुलिस सत्यापन की व्यवस्था होने के बावजूद उसका पालन अक्सर नहीं किया जाता। अधिकतर लोग परिचितों या अनौपचारिक माध्यमों के आधार पर ही नियुक्ति कर लेते हैं। यदि नियुक्ति से पहले उचित जांच, पहचान की पुष्टि और पिछले रिकार्ड का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, तो ऐसी कई घटनाओं को रोका जा सकता है। इस दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है। जैसे घरेलू सहायकों का अनिवार्य पुलिस सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, नगर स्तर पर उनका डिजिटल पंजीकरण किया जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर उनकी जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सके। केवल प्रमाणित एजेंसियों के माध्यम से ही उनकी नियुक्ति की जाए। घरों में बुनियादी सुरक्षा उपाय जैसे सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाने चाहिए। इसके साथ ही, घरेलू कामगारों के अधिकारों, न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा को भी सुदृढ़ किया जाना बहुत आवश्यक है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा भरें

संपादकीय 'छात्रों की आत्महत्याएं' पढ़कर स्पष्ट होता है कि यह समस्या आज अत्यंत गंभीर रूप ले चुकी है। यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर पढ़े-लिखे और जागरूक छात्र भी ऐसा कठोर कदम क्यों उठा रहे हैं। इससे यह भी संकेत मिलता है कि आज शिक्षा का उद्देश्य सर्वांगीण विकास के बजाय केवल अंकों की होड़ और डिग्री प्राप्ति तक सीमित होता जा रहा है। छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं अत्यंत दुखद और चिंताजनक हैं। ऐसे हादसों को रोकने के लिए केवल केंद्र या राज्य सरकार ही नहीं, बल्कि शिक्षा संस्थानों, कोचिंग केंद्रों और अभिभावकों-सभी को समान रूप से जिम्मेदारी निभानी होगी। समय के साथ प्रतियोगिताओं का दायरा बढ़ता जा रहा है और इसके साथ ही बच्चों पर पढ़ाई का दबाव भी बढ़ रहा है। यह दबाव धीरे-धीरे उनके बचपन को प्रभावित कर रहा है। कई बार अभिभावक सामाजिक प्रतिष्ठा या अपेक्षाओं के कारण बच्चों पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं, वहीं शिक्षा संस्थान अपनी रैंकिंग को लेकर चिंतित रहते हैं। परिणामस्वरूप बच्चे तनावग्रस्त हो जाते हैं। यह भी सत्य है कि माता-पिता, शिक्षक और कोचिंग संस्थानों का उद्देश्य बच्चों का अहित करना नहीं होता, बल्कि वे उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। किंतु आवश्यक है कि यह प्रयास संतुलित और संवेदनशील तरीके से किया जाए। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को प्रेमपूर्वक यह समझाएं कि मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन विकसित किया जाए। यदि हम उन्हें केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, जीवन जीने की कला भी सिखाएं तो वे हर चुनौती का सामना कर पाएंगे।

raju09023693142@gmail.com

सिस्टम की संवेदनहीनता

ओडिशा से सामने आई एक तस्वीर ने आधुनिक भारत के विकास और डिजिटल बैंकिंग प्रणाली के दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। एक भाई को अपनी मृत बहन के बैंक खाते से मात्र 19,300 रुपये निकालने के लिए उसकी अस्थियों और कंकाल को कंधे पर उठाकर बैंक तक जाना पड़ा। यह केवल एक व्यक्ति की पीड़ा नहीं, बल्कि प्रशासनिक तंत्र, बैंकिंग व्यवस्था और स्थानीय शासन की सामूहिक विफलता का स्पष्ट प्रमाण है। जानकारी के अनुसार, जीतू मुंडा की बहन कलरा मुंडा का निधन जनवरी में ही हो गया था। उसने पशु बेचकर जो धन बड़ी उम्मीद से जमा किया था, वही राशि उसकी मृत्यु के बाद उसके भाई के लिए परेशानी का कारण बन गई। बैंक ने अपनी जटिल प्रक्रियाओं-केवाईसी और उत्तराधिकार प्रमाण पत्र का हवाला देते हुए एक गरीब व्यक्ति को कागजी औपचारिकताओं में उलझाए रखा। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या बैंक के पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी कि वह स्वयं घर जाकर सत्यापन कर सके? क्या एक गरीब की सच्चाई की कीमत कठोर नियमों से कम है? तकनीक और संसाधनों से लैस संस्थाएं यदि जमीनी हकीकत को समझने में असफल रहती हैं, तो उनकी उपयोगिता पर सवाल उठना लाजिमी है। यह घटना लोकतांत्रिक व्यवस्था की संवेदनशीलता पर भी सवाल खड़े करती है। जब बहन की मृत्यु हुई, तब स्थानीय प्रशासन ने तुरंत मृत्यु प्रमाण पत्र जारी क्यों नहीं किया? ग्राम सभा और पंचायत, जिन्हें स्थानीय स्तर पर हर नागरिक की जानकारी होनी चाहिए, वे इस भाई की पीड़ा को क्यों नहीं समझ सकीं? क्या एक व्यक्ति को अपनी बात मनवाने के लिए इतनी अमानवीय स्थिति का सामना करना पड़ेगा, तभी तंत्र जागेगा? यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की संवेदनहीनता का प्रतीक है। यह हमें झकझोरती है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं जहां संवेदना से अधिक कागज़ों का महत्व है और इंसानी पीड़ा से अधिक नियमों का बोझ। सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

युगल किशोर राही, ग्रेटर नोएडा

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें:
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष: नई दिल्ली कार्यालय: 011-43166300, नोएडा कार्यालय: 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

35.1 करोड़ डालर मूल्य का निर्यात किया भारत ने रूस को इस वर्ष फरवरी में, जबकि इस दौरान रूस से 3.34 अरब डालर मूल्य का आयात किया। भारत रूस से कच्चा तेल और उर्वरक का बड़ी मात्रा में आयात करता है।

आजकल

प्रो. एम एल मीणा
विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

नई विश्व व्यवस्था में भारत-रूस संबंध

पिछले कुछ दशकों में अमेरिका के साथ संबंधों में नए समीकरणों के चलते भारत की रूस के साथ निकटता कुछ कम होती दिखी, परंतु अमेरिका द्वारा थोपे जाने वाले टैरिफ के बाद हालिया पश्चिम एशिया संकट के बाद से स्थितियां बदली हैं। वस्तुत: आज की दुनिया में शक्ति अलग-अलग जगहों पर बंटी हुई है, साझेदारियां लचीली हैं और निर्णय परिस्थितियों के अनुसार लिए जा रहे हैं। ऐसे में भारत का उद्देश्य रूस के साथ अपने संबंध को एक ऐसे बड़े रणनीतिक ढांचे के अनुसार ढालना है, ताकि विश्व व्यवस्था के साथ तालमेल बना रहे

वैश्विक ऊर्जा संकट की स्थिति में रूस से एक बार फिर भारत को मिल रहा व्यापक सहयोग। फाइल

पिछले लगभग चार वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की सुरक्षा संरचना को ऐसे तरीकों से बाधित किया है जो केवल क्षेत्रीय संघर्ष तक सीमित नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान, इजरायल और अमेरिका से जुड़ी बढ़ती तनावपूर्ण स्थितियों ने पश्चिम एशिया में बहुत गहरी संरचनात्मक अस्थिरता पैदा कर दी है। ये घटनाएं अलग-थलग नहीं हैं, वे एक-दूसरे से जुड़कर और एक-दूसरे को तीव्र बनाकर एक ऐसी स्थिति उत्पन्न करती हैं जिसे भूराजनीति में पालीक्राइसिस कहा जा सकता है। इस स्थिति में आर्थिक, सामरिक और ऊर्जा से जुड़ी अव्यवस्थाएं एक-दूसरे को सुदृढ़ करती हैं। ऐसे में भारत-रूस संबंधों को एक स्थिर द्विपक्षीय साझेदारी के रूप में नहीं देखा जा सकता है। उन्हें वैश्विक शक्ति के प्रयोग और वार्तालाप के व्यापक परिवर्तन के हिस्से के रूप में समझना होगा।

ऐसे में भारत-रूस संबंध आज की बदलती वैश्विक राजनीति का ऐसा उदाहरण हैं, जहां स्थिरता अब स्थायी गठबंधनों से नहीं, जटिल परिस्थितियों को संभालने की क्षमता से आती है। थोड़ा पीछे चलें तो शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ भारत का एक विश्वसनीय सामरिक साझेदार था, जिसने महत्वपूर्ण क्षणों में राजनीतिक समर्थन, रक्षा सहयोग और कूटनीतिक सहायता प्रदान की थी। यह साझेदारी पारस्परिक विश्वास व ध्रुवीकृत विश्व में रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने की साझा रुचि पर आधारित थी। किंतु सोवियत संघ के विघटन और वैश्विक शक्ति संरचना के पुनर्गठन ने इस संबंध के संचालन की परिस्थितियों को बदल दिया। वर्तमान संदर्भ में निरंतरता तो है, परंतु उसके साथ अनुकूलन भी जुड़ा हुआ है।

रूस पर भारत की निर्भरता : अपनी प्रमुख रक्षा प्रणालियों के लिए भारत अभी भी रूस पर निर्भर है, किंतु उसने अमेरिका, फ्रांस और इजरायल के साथ अपने सामरिक संबंधों को भी गहरा करके अपनी साझेदारियों में विविधता लाई है। यह विविधीकरण भारत की विदेश नीति में एक संरचनात्मक परिवर्तन को दर्शाता है, जहां निर्भरता के स्थान पर संतुलित लचीलापन अपनाया गया है। लेकिन इससे रूस के साथ पारंपरिक मित्रता वाली धारणा काफी हद तक प्रभावित हुई है। वास्तव में देखा जाए तो भारत के इस दृष्टिकोण में परिवर्तन रूस की वैश्विक स्थिति में आए महत्वपूर्ण बदलाव के साथ मेल खाता है, जो द्विपक्षीय संबंधों को और जटिल बनाता है। यूक्रेन संघर्ष के बाद लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों ने रूस की आर्थिक और वित्तीय एकीकरण क्षमता को यूरोप और अमेरिका के साथ सीमित कर दिया, जिससे वह वैकल्पिक साझेदारियों की ओर अग्रसर हुआ।

इसके प्रत्युत्तर में रूस ने चीन और ईरान के साथ अपने संबंधों को सुदृढ़ किया, जो पश्चिमी प्रभाव को संतुलित करने का प्रयास करता है। यद्यपि इसमें औपचारिक संस्थागत एकरूपता का अभाव है, परंतु इसके सामरिक प्रभाव महत्वपूर्ण हैं। भारत के लिए यह एक बहुस्तरीय दुविधा उत्पन्न करता है। रूस के साथ निकट संबंध बनाए रखना रक्षा और ऊर्जा के दृष्टिकोण से आवश्यक है, किंतु रूस-चीन निकटता भारत के लिए रणनीतिक असहजता का बड़ा कारण है। भारत और चीन के बीच अनसुलझे तनावों को देखते हुए, रूस-चीन सहयोग का बढ़ना आने वाले समय में क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित करेगा, जो भारत के हितों के अनुरूप नहीं होगा। इसलिए अब चुनौती केवल संबंधों को बनाए रखने की नहीं है, इसके साथ बदलते संरेखणों के अनुसार उसे पुनः समायोजित करने की है।

साझेदारियों में संतुलन : उल्लेखनीय है कि भारत किसी एक गुट या सामरिक धुरी के प्रति प्रतिबद्ध होने के बजाय विभिन्न क्षेत्रों में अनेक शक्तियों के साथ जुड़ाव बनाए रखने को प्राथमिकता देता है और अपने हितों के अनुसार साझेदारियों को ढालता है। यह दृष्टिकोण एक अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य में रणनीतिक स्वायत्तता को अधिकतम करने का प्रयास है। व्यवहार में इसका अर्थ है कि भारत अमेरिका के साथ तकनीकी और रक्षा सहयोग को मजबूत करता है, रूस के साथ दीर्घकालिक सैन्य और ऊर्जा संबंधों को बनाए रखता है एवं पश्चिम एशियाई देशों के साथ आर्थिक संबंधों का विस्तार करता है। किंतु इस रणनीति में अंतर्निहित तनाव बहुत गहरे हैं। अनेक साझेदारियों को बनाए रखना निरंतर संतुलन की मांग करता है और रणनीतिक लचीलापन तथा अनपेक्षित संरेखण के बीच की रेखा धुंधली हो सकती है। यदि सावधानीपूर्वक प्रबंधन न किया जाए, तो यह स्थिति भारत को एक स्वतंत्र शक्ति के बजाय प्रतिस्पर्धी ढांचों के बीच संतुलन साधने वाले केवल एक घटक के रूप में प्रस्तुत कर सकती है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पारंपरिक ऊर्जा प्रवाह में आए व्यवधानों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को पुनर्गठित कर दिया है। यूरोप द्वारा रूसी ऊर्जा पर निर्भरता कम करने के निर्णय ने एक ऐसा रिक्त स्थान उत्पन्न किया, जिसे रूस ने एशियाई बाजारों की ओर अपने निर्यात को मोड़कर भरने का प्रयास किया। भारत इस परिवर्तन का एक प्रमुख भागीदार बनकर उभरा और उसने रूसी कच्चे तेल के आयात में उल्लेखनीय वृद्धि की। इस बदलाव का आर्थिक तर्क स्पष्ट था, किंतु इसके सामरिक निहितार्थ अधिक जटिल थे। भारत ने पश्चिमी प्रतिबंधों का औपचारिक उल्लंघन किए बिना रूस के साथ ऊर्जा संबंधों का विस्तार किया। यह संतुलित स्वायत्तता प्रारंभिक चरण में नियामक सीमाओं के भीतर रहते हुए बाजार के अवसरों का लाभ उठाने में काफी हद तक सफल रही थी।

ऊर्जा प्रवाह के इस पुनर्गठन ने भारत को वैश्विक प्रणाली में उपभोक्ता के साथ-साथ एक मध्यस्थ के रूप में भी स्थापित किया। क्योंकि रूस से आयातित कच्चे तेल को परिष्कृत कर और उसे निर्यात करके भारत ने वैश्विक ऊर्जा प्रवाह की दिशा और संरचना को पुनः आकार देने में भूमिका निभाई थी। यह विकास पारंपरिक प्रतिबंध तंत्रों की सीमाओं को उजागर करता है, जो अक्सर अधिक सरल आर्थिक संरचनाओं के लिए बनाए गए थे। जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं और परस्पर निर्भर बाजारों वाली दुनिया में ऐसे उपायों का प्रभाव विभाजित हो जाता है।

डालर पर निर्भरता कम करने की कवायद

भारतीय संदर्भ में देखें तो विश्व के तमाम देशों के साथ द्विपक्षीय लेन-देन में डालर पर निर्भरता कम करने का विचार हाल के वर्षों में प्रमुख रूप से उभर कर सामने आया है, जो वैश्विक वित्तीय व्यवस्था की संरचना पर व्यापक बहस का हिस्सा है। यद्यपि रुपया-रूबल व्यापार तंत्र जैसे प्रयास वैकल्पिक व्यवस्थाओं को मजबूती से रखते हैं, लेकिन उनकी व्यावहारिक सफलता अभी सीमित है। हमें ध्यान रखना होगा कि डालर का प्रभुत्व केवल आर्थिक कारणों से नहीं है। वह संस्थागत विश्वास, वित्तीय अवसंरचना और भूराजनीतिक प्रभाव से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। इसलिए डालर-केंद्रित व्यवस्था से किसी भी परिवर्तन की प्रक्रिया धीमी और असमान रहने की संभावना है। भारत-रूस संबंधों के संदर्भ में इसका अर्थ है कि वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर प्रयोग जारी रह सकते हैं, किंतु उनसे तत्काल परिवर्तन की अपेक्षा नहीं की जा सकती है।

इन भौतिक आयामों के साथ-साथ संबंधों की वैचारिक व्याख्या भी महत्वपूर्ण है। सामाजिक और राजनीतिक विमर्श में अक्सर भारत-रूस संबंधों को ऐतिहासिक मित्रता और विश्वास के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यद्यपि इस नैरेटिव का आधार अतीत के सहयोग में निहित है, लिहाजा यह वर्तमान संबंध की प्रकृति को पूर्णतः नहीं दर्शाता, जो अब अधिक व्यावहारिक परंतु राजनीतिक विचारों द्वारा संचालित है। इस नैरेटिव की निरंतरता धारणा और नीति के बीच विसंगति उत्पन्न कर सकती है, विशेषकर तब जब निर्णय पुराने अनुमानों पर आधारित हों। वर्तमान में रूस की प्रमुख सामरिक प्राथमिकता बीजिंग की ओर उन्मुख प्रतीत होती है, जो अन्य साझेदारों सहित भारत के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करती है।

इस परिवर्तन को स्वीकार करना संबंध के महत्व को कम नहीं करता है, बल्कि इसकी सीमाओं को समझने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। यह नैरेटिव और वास्तविकता के बीच का तनाव अंतरराष्ट्रीय संबंधों में व्यापक परिवर्तन को भी बताता है, जहां स्थायी सहयोगी और विरोधी जैसी पारंपरिक श्रेणियां कम प्रासंगिक होती जा रही हैं। इसके स्थान पर मुद्दा-आधारित साझेदारियां उभर रही हैं, जो देशों को चयनात्मक सहयोग की अनुमति देती हैं। साथ ही, नैरेटिव अब भी एक रणनीतिक भूमिका निभाते हैं, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संबंधों की धारणा को आकार देते हैं। भारत के लिए ऐतिहासिक मित्रता का विचार रूस के साथ निरंतर जुड़ाव को वैधता प्रदान करता है, जबकि रूस के लिए यह पश्चिमी अलगाव के बावजूद विश्वसनीय साझेदारियों के बने रहने की छवि को सुदृढ़ करता है। परंतु भूराजनीति में यह स्वीकार्य है कि जब नैरेटिव केवल साधन के रूप में प्रयुक्त होते हैं, तो वे परिवर्तनों को स्पष्ट करने के बजाय उन्हें छिपा भी सकते हैं।

इस परिवर्तित परिदृश्य में भारत-रूस संबंधों का भविष्य ऐतिहासिक निरंतरता से अधिक अनुकूलन क्षमता पर निर्भर करेगा। यह संबंध न तो सरल रूप से कमजोर हो रहा है और न ही सुदृढ़ हो रहा है। यह बाहरी दबावों के आधार पर पुनर्परिभाषित हो रहा है। हालांकि रूस के साथ जुड़ाव विशेषकर रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बना रहेगा, किंतु इसे तकनीकी परिवर्तन और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन जैसी उभरती वास्तविकताओं के साथ संतुलित करना होगा।

(प्रो. एमएल मीणा)

खरी-खरी

बलि का बकरा बैंक

विनय कुमार पाठक

रकम निकालने के लिए बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंचा भाई- और इस खबर ने बैंक के खिलाफ क्षोभ की लहर है छाई। यदि बैंक ने उस व्यक्ति के कहने पर मृत बहन के खाते की रकम भाई को दे दिया होता तो कितना अच्छा होता? यह घटना निश्चित रूप से बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। वैसे इस तरह की घटनाएं कई अस्पतालों में देखी गई हैं, जहां परिवार वाले अपने रोगी सदस्य को स्वयं ठेले से ले जाते हैं या शव को साइकिल या दोपहिया वाहन पर ले जाते हैं।

पर क्या मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर मृतक के खाते की रकम का भुगतान करना धोखाधड़ी को बढ़ावा नहीं देता? धोखाधड़ी हो जाने पर फिर से बैंक वाले ही दोषी होंगे कि उन्होंने बिना जांच किए रकम दे दी। यानी आग कुआं पीछे खाई। बैंक तो बलि का बकरा है आज के समाज में। यदि सावधानी रखे तो निर्दयी होने का आरोप और यदि सावधानी न रखे तो लापरवाही का आरोप।

अब सरकार को बैंक को ही जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने का कार्य दे देना चाहिए। क्योंकि यही एक बलि का बकरा है, जो दिए गए काम को करते हैं, क्योंकि ये डरते हैं। शेष विभाग वाले तो अभय और अजेय होते हैं। सरकार क्या कर लेगी? एक-दो महीने सस्पेंड ही तो कर देगी! फिर से नौकरी देना उसकी मजबूरी होती है।

क्या इस मामले में उस अभागे जीतू मुंडा को कोई नहीं बता सकता था कि मृत्यु प्रमाण पत्र कहां बनता है और कैसे बनता है? क्या यह बताने पर कि बहन की मृत्यु हो गई है, बैंक वाले उसे बैंक में प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं? नहीं।

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग वालों का दायित्व नहीं बनता था कि निर्धारित समय के अंदर वे मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर परिवार के सदस्य को दे दें? क्या गांव के किसी मुखिया, सरपंच या ग्राम स्तर के किसी अधिकारी का कर्तव्य नहीं था कि जीतू मुंडा की सहायता करे मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करवाने में?

लेकिन नहीं, बलि के बकरा के रूप में बैंक वाले तो हैं ही, जिनके सिर पर ठीकरा फोड़ा जा सके।

पोस्ट

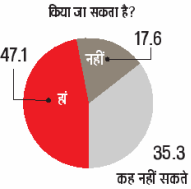

गुजरात के आणंद में भाजपा ने 52 सीटों में से छह पर मुस्लिम प्रत्याशी उतारे और सभी की जमानत जब्त हो गई। मुसलमानों ने भी उन्हें वोट नहीं दिया और फिर वे शिकायत करते हैं कि भाजपा मुसलमानों को टिकट क्यों नहीं देती?
अमित कुमार सिंधी@AMIT_GUJJU

बंगाल में दशकों बाद गंभीर हिंसा, आगजनी और गड़बड़ी के बिना चुनाव हुए और मतदान का विश्व रिकार्ड बना। इसके लिए केंद्रीय बलों और चुनाव आयोग की तारीफ करने की जगह जनमत की डकैती बताने वालों के सोच पर अफसोस भी होता है और चिंता भी।
शिव कांत@shivkant

भारतीय क्रिकेट की बेहतरी की खातिर

जसप्रीत बुमराह को गेंदबाजों की कब्रगाह बनते जा रहे इस आइपीएल से दूर रखा जाए। अच्छा नहीं लगता कि यह दिग्गज गेंदबाज अपनी एक के बाद एक गेंदों को सीमा रेखा के पार जाते हुए निरीहता से देखता रहे।
प्रदीप मैगजीन@pradeepmagazine

शशि शेखर
संपादकीय प्रभारी, रांची

झारखंड डायरी

संकट के समय नीति सुधारने का समय

इजरायल-अमेरिका और ईरान युद्ध एवं होर्मुज समुद्री मार्ग में नाकेबंदी जैसी वैश्विक परिस्थितियों ने भारतीय ऊर्जा बाजार को झकझोर दिया है। कहा जा सकता है कि इससे भारत का ऊर्जा क्षेत्र व्यापक रूप से दुष्प्रभावित हुआ है। इसका सीधा असर सड़क निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण सामग्री बिटुमिन (डामर) पर भी पड़ा है। पिछले तीन महीने में इसकी कीमत में 80 प्रतिशत तक उछाल आ चुका है। 25 फरवरी को जो बिटुमिन 57 हजार रुपये प्रति मीट्रिक टन की दर से बिक रहा था, उसकी कीमत अब बढ़कर एक लाख रुपये प्रति मीट्रिक टन से ऊपर जा चुकी है। इस अप्रत्याशित वृद्धि ने देश के अन्य राज्यों की तरह झारखंड में भी सड़क निर्माण कार्यों की रफ्तार को प्रभावित किया है।

इसमें विशेष बात यह है कि तेल-गैस आपूर्ति की समस्याओं के बाद भी जहां केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के खुदरा मूल्यों में अब तक कोई व्यापक वृद्धि नहीं की है, वहीं तेल कंपनियों ने बिटुमिन और उससे जुड़े उत्पादों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी कर दी है। यह वृद्धि कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव की भरपाई के तर्क से परे नजर आती है। नतीजतन, झारखंड समेत देश के कई राज्यों में, खासकर ग्रामीण सड़कों के निर्माण में लगे छोटे ठेकेदारों को काम जारी रखने में परेशानी हो रही है। सामग्री की कमी और आपूर्ति में अनिश्चितता ने हालात को और जटिल बना दिया है।

बिटुमिन की बढ़ती कीमतों के कारण सड़क निर्माण की गति धीमी हो रही है। फाइल

रांची के बिल्डर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक प्रधान का कहना है कि केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करते हुए बिटुमिन की उपलब्धता को फरवरी के मूल्य स्तर के आसपास स्थिर करना चाहिए या फिर मूल्य अंतर की भरपाई के लिए ठोस व्यवस्था करनी चाहिए। वहीं, बिल्डर्स एसोसिएशन आफ इंडिया के झारखंड चैप्टर के अध्यक्ष रवि राज अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रस्ताव का उदाहरण देते हुए कहा है कि वहां डामर की बढ़ी कीमतों के अंतर को सरकार वहन करने पर विचार कर रही है। यह कदम न केवल निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने में सहायक होगा, बल्कि ठेकेदारों को घाटे से भी बचाएगा। झारखंड सरकार के सामने भी अब इसी तरह की पहल करने की चुनौती है। ऐसे में आवश्यक है कि वह सभी विभागों में कार्यरत सरकारी ठेकेदारों को, परियोजना के आकार या समयसीमा की परवाह किए बिना, मूल्य वृद्धि का लाभ समान रूप से दे। इसमें वे ठेकेदार भी शामिल हों जिनकी परियोजनाएं विभागीय देरी या सामग्री की कमी के कारण प्रभावित हुई हैं, और वे भी जिन्होंने काम पूरा कर लिया है, लेकिन भुगतान लंबित है।

यहां पर यह भी समझना जरूरी है कि झारखंड के ज्यादातर ठेकेदार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) श्रेणी से आते हैं। बड़े कारपोरेट्स की तरह इनके पास न तो वित्तीय जोखिम प्रबंधन (हेजिंग) की सुविधा है और न ही पर्याप्त कार्यशील पूंजी का भंडार। ऐसे में, इनके लिए विशेष वित्तीय राहत पैकेज की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है, ताकि वे इस असाधारण संकट का सामना कर सकें।

एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा आपूर्ति से भी जुड़ा हुआ है। इंडियन आयल कारपोरेशन और भारत पेट्रोलियम जैसे सार्वजनिक उपक्रम पर्याप्त मात्रा में बिटुमिन उपलब्ध कराने में फिलहाल असमर्थ दिख रहे हैं। ऐसे में ठेकेदारों को निजी आपूर्तिकर्ताओं और एनएचएआई द्वारा अनुमोदित स्रोतों से खरीद की अनुमति देना व्यावहारिक कदम हो सकता है। चैंबर आफ कामर्स के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा का भी मानना है कि खरीद के विकल्पों को लचीला बनाया जाना चाहिए।

झारखंड के लिए यह समय केवल चुनौती का नहीं, बल्कि नीति सुधार का भी अवसर है। यदि राज्य सरकार आपूर्ति श्रृंखला को उदार बनाते हुए, वित्तीय राहत और मूल्य समायोजन की पारदर्शी व्यवस्था लागू करती है तो न केवल वर्तमान संकट से उबरना संभव होगा, बल्कि भविष्य के लिए एक अधिक सुदृढ़ और लचीला इंफ्रास्ट्रक्चर तंत्र भी विकसित किया जा सकेगा। संकट हमेशा अपने साथ सबक लेकर आता है। जरूरत है उन्हें पहचानने और समय रहते उन्हें अवसर में बदलने की।

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या एक्जिट पोल के रुझानों पर भरोसा किया जा सकता है?

सभी आंकड़े प्रतिशत में

आज का सवाल

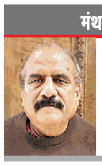

क्या बंगाल में भारी मतदान सत्ता परिवर्तन का संकेत है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है

जनपथ

बिन हिंसा मतदान में मरा न मानुष एक,
सारे सेक्युलर जल उठे यही व्यवस्था देख।
यही व्यवस्था देख चकित होता मतदाता,
और कमल का फूल देखकर बटन दबाता!
ले बापू का नाम घोलकर पियें अहिंसा,
किंतु न चलता काम सेक्युलरों का बिन हिंसा!!
-ओम प्रकाश तिवारी

मंथन

प्रो. योगेश कुमार
कौशल विकास योजनाओं से संबद्ध

कौशल विकास से ही संभव प्रगति

रोजगार आज देश में एक बड़े मुद्दे के रूप में उभर रहा है। ऐसे में पीएम विकास योजना के तहत बड़ी संख्या में युवाओं को हुनरमंद बनाने का प्रयास किया जा रहा है

प्रतीकात्मक

भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा 'पीएम विकास' योजना अल्पसंख्यक युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। इस कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में अब तक 31 राज्यों के 57 हजार से अधिक युवाओं का पंजीकरण हो चुका है, जिनमें 21 हजार से अधिक महिलाएं शामिल हैं। इस योजना के तहत 60 कौशल पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये पाठ्यक्रम पूरी तरह से उद्योगों की मांग पर आधारित हैं, जिससे प्रशिक्षुओं को रोजगार मिलने की मजबूत संभावना बन सके।

पीएम विकास योजना का लाभ युवाओं और उद्योगों दोनों के स्तर पर पहुंचने की संभावना रखती है। युवाओं के संदर्भ में इस योजना के तहत नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशंस फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के मानकों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। इसका महत्व यह है कि यह युवाओं के कौशल को सरकारी मान्यता प्रदान करता है। इससे आइटी, बैंकिंग या मैन्युफैक्चरिंग जैसे औपचारिक क्षेत्रों में नौकरी के लिए आवेदन करते समय कंपनियों को उनकी क्षमता का एक विश्वसनीय प्रमाण मिलता है, जिससे उनके चयन की संभावना बढ़ सकती है। योजना में पारंपरिक कौशल के साथ एआइ जैसे आधुनिक तकनीकी पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। आमतौर पर कंपनियों को नए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने में अतिरिक्त समय और लागत लगती है, लेकिन इस योजना के तहत आने वाले प्रशिक्षुओं के पास पहले से आवश्यक कौशल होने से कंपनियों की प्रशिक्षण लागत कम हो सकती है।

पीएम विकास योजना अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की नीतिगत दिशा और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से सीधे जुड़ी हुई है। भारत में इस कार्यक्रम को 26 प्रसिद्ध प्रतिष्ठानों के एक नेटवर्क के माध्यम से चलाया जा रहा है, और अब तक पूरे देश में कुल 2,042 प्रशिक्षण बैच बनाए जा चुके हैं। इस योजना की विश्वसनीयता इसलिए अधिक है, क्योंकि इसमें दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी, एनआइईएसबीयूडी, बीएसएनएल और आइआइटी रोपड़ जैसे देश के प्रतिष्ठित संगठन शामिल हैं। इनके अलावा, शेष 22 प्रतिष्ठान भी बेहद प्रतिष्ठित हैं, जो मिलकर देश के विभिन्न हिस्सों में प्रशिक्षण को जमीनी स्तर पर पहुंचाकर योजना को चला रहे हैं। इस योजना के तहत चयनित युवाओं को रोजगारपरक कौशल दिया जा रहा है, ताकि वे अर्थव्यवस्था में सक्रिय रूप से योगदान देने में सक्षम बन सकते हैं। इसका एक लाभ यह भी होगा कि उनकी मेहनत से राष्ट्रीय विकास में एक उत्पादक संपदा यानी प्रोडक्टिव असेट का जुड़ाव भी संभव होगा। यदि इस योजना की संरचना को देखा जाए, तो यह उन सिद्धांतों पर आधारित लगती है जो दुनिया के कई सफल कौशल विकास माडल्स में काम करते हैं। उदाहरण के लिए जर्मनी का 'डुअल वीईटी' माडल इसलिए प्रभावी माना जाता है, क्योंकि वहां युवाओं को उद्योगों की जरूरत के हिसाब से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। पीएम विकास योजना भी इसी दृष्टिकोण पर काम करती है, जहां 60 विशिष्ट 'लाब रोल्स' के माध्यम से युवाओं को रोजगार योग्य बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यूके के 'अप्रेंटिसशिप माडल' ने यह साबित किया है कि सरकारी मान्यता वाले प्रमाणपत्र से युवाओं की आय बढ़ती है। एनएसक्यूएफ प्रमाणपत्र भी कंपनियों को भरोसा दिला सकता है कि युवा काम के लायक है, जिससे इन प्रशिक्षित युवाओं को बेहतर वेतन वाली नौकरियां मिलने और उनकी आय में बढ़ोतरी हो सकती है।

भविष्य की संभावनाएं : वर्ल्ड इकोनमिक फोरम की 'फ्यूचर आफ जाब्स' रिपोर्ट में इंगित किया गया है कि जो देश अपने समुदायों को नई तकनीकों (जैसे एआइ, डाटा साइंस, मशीन लर्निंग) में प्रशिक्षित करेंगे, उनकी आर्थिक विकास दर बेहतर होने की संभावना अधिक रहती है। निकट भविष्य में जब पीएम विकास योजना से प्रशिक्षित इन युवाओं को औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार मिलने की संभावना बनेगी, तब इस नियमित आय से उनके परिवारों की समग्र आर्थिक स्थिति में सुधार की उम्मीद बढ़ सकती है। इसके साथ ही, जब ये युवा देश के विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में काम करेंगे, तो ये सीधे तौर पर भारत की 'नालेज इकोनमी' को मजबूती प्रदान करेगा। देश में कुशल कार्यबल की इस उपलब्धता से भविष्य में निजी कंपनियों का निवेश बढ़ने और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की भी उम्मीद है।

इन सभी सकारात्मक परिणामों को सुनिश्चित करने के लिए अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय नीतिगत दृष्टिकोण के साथ काम कर रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और राज्यमंत्री जार्ज कुरियन के मार्गदर्शन में इस योजना को एक मजबूत नीतिगत आधार मिल रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए मार्च से नेहा गिरि को मंत्रालय में निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, जिससे इन नीतिगत लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से लागू किए जाने की संभावना बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि इस प्रकार के कौशल से युक्त युवा जब रोजगार बाजार में आएंगे तो उद्योगों को उनकी जरूरतों के अनुरूप श्रमबल उपलब्ध हो सकेगा, जिससे आर्थिकी को गति मिलेगी।

दो कंपनियों को दी आइपीओ लाने की मंजूरी

नई दिल्ली : कैपिटल मार्केट रेग्युलेटर सेबी ने दो कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) लाने की मंजूरी दी है। इन कंपनियों में जेनेरिक दवा निर्माता हिंदुस्तान लैबोरेट्रीज और स्टील ट्यूब व पाइप निर्माता आरके स्टील मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी शामिल हैं। हिंदुस्तान लैबोरेट्रीज के आइपीओ में 50 लाख नए शेयर और 91 लाख प्रमोटर शेयर बिक्री के लिए पेश किए जाएंगे। (प्रेट्र)

भारत का पुरानी कारों का बाजार एक बुनियादी बदलाव से गुजर रहा है। यह एक अनौपचारिक, कीमत-आधारित जगह से हटकर, कहीं ज्यादा व्यवस्थित और भरोसे पर आधारित मोबिलिटी इकोसिस्टम बन रहा है।

- कुशल भटनागर, एसोसिएट पार्टनर, रेडसीर स्ट्रेटेजी कंसल्टेंट्स

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना प्रति दस ग्राम	चांदी प्रति किलो ग्राम	डालर	क्रूड प्रति बैरल
76,913.50 ▼ 582.86	23,997.55 ▼ 180.10	₹ 1,54,800 ▲ ₹ 2,000	₹ 2,42,700 ▼ ₹ 1,800	₹ 94.84 ▼ ₹ 0.04	$ 116.2

एक नजर में

चीनी उत्पादन में अब तक सात प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली: चालू सीजन 2025-26 में अब तक देश में चीनी उत्पादन 7.32 प्रतिशत बढ़कर 2.75 करोड़ टन हो गया है। उद्योग संगठन इस्मा के अनुसार, इसमें महाराष्ट्र और कर्नाटक में ज्यादा उत्पादन की प्रमुख भूमिका रही है। इस्मा के अनुसार, महाराष्ट्र में 30 अप्रैल तक चीनी उत्पादन बढ़कर 99.2 लाख टन हो गया है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 80.9 लाख टन था। कर्नाटक में उत्पादन बढ़कर 48 लाख टन पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 40.4 लाख टन था। (प्रेट्र)

एमेजोन नाउ ने 100 शहरों में किया विस्तार

बेंगलुरु: ई-कामर्स प्लेटफार्म एमेजोन ने अपनी क्विक डिलीवरी सेवा एमेजोन के विस्तार की घोषणा की। इसके तहत अब देश के 100 शहरों में मिनटों में डिलीवरी मिलेगी। इसके लिए कंपनी 1,000 से ज्यादा माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर खोलेगी। पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, जयपुर, लखनऊ, कानपुर, चंडीगढ़, अहमदाबाद, मेरठ, मैसूर, पानीपत, कोच्चि, अमृतसर, मंगलुरु और विशाखापट्टनम जैसे शहरों के साथ मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु के ग्राहक भी एमेजोन नाउ से खरीदारी कर सकेंगे। इससे 16,000 से अधिक किसानों को भी फायदा होगा। (वि.)

पीएनबी का मेगा एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की ओर से 27 अप्रैल को देशभर में 220 स्थानों पर मेगा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बैंक के सीईओ अशोक चंद्र ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से हम देशभर के उद्यमियों को निर्बाध एमएसएमई सेवाएं, ग्राहक-अनुकूल उत्पाद, डिजिटल सुलभता और समय पर वित्तीय समाधान प्रदान करके क्रेडिट गैप को पाटने के लिए निर्णायक कदम उठा रहे हैं। (प्रेट्र)

बीते वित्त वर्ष के दौरान देश में विदेशी निवेश से 31 हजार से अधिक नौकरियों का सृजन

इन्वेस्ट इंडिया के जरिये 2025-26 में देश में 6.1 अरब डालर एफडीआइ आया

- पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 90 अरब डालर का एफडीआइ आने का अनुमान
- 2032 तक भारत में 100 अरब डालर के पार पहुंच जाएगा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश प्रवाह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद भारत विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक स्थान बना हुआ है। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआइआइटी) के अधीन काम करने वाले इन्वेस्ट इंडिया ने बताया कि उसके प्रयास से गत वित्त वर्ष 2025-26 में 6.1 अरब डालर का विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआइ) किया गया। इससे प्रत्यक्ष तौर पर 31 हजार से अधिक नौकरियों का सृजन हुआ।

इन्वेस्ट इंडिया की सीईओ निवृति राय ने बताया कि 40 प्रतिशत से अधिक एफडीआइ यूरोपीय यूनियन से आया। गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में सबसे अधिक निवेश किए गए। ये रुझान उभरते राज्यों और उद्योगों की बढ़ती भागीदारी के साथ क्षेत्रवार और क्षेत्रीय निवेश पैटर्न दोनों में बढ़ते विविधीकरण को दिखाते हैं। एक अरब डालर के निवेश से 10 हजार रोजगार निकलते हैं। वर्ष 2002 से 2009 के बीच भारत में औसतन सालाना 18 अरब डालर का एफडीआइ आया जो वित्त वर्ष 2016-23 में बढ़कर 71 अरब डालर हो गया। इन्वेस्ट इंडिया का मानना है कि अगले सात साल में यह निवेश सालाना 100 अरब डालर का होगा और 2032 तक भारत में चीन से अधिक एफडीआइ आएगा। वर्ष 2025 में चीन में 116 अरब डालर तो अमेरिका में 300 अरब डालर का एफडीआइ आया।

डीपीआइआइटी सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने बताया कि गत वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल से फरवरी के दौरान 88 अरब डालर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) किया गया और अगर मार्च के आंकड़ों को भी मिला लें तो यह निवेश 90 अरब डालर से ज्यादा रहा। डीपीआइआइटी ने बताया कि विभिन्न देशों के साथ लगातार हो रहे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से भी एफडीआइ में मदद मिल रही है। भारत सबसे तेज गति से विकास करने वाला देश बना हुआ है, इसलिए भी विदेशी निवेश बढ़ रहे हैं।

डीपीआइआइटी के मुताबिक, चीन की कंपनियों को भारतीय मालिकाना वाली कंपनी में 10 प्रतिशत निवेश की मंजूरी संबंधी अधिसूचना जल्द जारी हो जाएगी।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

पिछले छह महीने में सोने का घरेलू भंडारण 104 टन बढ़ा

मुंबई, प्रेट्र: आरबीआइ ने 31 मार्च 2026 को समाप्त हुई तिमाही के दौरान अपने सोने के घरेलू भंडारण में 104.23 मीट्रिक टन की बढ़ोतरी की है। केंद्रीय बैंक की ओर से गुरुवार को जारी विदेशी मुद्रा भंडारण प्रबंधन रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2025 के अंत में घरेलू स्तर पर आरबीआइ का कुल सोने का भंडार 575.82 मीट्रिक टन था, जो मार्च 2026 के अंत में बढ़कर 680.05 मीट्रिक टन हो गया है।

हालांकि, आरबीआइ के कुल स्वर्ण भंडार में मामूली वृद्धि हुई है। सितंबर 2025 के अंत में आरबीआइ का कुल सोने का भंडार 880.18 मीट्रिक टन था, जो मार्च 2026 के अंत में 880.52 मीट्रिक टन हो गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआइ का 197.67 मीट्रिक टन सोना बैंक आफ इंग्लैंड और बैंक फार इंटरनेशनल सैटलमेंट्स (बीआइएस) के पास रखा है।

वोडाफोन-आइडिया का बकाया एजीआर 23,649 करोड़ घटाया

- पुनर्मूल्यांकन के बाद बकाया एजीआर में 27% की कटौती
- कंपनी को अब 64,046 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्र सरकार ने वित्तीय संकट से जूझ रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन-आइडिया को बड़ी राहत दी है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने पुनर्मूल्यांकन के बाद कंपनी पर बकाया समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) को 23,649 रुपये या 27 प्रतिशत घटाकर 64,046 करोड़ रुपये कर दिया है। साथ ही कंपनी पांच वर्ष बाद इस बकाया का भुगतान शुरू कर सकेगी।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 31 दिसंबर, 2025 तक के एजीआर बकाया को 87,695 करोड़ रुपये पर स्थिर कर दिया था। हालांकि, यह राशि पुनर्मूल्यांकन और एजीआर बकाया के पुनर्मूल्यांकन के लिए डीओटी द्वारा गठित की जाने वाली एक समिति की अंतिम मंजूरी के अधीन थी। एक रेग्युलेटरी फाइलिंग में वोडाफोन आइडिया ने कहा कि डीओटी ने अपने 30 अप्रैल, 2026 के पत्र से सूचित किया है कि इस उद्देश्य के लिए गठित समिति ने 31 दिसंबर, 2025 तक के एजीआर बकाये को 64,046 करोड़ रुपये पर अंतिम रूप दे दिया है। कंपनी को अंतिम बकाये का भुगतान दस वर्षों में दो सेटों में करना होगा। पहला भुगतान पांच वर्ष बाद होगा। इसमें वित्त वर्ष 2031-32 से 2034-35 के चार वर्षों में हर वर्ष न्यूनतम 100 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। शेष भुगतान वित्त वर्ष 2035-36 से वित्त वर्ष 2040-41 तक छह बराबर वार्षिक किस्तों में करना होगा। हालांकि, वित्त वर्ष 2017-18 और 2018-19 के एजीआर बकाये के लिए मार्च 2026 से मार्च 2031 के बीच हर वर्ष 124 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा।

स्टैंडर्ड चार्टर्ड का क्रेडिट कार्ड कारोबार खरीदेगा फेडरल बैंक

मुंबई, प्रेट्र: निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक ने गुरुवार को कहा कि वह बड़े शहरों में अपना ग्राहक आधार बढ़ाने के लिए स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के भारत क्रेडिट कार्ड कारोबार का एक हिस्सा खरीदेगा।

फेडरल बैंक ने एक बयान में कहा कि स्टैंडर्ड चार्टर्ड एक ऐसा पोर्टफोलियो बेच रहा है जिसमें सिंगल-प्रोडक्ट रिलेशनशिप और ट्रांजेक्शन शामिल हैं, जिससे उसे अमीर वर्ग पर अपना ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। स्टैंडर्ड चार्टर्ड खरीदे जाने वाले पोर्टफोलियो में 4.5 लाख तक क्रेडिट कार्ड शामिल हैं, जबकि फेडरल बैंक के पास पहले से ही 8 लाख नान को-ब्रांडेड और 13 लाख को-ब्रांडेड कार्ड का आधार है।

फेडरल बैंक ने बताया कि इस सौदे के लिए किसी नियामकीय मंजूरी की जरूरत नहीं है और इसके कैलेंडर वर्ष 2026 में पूरा होने की उम्मीद है।

सात बड़े शहरों में फ्लैट के दाम मार्च तिमाही में 8-20% तक बढ़े

जेएलएल इंडिया ने कहा- बढ़ती निर्माण लागत से कीमतों में हुई वृद्धि, 50 लाख से कम कीमत वाले फ्लैट की बिक्री 24% घटी

नई दिल्ली, प्रेट्र: बढ़ती निर्माण लागत के बीच जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में सात बड़े शहरों में फ्लैट की कीमतें 8-20 प्रतिशत तक बढ़ गईं और भविष्य में इनमें और इजाफा हो सकता है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट जेएलएल की रिपोर्ट के मुताबिक-जनवरी-मार्च के दौरान सात शहरों में अपार्टमेंट की बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 70,631 यूनिट हो गई, जो एक साल पहले इसी समय में 65,222 यूनिट थी। अपार्टमेंट की नई आपूर्ति की बात करें यह 13 प्रतिशत बढ़कर 90,023 यूनिट हो गई। सात शहरों में एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, मजबूत मांग, जमीन एवं निर्माण की लागत बढ़ने और प्रीमियम आवास की तरफ ग्राहकों का रुझान होने से फ्लैट की कीमतों में बढ़ोतरी लगातार जारी है। हालांकि, बिक्री की रफ्तार सीमित रहने पर आगे कीमतों में वृद्धि की गति धीमी हो सकती है। मार्च तिमाही में 50 लाख रुपये से कम कीमत वाले फ्लैट की बिक्री 24 प्रतिशत घटकर 20,269 इकाई रह गई, जबकि एक करोड़ रुपये से अधिक के फ्लैट की बिक्री 30 प्रतिशत बढ़कर 50,362 इकाई हो गई। जेएलएल इंडिया के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक शिवा कृष्णन ने कहा कि आवासीय बाजार एक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है, जहां आपूर्ति बढ़ रही है लेकिन खरीदार सतर्क रुख अपना रहे हैं।

सोच-समझकर कीमतों में वृद्धि करेगी एचयूएल

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिग्गज एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) की सीईओ प्रिया नायर का कहना है कि कच्चे माल और कच्चे तेल से जुड़ी पैकेजिंग दरों में तेजी के कारण बढ़ती इनपुट लागत को संभालने के लिए कीमतों में सोच-समझकर बढ़ोतरी की जाएगी। साथ ही कंपनी बिक्री की मात्रा पर आधारित विकास पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।

तिमाही नतीजों के बाद एक ब्रीफिंग में नायर ने कहा कि मांग की मौजूदा स्थिति यह स्थिर है। जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में इसमें बढ़ोतरी का रुझान देखा गया है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी निरंजन गुप्ता ने बताया कि लागत में 8-10 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले एचयूएल ने अब तक कीमतों में लगभग 3-5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। ज्यादा बिक्री और न्यूट्रीशियनलैब की हिस्सेदारी बिक्री के चलते बीती तिमाही में एचयूएल का शुद्ध लाभ 21 प्रतिशत बढ़कर 2,994 करोड़ रुपये रहा है।

पहली बार कर्ज लेने वालों की संख्या 4.4 करोड़ हुई, महिलाओं की हिस्सेदारी भी बढ़ी

- क्रिफ हाईमार्क ने कहा-कर्ज में वृद्धि के साथ वित्तीय समावेशन को दिखाता है यह आंकड़ा
- पहली बार कर्ज लेने वालों में महिलाओं की भागीदारी बढ़कर 41 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली, एएनआइ: कड़े नियमों के बावजूद देश में पहली बार कर्ज लेने वालों की संख्या बढ़कर 4.4 करोड़ हो गई है। यह आंकड़ा कर्ज में वृद्धि के साथ वित्तीय समावेशन को भी दिखाता है। क्रेडिट ब्यूरो एजेंसी क्रिफ हाई मार्क की रिपोर्ट के अनुसार, औपचारिक कर्ज प्रणाली में पहली बार कर्ज लेने वालों की संख्या फरवरी, 2022 को खत्म होने वाले 12 महीनों में 3.6 करोड़ से बढ़कर फरवरी, 2026 को खत्म होने वाले 12 महीनों में 4.4 करोड़ हो गई है।

फरवरी, 2026 को खत्म होने वाले 12 महीनों में पहली बार कर्ज लेने वालों की कुल संख्या में 17.8 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। हालांकि, उनकी यह हिस्सेदारी 2022 की इसी अवधि की 23.5 प्रतिशत से कम है। रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि महिला कर्जदाताओं की हिस्सेदारी बढ़ रही है और पहली बार कर्ज लेने वालों में उनकी भागीदारी पिछले पांच सालों में 33 प्रतिशत से बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई है। लोग पहली बार कर्ज फ्रिज, टीवी या वाशिंग मशीन खरीदने के लिए ले रहे हैं और पहली बार कर्ज लेने वालों में इनकी हिस्सेदारी 32 प्रतिशत है।

पर्सनल और दोपहिया वाहन लोन में युवाओं का रहा दबदबा

पर्सनल और दोपहिया लोन जैसे सेगमेंट में युवाओं का दबदबा रहा। भौगोलिक आधार पर आधे से ज्यादा पहली बार लोन लेने वाले शीर्ष 100 शहरों से बाहर के थे। यह आंकड़ा अर्ध शहरी और ग्रामीण इलाकों से लोन की मजबूत मांग को दिखाता है। रिपोर्ट में क्रेडिट व्यवहार में सुधार की ओर भी इशारा किया गया है और लगभग 67 प्रतिशत पहली बार कर्ज लेने वाले एक साल के अंदर कम जोखिम या बहुत कम जोखिम में आ जाते हैं। यह मजबूत लोन वापसी के अनुशासन को दिखाता है।

राष्ट्रीय फलक

इंसाफ की दहलीज पर दम तोड़ते उद्यम, समाधान योजनाओं में देरी पर कोर्ट सख्त

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

- सुप्रीम कोर्ट ने मामले को स्वतः संज्ञान लिया, स्थिति को 'भयावह' बताया
- कहा - अगर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई, तो आइबीसी का मूल उद्देश्य विफल होगा

"यदि हम समय पर फैसले नहीं ले सकते, तो कानून की किताब में लिखे शब्द अपना अर्थ खो देते हैं।"

- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने कारपोरेट जगत और अर्थव्यवस्था के लिए एक गंभीर स्थिति की ओर इशारा करते हुए स्वतः संज्ञान लिया है। इसने नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की विभिन्न पीठों द्वारा समाधान योजनाओं की मंजूरी में हो रहे अत्यधिक विलंब पर गहरी नाराजगी जताई है।

जस्टिस जे.बी. पार्डीवाला और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने इस स्थिति को "भयावह" करार देते हुए कहा कि यदि इस पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई, तो इनसाल्वेंसी एंड बैंक्रप्ट्सी कोड (आइबीसी - दिवाला और दिवालिया संहिता) का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। कोर्ट के सामने पेश की गई रिपोर्ट के आंकड़े चौंकाने वाले और चिंताजनक हैं। आंकड़ों के अनुसार, देश भर में कुल 383 आवेदन समाधान योजनाओं की मंजूरी के लिए लंबित हैं। इनमें से कई मामले तो ऐसे हैं जो एक महीने से लेकर 700 से अधिक दिनों से ठंडे बस्ते में पड़े हैं। कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि यह देरी केवल प्रक्रियात्मक नहीं है, बल्कि व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि आइबीसी को इसलिए लाया गया था ताकि संकटग्रस्त कंपनियों का समयबद्ध पुनरुद्धार किया जा सके, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट नजर आ रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने केवल देरी पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि इसके पीछे के गहरे कारणों को भी उजागर किया। पीठ ने देशभर की एनसीएलटी पीठों में मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे की भारी कमी को रेखांकित किया। जजों ने जोर देकर कहा कि इस मुद्दे का समाधान "युद्ध स्तर" पर किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा, "यदि हम समय पर फैसले नहीं ले सकते, तो कानून की किताब में लिखे शब्द अपना अर्थ खो देते हैं।"

म्यूल अकाउंट की पहचान को आरबीआइ के एलआइ टूल का करें इस्तेमाल

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्तीय सेवाएं विभाग के सचिव एम नागराजू ने गुरुवार को बैंकों से गकहा कि साइबर फ्राड में शामिल म्यूल अकाउंट की समय पर पहचान और उनकी रोकथाम के लिए आरबीआइ द्वारा विकसित किए गए म्यूलहंटर एआइ टूल को इस्तेमाल करें।

कानून प्रवर्तन एजेंसियों, आरबीआइ और बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान उन्होंने रबैंकर्स कमेटी को यह भी सलाह दी कि वे पुलिस को वित्तीय धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए बैंकों द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बताएं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों व बैंकों के बीच करीबी सहयोग, रियल टाइम इंटेलिजेंस शेयरिंग और हैदराबाद पुलिस द्वारा आपरेशन आक्टोपस की सफलता पर भी बात की गई। बैठक में धोखाधड़ी से निपटने और ग्राहक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए कोशिशों को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

पूर्व न्यायाधीश अनुपेंद्र सिंह ग्रेवाल बने एनसीएलटी के चेयरमैन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- कार्यवाहक चेयरमैन पद पर नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिका का हाई कोर्ट ने निपटारा

नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल। फाइल

नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के कार्यवाहक अध्यक्ष के तौर पर बाचू वेंकट बलराम दास की नियुक्ति के खिलाफ एक तकनीकी सदस्य की याचिका का दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को निपटारा कर दिया। अदालत ने रिकार्ड पर लिया कि केंद्र सरकार ने ट्रिब्यूनल के चेयरमैन पद पर पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अनुपेंद्र सिंह ग्रेवाल की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

न्यायमूर्ति सी. हरिशंकर व न्यायमूर्ति ओपी शुक्ला की पीठ ने इन तथ्यों को देखते हुए कहा कि अब इस याचिका में कुछ शेष नहीं रह गया है और यह बेनतीजा हो चुकी है। इसके साथ ही पीठ ने तकनीकी सदस्य कौशलेंद्र कुमार सिंह की याचिका पर चल रही कार्यवाही को समाप्त कर दिया। केंद्र सरकार ने 29 अप्रैल को पूर्व न्यायाधीश ग्रेवाल की एनसीएलटी चेयरमैन के तौर पर नियुक्ति को अधिसूचित किया था। यह नियुक्ति पांच साल के लिए है। याचिकाकर्ता का कहना था कि कानून के अनुसार ट्रिब्यूनल के कार्यवाहक अध्यक्ष के तौर पर सबसे वरिष्ठ सदस्य की नियुक्ति अनिवार्य है, चाहे वह न्यायिक सदस्य हो या तकनीकी सदस्य।

रोहित शेट्टी के घर पर गोलीबारी मामले में आरोपपत्र दाखिल

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई पुलिस ने फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर पर हुई गोलीबारी के मामले में विशेष मकोका अदालत में 17 आरोपितों के विरुद्ध 1624 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया। विगत 31 जनवरी की देर रात जुहू इलाके में शेट्टी के नौ मंजिला घर की पहली मंजिल पर लगभग पांच गोलियां चलाई गईं। इनमें से एक गोली इमारत के अंदर स्थित जिम के शीशे पर लगी। इस मामले में 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि लारेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य शुभम लोनकर और आरजू बिश्नोई वांछित आरोपित हैं। एक अधिकारी ने बताया कि लोनकर और आरजू बिश्नोई ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट के माध्यम से इस घटना की जिम्मेदारी ली थी। लोनकर राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड और बांद्रा में अभिनेता सलमान खान के आवास पर हुई गोलीबारी के मामले में भी वांछित है।

लखनऊ में रनवे पर आया बंदर, पायलट ने लगाया इमरजेंसी ब्रेक

जागरण संवाददाता, लखनऊ

200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से रनवे पर था विमान

- रायपुर जा रहे विमान में क्रू मेंबर सहित 132 यात्री थे सवार

चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पायलट की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। गुरुवार को उड़ान भरने के लिए रनवे पर दौड़ रहे विमान के सामने बंदर आने पर पायलट को इमरजेंसी ब्रेक लगाना पड़ा, जिससे यात्रियों में अफरातफरी मच गई। एयरपोर्ट की टीम ने बंदर को भगाया और विमान को वापस टैक्सीवे एरिया में लाया गया। यहां जांच के बाद विमान क्रू सहित 132 यात्रियों को लेकर रायपुर रवाना हो गया। दिल्ली से आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान को आसमान में ही 12 मिनट तक रोके रखा गया।

इंडिगो एयरलाइन की उड़ान 6ई 6521 सुबह 8.55 बजे रायपुर के लिए रवाना हो रही थी। 2744 मीटर लंबे रनवे पर बिजनौर छोर से कानपुर रोड की ओर 200 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से रफ्तार पकड़ चुके विमान के पायलट ने एक बंदर को रनवे पर देखा। पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दी तो यात्री घबरा गए और अंदर अफरातफरी मच गई। पायलट ने इसकी सूचना एटीसी को दी। एटीसी ने विमान को टैक्सीवे ले जाने के निर्देश दिए, जहां उसकी तकनीकी जांच की गई। इंडिगो की रायपुर जाने वाली उड़ान जांच के बाद सुबह 10:04 बजे रवाना हो सकी। जिस समय विमान टेकआफ के लिए तैयार था, उस समय वह अपनी पूरी क्षमता के साथ थ्रस्ट भी उत्पन्न करता है। इमरजेंसी ब्रेक न लगने की दशा में बंदर थ्रस्ट ले रहे विमान के जेट इंजन को नुकसान पहुंचा सकता था और आग भी लग सकती थी।

मुंबई में स्पाइस जेट की उड़ानें रद होने से यात्री घंटों रहे परेशान, हवाई अड्डे पर हंगामा

मिडडे, मुंबई

- एक विमान यात्री अपनी ही शादी में पहुंचने में हुआ काफी लेट
- अन्य यात्री को पिता के अंतिम संस्कार में पहुंचने में हुई देरी

प्रतीकात्मक

स्पाइस जेट की तीन उड़ानें एक साथ रद होने के बाद मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 के बाहर स्पाइस जेट के यात्रियों ने गुरुवार को 9 घंटे तक हवाई अड्डे के अंदर और फिर 8 घंटे तक बाहर इंतजार किया। इस दौरान उनकी निराशा इस हद तक बढ़ गई कि उन्होंने हवाई अड्डे के काउंटर पर चिल्लाना और धक्का देना शुरू कर दिया। किसी को अंतिम संस्कार में पहुंचना था तो किसी को अपनी ही शादी में समय से नहीं पहुंचने का मलाल था।

बुधवार की शाम से स्पाइस जेट ने कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देरी का सामना किया, जिसे एयरलाइन ने मौसम से संबंधित समस्याओं के रूप में बताया। बुधवार को हुई देरी के संबंध में एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, "मुंबई से तीन स्पाइस जेट उड़ानें, एसजी631 (मुंबई से दिल्ली), एसजी553 (मुंबई से गोरखपुर) और एसजी669 (मुंबई से बेंगलुरु), 29 अप्रैल को परिचालन कारणों से रद की गईं, जिसमें एक विमान का ग्राउंडिंग और पिछले स्टेशन (बागडोगरा) पर प्रतिकूल मौसम शामिल था। एयरलाइन गुरुवार को प्रभावित यात्रियों के लिए अतिरिक्त उड़ानें संचालित कर रही है।" एयरलाइन ने कहा कि मुंबई से अहमदाबाद की दो उड़ानें पिछले स्टेशनों वाराणसी और बागडोगरा में प्रतिकूल मौसम के कारण देरी का सामना कर रही थीं, जिससे दोनों विमानों की उड़ान में देरी हुई। लेकिन इस देरी का प्रभाव टर्मिनल-1 पर देखा गया, जहां यात्रियों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आने के दौरान कनेक्टिंग उड़ानें मिस कर दीं। दुबई से मुंबई की फ्लाइट में लगभग 30 अन्य लोगों के साथ आए यात्री पप्पू कुमार गुप्ता ने कहा, "हमारी उड़ान बुधवार को रात 11:30 बजे निकलने वाली थी, लेकिन यह गुरुवार को सुबह 4:30 बजे उड़ान भरी। जब मुंबई पहुंचे, तो हमें बताया गया कि पटना जाने के लिए कल तक कोई फ्लाइट उपलब्ध नहीं है।

संजय कपूर की संपत्तियों के बेचने-स्थानांतरण करने पर लगी रोक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- करिश्मा के बच्चों की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने दी अंतरिम राहत
- कहा- करिश्मा के बच्चों के केस के लंबित रहने तक सुरक्षित रखें

दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की 30 हजार करोड़ रुपये की संपत्तियों को लेकर चल रहे विवाद के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रथमदृष्टया अभिनेत्री करिश्मा कपूर के बच्चों के पक्ष में अंतरिम राहत देते हुए संजय कपूर की पत्नी प्रिया कपूर को संपत्तियों को बेचने या स्थानांतरण करने से रोक दिया है।

न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने आदेश दिया कि करिश्मा के बच्चों द्वारा दायर मुकदमे के लंबित रहने तक उनकी संपत्तियों को सुरक्षित रखा जाए। पीठ ने कहा कि करिश्मा कपूर और संजय कपूर की मां रानी कपूर द्वारा वसीयत की वैधता और प्रामाणिकता पर उठाए गए संदेहों को दूर करने की जिम्मेदारी प्रिया कपूर की है। वसीयत की प्रमाणिकता व वैधता को चुनौती देने वाली करिश्मा कपूर के बच्चों की याचिका पर अदालत ने कहा कि वसीयत की असलियत अब ट्रायल का मामला है और इसमें समय लगेगा। ऐसे में उक्त तथ्यों को देखते हुए पीठ ने प्रिया कपूर को भारतीय कंपनियों की इक्विटी या शेयरहोल्डिंग को बेचने, स्थानांतरित करने, गिरवी रखने या बदलने के साथ ही संजय कपूर के निजी सामान, कलाकृतियों आदि को बेचने से भी रोक दिया। अदालत ने दो भारतीय बैंकों के तीन बैंक खातों से पैसे निकालने पर रोक लगाते हुए स्पष्ट किया कि यह रोक संजय व करिश्मा कपूर के बीच हुए तलाक के आदेश के तहत बच्चों की जरूरतों को पूरा करने पर लागू नहीं होगी। अदालत ने संजय कपूर के विदेशी बैंक खातों और क्रिप्टोकरेंसी के संचालन पर भी रोक लगा दी है।

1849 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने 105.6 कैरेट का कोहिनूर हीरा पंजाब पर कब्जा करने के बाद महाराजा दलीप सिंह से यह हीरा लिया था और 1850 में इसे महारानी विक्टोरिया को भेंट कर दिया गया था। भारत को 1947 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के बाद भी कोहिनूर को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद जारी रहा है।

ट्रंप का दावा, पुतिन ने ईरान के संवर्धित यूरेनियम को संभालने का दिया प्रस्ताव

दोनों शीर्ष नेताओं ने बुधवार को फोन पर करीब डेढ़ घंटे बातचीत की

ईरान के खिलाफ शत्रुता फिर शुरू करने पर क्रेमलिन ने चेताया

डोनाल्ड ट्रंप।

व्लादिमीर पुतिन। फाइल

वाशिंगटन, एपी: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को फोन पर करीब डेढ़ घंटे बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच ईरान युद्ध के अलावा यूक्रेन में चार वर्ष से ज्यादा समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए संभावित युद्धविराम पर भी चर्चा हुई। ट्रंप ने दावा किया कि पुतिन ने रूस की उस पेशकश को दोहराया है, जिसमें वह तीसरे देश के रूप में ईरान के 970 पाउंड संवर्धित यूरेनियम के भंडार को संभालने के लिए तैयार है। बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की शांति वार्ता परमाणु मुद्दे के कारण अटकी हुई है। ट्रंप ईरान से उसके संवर्धित यूरेनियम भंडार को अमेरिका को सौंपने की मांग कर रहे हैं।

ट्रंप ने बताया कि पुतिन ने उनसे कहा, 'वह इसमें हमारी मदद करना चाहते हैं और वह संवर्धन में शामिल होने के इच्छुक हैं।' इस पर मैंने कहा, 'मैं चाहूंगा कि आप यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने में शामिल हों। मेरे लिए यह ज्यादा महत्वपूर्ण होगा।' इस बीच, रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान के खिलाफ शत्रुता फिर शुरू होती है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने ट्रंप से फोन पर ईरान युद्ध पर चर्चा की। पुतिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने पत्रकारों से कहा कि रूसी राष्ट्रपति ने ट्रंप से कहा कि ईरान के खिलाफ जमीनी अभियान पूरी तरह अस्वीकार्य और खतरनाक होगा। रायटर के अनुसार, ट्रंप ने बताया कि उन्होंने पुतिन के साथ संभावित यूक्रेन युद्धविराम पर भी बातचीत की। उन्होंने कहा, 'हमारे बीच बहुत अच्छी बातचीत हुई।' ट्रंप और पुतिन के बीच इससे पहले नौ मार्च को फोन पर बातचीत हुई थी।

अपने टूटे देश पर ध्यान दें जर्मन चांसलर : ट्रंप

रायटर के अनुसार, ट्रंप ने गुरुवार को जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की आलोचना की और कहा कि उन्हें रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने के प्रयासों पर ध्यान देना चाहिए। ईरान मामले में दखल देना बंद करें और अपने टूटे देश पर ध्यान दें। इसके साथ ही ट्रंप ने नाटो के सहयोगी जर्मनी को फिर यह धमकी दी कि वह उस देश में तैनात अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम कर सकते हैं। उनकी यह चेतावनी ईरान युद्ध को लेकर जर्मन चांसलर के साथ बढ़ते तनाव के बीच आया है। जर्मनी में 36 हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। आइएएनएस के अनुसार, मर्ज ने कहा है कि ईरान युद्ध को लेकर तनाव के बावजूद ट्रंप के साथ उनके संबंध अच्छे हैं। जर्मनी होर्मुज स्ट्रेट पर ईरानी नाकेबंदी खत्म कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

युद्धविराम प्रस्ताव पर अमेरिका से स्पष्टीकरण मांगेगा यूक्रेन

मास्को, रायटर : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने गुरुवार को कहा कि यूक्रेन अगले सप्ताह संक्षिप्त युद्धविराम के रूसी प्रस्ताव के विवरण पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम से स्पष्टीकरण मांगेगा। जेलेंस्की ने कहा, "हम स्पष्ट करेंगे कि यह वास्तव में किस बारे में है। मास्को में एक परेड के लिए कुछ घंटों की सुरक्षा या कुछ और। हमारा प्रस्ताव दीर्घकालिक युद्धविराम, लोगों के लिए विश्वसनीय और गारंटीशुदा सुरक्षा और स्थायी शांति है।" ट्रंप ने बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की और पत्रकारों को बताया कि उन्होंने थोड़े समय के युद्धविराम के विचार पर चर्चा की थी। वहीं, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने गुरुवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नौ मई को मनाए जाने वाले विजय दिवस के अवसर पर यूक्रेन के साथ युद्धविराम की तारीख और समय तय करेंगे।

ईरान के सुप्रीम लीडर ने चेताया, परमाणु मुद्दे पर किसी कीमत पर समझौता नहीं

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- मोजतबा खामेनेई बोले- परमाणु व मिसाइल क्षमता राष्ट्रीय संपत्ति, हर कीमत पर रक्षा
- ट्रंप का रुख सख्त- परमाणु कार्यक्रम छोड़े बिना नहीं होगा कोई समझौता
- होर्मुज पर नाकेबंदी, समुद्री गठबंधन और 42 जहाज लौटने का दावा

मोजतबा खामेनेई। फाइल

पश्चिम एशिया में जारी तनावपूर्ण हालात के बीच ईरान और अमेरिका के बीच टकराव और तेज हो गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने साफ कहा है कि परमाणु और मिसाइल क्षमता देश की राष्ट्रीय संपत्ति है और इसकी हर कीमत पर रक्षा की जाएगी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक कहा है कि तेहरान के साथ कोई भी समझौता तभी संभव है, जब वह अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह छोड़ दे।

रायटर के अनुसार, नेशनल गल्फ डे के मौके पर जारी लिखित संदेश में खामेनेई ने कहा कि ईरान अपनी वैज्ञानिक और सैन्य क्षमताओं- चाहे वह नैनो तकनीक हो, जैव प्रौद्योगिकी या परमाणु व मिसाइल कार्यक्रम- की उसी तरह रक्षा करेगा, जैसे अपनी भौगोलिक सीमाओं की करता है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में "नया दौर" शुरू हो चुका है, जो क्षेत्र में आगे चलकर शांति और आर्थिक लाभ लाएगा। खामेनेई ने अमेरिकी सैन्य मौजूदगी को क्षेत्र में असुरक्षा की सबसे बड़ी वजह बताते हुए कहा कि खाड़ी में तैनात अमेरिकी ठिकाने खुद सुरक्षित नहीं हैं, ऐसे में वे अन्य देशों को सुरक्षा देने का दावा नहीं कर सकते। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि अमेरिकियों के लिए केवल एक ही जगह बचती है, जो फारस की खाड़ी की गहराइयों में है।

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, ट्रंप ने स्पष्ट किया कि परमाणु हथियारों पर ईरान की सहमति के बिना कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए नई योजना भी पेश की है, जिसके तहत ईरान के बंदरगाहों पर नाकेबंदी जारी रखते हुए सहयोगी देशों के साथ मिलकर उस पर दबाव बढ़ाया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री गठबंधन बनाने पर भी विचार कर रहा है, जो इस मार्ग से गुजरने वाले तेल-गैस जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। एपी के अनुसार, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने दावा किया है कि नाकेबंदी के चलते अब तक 42 जहाजों को होर्मुज की ओर से वापस लौटना पड़ा है। इस तनाव का असर वैश्विक बाजार पर भी पड़ा है- कच्चे तेल की कीमतें 125 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गईं, हालांकि बाद में 113 डालर पर आ गईं।

एएनआइ के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अमेरिकी नाकेबंदी को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया और कहा कि यदि वाशिंगटन अपना रुख बदले तो तेहरान कूटनीति के लिए तैयार है। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची से बातचीत में उन्होंने "अमेरिकी डकैती" रोकने की मांग की।

होर्मुज द्वीप पर क्या हुआ था 1622 में

होर्मुज द्वीप का ऐतिहासिक महत्व भी इस विवाद के केंद्र में है। वर्ष 1622 में ईरानी शासक अब्बास प्रथम के नेतृत्व में पुर्तगाली सेनाओं को हराकर इस द्वीप से बाहर किया गया था, जिससे फारस की खाड़ी पर विदेशी नियंत्रण का अंत हुआ था।

2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए 287 नामांकन, ट्रंप का नाम भी चर्चा में

208 व्यक्तियों और 79 संगठनों के नाम शामिल, कई नए चेहरे भी सामने आए

ओस्लो, रायटर: साल 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए दुनियाभर से कुल 287 नामांकन सामने आए हैं। नार्वेजियन नोबेल कमेटी के सचिव क्रिस्टन बर्ग हार्पविकेन ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी और बताया कि इस बार भी कई चर्चित नामों पर नजरें टिकी हैं, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम भी चर्चा में है।

हार्पविकेन के मुताबिक, कुल नामांकनों में 208 व्यक्तियों और 79 संगठनों के नाम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस साल पिछले वर्ष की तुलना में कई नए नाम भी सामने आए हैं, जो वैश्विक स्तर पर शांति प्रयासों में सक्रिय हैं। उन्होंने मौजूदा वैश्विक परिदृश्य का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया इस समय संघर्षों और दबावों से गुजर रही है, लेकिन इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय सहयोग की कोशिशें भी जारी हैं। ऐसे समय में नोबेल शांति पुरस्कार की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। उनका कहना था कि जहां दुनिया में नकारात्मक घटनाएं हो रही हैं, वहीं सकारात्मक प्रयास भी लगातार जारी हैं।

ट्रंप के नाम पर अटकलें, पर गोपनीयता बरकरार : हार्पविकेन ने बताया कि कंबोडिया, इजरायल और पाकिस्तान की ओर से ट्रंप को इस साल के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। चूंकि उनका नामांकन पिछले साल भी किया गया था, इसलिए वह इस वर्ष के लिए भी मान्य माना जा सकता है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि पिछले 50 वर्षों से नामांकन प्रक्रिया पोपनीय रखी जाती है, इसलिए यह पुष्टि नहीं की जा सकती कि इस साल ट्रंप का नाम औपचारिक रूप से शामिल है या नहीं।

ट्रंप की हत्या के प्रयास का आरोपित कोल एलन हिरासत में रहने को तैयार

वाशिंगटन, रायटर : वाशिंगटन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास के आरोपित कोल एलन (31) ने गुरुवार को अदालत की सुनवाई के दौरान अपनी हिरासत जारी रखने पर सहमति जताई है। एलन के वकील, तेजीरा अबे ने कहा कि वे अभियोजकों के उस तर्क को चुनौती नहीं देंगे, जिसमें उसे समुदाय के लिए खतरा बताते हुए जेल में रखने की मांग की गई है। यह घटना पिछले शनिवार की है, जब 'वाशिंगटन हिल्टन होटल' में व्हाइट हाउस कारेस्पोंडेंट्स डिनर का आयोजन हो रहा था। इस कार्यक्रम में ट्रंप सहित 2,600 पत्रकार व राजनेता शामिल थे।

ईरान का सीक्रेट हथियार 'हूट' जो अमेरिका को दे सकता है हार्ट अटैक

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- समुद्र के भीतर गोली की रफ्तार से दौड़ने वाला टारपीडो, अमेरिकी के पसीने छुड़ाने को है तैयार

पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। ईरानी नौसेना प्रमुख शहरम ईरानी ने कहा कि उनके पास ऐसा नया हथियार है, जिससे दुश्मन को हार्ट अटैक तक आ सकता है। उन्होंने इशारों में कहा कि यह हथियार दुश्मनों के बहुत करीब है और जल्द ही इस्तेमाल किया जा सकता है।

वहीं, रक्षा विशेषज्ञ संदीप उन्नीथन ने मीडिया को बताया कि ईरान का इशारा 'हूट' नाम के एक खास टारपीडो की तरफ हो सकता है, जिसे 2006 के आसपास गुपचुप तरीके से टेस्ट किया गया था। दावा किया जाता है कि यह दुनिया के सबसे तेज पानी के भीतर चलने वाले हथियारों में से एक है। आम टारपीडो जहां 60 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलते हैं, वहीं हूट 360 किलोमीटर प्रति घंटे से भी ज्यादा स्पीड पकड़ सकता है। यह संभव होता है सुपर-कैविटेशन तकनीक से, जिसमें टारपीडो अपने चारों ओर गैस का बुलबुला बना लेता है और पानी के भारी दबाव को कम कर देता है, जिससे वह पानी के अंदर भी राकेट जैसी गति से दौड़ता है। इतना ही नहीं, यह 200 किलो से ज्यादा विस्फोटक वारहेड ले जाने में सक्षम बताया जाता है।

ताकत बड़ी, लेकिन कमजोरियां भी कम नहीं

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह हूट टारपीडो अमेरिकी युद्धपोतों, खासकर एयरक्राफ्ट कैरियर को डुबो सकता है?। दरअसल, इस हथियार की बड़ी कमजोरी इसकी रेंज है। यह केवल लगभग 15 किमीट तक ही मार कर सकता है, जबकि सामान्य टारपीडो 30 किमी तक जाते हैं। वहीं अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर जैसे यूएसएस अब्राहम लिंकन मजबूत सुरक्षा से लैस हैं। इनमें मोटी बख्तरबंद दीवारें व जबरदस्त तैरने की क्षमता होती है।

मध्यस्थता के नाम पर पाक ने ईरान को छह रास्ते खोलकर ट्रंप को दिया धोखा

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- एक हाथ में मध्यस्थता, दूसरे से ईरान को राहत, पाकिस्तान की दोहरी चाल कापर्दाफाश

एक तरफ खुद को अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ बताने वाला पाकिस्तान अब अपने ही कदमों से अपनी असलियत उजागर करता नजर आ रहा है। ताजा फैसले में उसने ईरान के लिए छह जमीनी व्यापार मार्ग खोल दिए हैं। इस फैसले ने ट्रंप की रणनीति में सेंध लगा दी है और पाकिस्तान का दोहरा चेहरा सामने ला दिया है।

पाकिस्तान के इस फैसले से ईरान को अमेरिकी नाकेबंदी से राहत मिलने का रास्ता मिल गया है। होर्मुज स्ट्रेट में जारी दबाव के बीच यह कदम उस समय आया है जब अमेरिका तेहरान पर आर्थिक शिकंजा कसने में जुटा है। अमेरिकी विशेषज्ञ डेरेक जे ग्रासमैन ने इसे खुलकर डबल-डील बताया है। उनका कहना है कि पाकिस्तान एक ओर मध्यस्थ बनने का दिखावा कर रहा है, जबकि दूसरी ओर ईरान को राहत देकर अमेरिका की मैक्सिमम प्रेशर नीति को कमजोर कर रहा है।

जमीनी हकीकत कुछ और : रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान के बंदरगाहों पर फंसे तीन हजार से ज्यादा कंटेनर अब इन नए रास्तों के जरिए ईरान भेजे जा सकते हैं। इससे पाकिस्तान की पुरानी चाल रही है, जो अब फिर उजागर हो गई है। इजरायल पहले ही पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भरोसा जताने से इनकार कर चुका है, वहीं ईरानी सांसद इब्राहिम रजाई भी निष्पक्ष नहीं मानते। ऐसे में यह ताजा फैसला इस्लामाबाद की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करता है।

किंग चार्ल्स से कोहिनूर हीरा लौटाने को कहेंगे : न्यूयार्क मेयर

- मेयर ममदानी ने किंग चार्ल्स को इतिहास का आईना दिखाने का दिया संकेत

न्यूयार्क, प्रेट्र : भारत की ऐतिहासिक धरोहर कोहिनूर को लेकर अब आवाजें सिर्फ देश तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि वैश्विक मंचों पर भी गूंजने लगी हैं। न्यूयार्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने साफ कहा है कि यदि उन्हें किंग चार्ल्स तृतीय से बातचीत का अवसर मिलता है, तो वे कोहिनूर हीरे की वापसी का मुद्दा जरूर उठाएंगे।

अमेरिका दौरे पर पहुंचे ब्रिटिश किंग के संदर्भ में ममदानी से पूछा गया कि वे उनसे क्या बात करेंगे। इस पर उन्होंने परंपरागत कूटनीतिक जवाब से अलग हटकर सीधा संकेत दिया कि बातचीत इतिहास के उस अध्याय पर भी होगी, जो आज भी विवाद का विषय है। उनका कहना था कि कोहिनूर केवल एक रत्न नहीं, बल्कि न्याय और ऐतिहासिक जिम्मेदारी से जुड़ा मुद्दा है। बाद में किंग चार्ल्स ने 9/11 मेमोरियल एंड म्यूजियम में मेयर ममदानी से मुलाकात भी की। लेकिन बकिंघम पैलेस ने ममदानी के बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ममदानी के कार्यालय ने भी यह स्पष्ट नहीं किया कि मुलाकात के दौरान यह मुद्दा किंग के समक्ष उठाया या नहीं। ममदानी का भारत से भावनात्मक जुड़ाव भी इस बयान में झलकता है। उनकी मां मीरा नायर भारत में जन्मी जानी-मानी फिल्मकार हैं, जबकि उनके पिता महमूद ममदानी ख्याति प्राप्त शिक्षाविद हैं।

अमेरिका के न्यूयार्क शहर में 9/11 मेमोरियल की यात्रा के दौरान बुधवार को ब्रिटेन के राजा चार्ल्स और महारानी कैमिला से बातचीत करते न्यूयार्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी। रायटर >>

9/11 स्मारक पर किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने दी श्रद्धांजलि

न्यूयार्क, एएनआइ : ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय और क्वीन कैमिला ने अमेरिका दौरे के दौरान न्यूयार्क स्थित 9/11 स्मारक पहुंचकर 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। यह दौरा ऐसे समय हुआ है जब दुनिया इन हमलों की 25वीं बरसी के करीब पहुंच रही है। दोनों ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के स्थान पर बने रिफलेक्टिंग पूल्स के पास गुलदस्ता रखकर करीब तीन हजार मृतकों को याद किया, जिनमें 67 ब्रिटिश नागरिक भी शामिल थे। यह उनकी इस स्मारक पर पहली यात्रा थी, जो बेहद भावुक माहौल में हुई।

ट्रंप पर किंग चार्ल्स के फ्रेंच वाले बयान पर मैक्रों ने ली चुटकी

पेरिस, एएनआइ : ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय की अमेरिका फ्रेंच बोलता वाली टिप्पणी पर अब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपने अंदाज में चुटकी ली है। मैक्रों ने इंटरनेट मीडिया पर इस बयान का वीडियो रीपोस्ट करते हुए सिर्फ चार शब्द लिखे दैट वुड बी चिक यानी यह तो बहुत ही शानदार (फैशनेबल) होता। मैक्रों का यह छोटा लेकिन सटीक जवाब इंटरनेट पर छा गया है। यूजर उनकी हाजिरजवाबी की तारीफ कर रहे हैं और इसे कूटनीतिक हास्य का बेहतरीन उदाहरण बता रहे हैं। दरअसल, किंग चार्ल्स तृतीय ने अमेरिका दौरे के दौरान ट्रंप के साथ एक कार्यक्रम में कहा था आपने कहा कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप जर्मन बोलता, लेकिन अगर हम ब्रिटिश न होते तो आप फ्रेंच बोल रहे होते।

ओपनएआइ को शुरुआती फंडिंग देना मेरी मूर्खता थी : एलन मस्क

न्यूयार्क टाइम्स से

- आपेनएआइ के खिलाफ मुकदमे में गुरुवार को भी जारी रही गवाही

एलन मस्क। फाइल

ओपनएआइ और आल्टमैन पर लगाया धोखाधड़ी का आरोप

ओकलैंड : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) कंपनी ओपनएआइ के खिलाफ बहुचर्चित मुकदमे में ओकलैंड में नौ-सदस्यीय जूरी के समक्ष गवाही देने पहुंचे दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क ने स्वीकार किया है कि ओपनएआइ को फंडिंग करना उनकी मूर्खता थी। रायटर के अनुसार सैविट ने गुरुवार को करीब एक घंटे तक मस्क से जिरह की। इस मामले में सोमवार को शुरू हुई सुनवाई कई सप्ताह तक चल सकती है।

गौरतलब है कि मस्क ने ओपनएआइ, इसके सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम आल्टमैन और इसके प्रेसिडेंट ग्रेग ब्राकमैन पर मुकदमा किया है।

मस्क का कहना है कि आल्टमैन और ब्राकमैन ने ओपनएआइ के मूल मिशन (मानवता के लाभ के लिए गैर-लाभकारी एआइ विकसित करना) को त्यागकर उन्हें और जनता को धोखा दिया है। मस्क और आल्टमैन ने 2015 में ओपनएआइ की स्थापना की थी। एलन मस्क ने कहा, मैं मूर्ख था कि उन्हें स्टार्टअप शुरू करने के लिए मुफ्त में फंड उपलब्ध कराया। मैंने उन्हें 38 मिलियन डालर की लगभग मुफ्त फंडिंग दी, जिससे उन्होंने एक ऐसी कंपनी बनाई जो आगे चलकर 800 अरब डालर की कंपनी बन गई। मस्क 150 अरब डालर के हर्जाने की मांग कर रहे हैं।

अमेरिका ने 1.4 करोड़ डालर कीमत की 657 प्राचीन वस्तुएं भारत को लौटाईं

न्यूयार्क, प्रेट्र : अमेरिका ने भारत को लगभग 1.4 करोड़ डालर मूल्य की 657 प्राचीन वस्तुएं लौटा दी हैं और कहा है कि चोरी की गई कलाकृतियों को वापस लौटाने के लिए अभी और काम करना बाकी है। मैनहट्टन के जिला अटार्नी एल्विन ब्रैग ने मंगलवार को इस वापसी की घोषणा की। ये कलाकृतियां तस्करी नेटवर्क की कई जांचों के बाद बरामद की गईं, जिनमें आर्ट डीलर सुभाष कपूर और दोषी तस्कर नैन्सी वीनर से जुड़े नेटवर्क भी शामिल हैं।

लौटाई गई वस्तुओं में 20 लाख डालर की 'अवलोकितेश्वर' की कांस्य प्रतिमा शामिल है। शिलालेख से शिल्पकार की पहचान छत्तीसगढ़ के रायपुर के निकट स्थित सिपुर के द्रोणादित्य के रूप में होती है। अन्य प्रमुख प्रतिमाओं में बलुआ पत्थर से बनी गणेश जी की नृत्य करती हुई एक मूर्ति तस्कर वामन घिया ने बाद में इस मूर्ति को न्यूयार्क स्थित गैलरी मालिक डोरिस वीनर को बेच दिया था।

यूएई जाने वाले पर्यटक कुछ ही मिनटों में खोल सकेंगे डिजिटल बैंक खाते

नई दिल्ली, जागरण न्यूज नेटवर्क

- शुरू की गई नई 'पर्यटक पहचान' पहल के तहत यह संभव हो पाया है
- इस डिजिटल पहचान प्रणाली के माध्यम से खाता आसानी से खुलेगा खाता

संयुक्त अरब अमीरात जाने वाले पर्यटक अब कुछ ही मिनटों में डिजिटल बैंक खाते खोल सकेंगे। यह जानकारी खलीज टाइम्स को एक अधिकारी ने दी है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को शुरू की गई नई 'पर्यटक पहचान' पहल के तहत यह संभव हो पाया है। यह सेवा अनिवासी आगंतुकों को पूरी तरह से डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से तुरंत और सुरक्षित रूप से खाते खोलने की अनुमति देती है।

पहचान, नागरिकता, सीमा शुल्क और बंदरगाह सुरक्षा के लिए संघीय प्राधिकरण (आइसीपी) आगंतुकों को संयुक्त अरब अमीरात में उतरते ही बायोमीट्रिक्स और चेहरे की पहचान पर आधारित पर्यटक पहचान पत्र प्रदान करता है। यह पहल इस डिजिटल पहचान प्रणाली को अबू धाबी वाणिज्यिक बैंक (एडीसीबी) के मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन से जोड़ती है, जिससे पर्यटक कुछ ही मिनटों में बैंक खाते खोल सकते हैं और डिजिटल डेबिट कार्ड सहित आवश्यक बैंकिंग सेवाओं का तुरंत लाभ उठा सकते हैं। पहले, अनिवासियों और आगंतुकों को यूएई में कुछ बैंकों में खाता खोलने की सुविधा थी, लेकिन इस प्रक्रिया में बहुत सारे दस्तावेज जमा करने पड़ते थे। नई पहल के तहत इस प्रक्रिया को आधिकारिक डिजिटल पहचान आधारित माडल में बदल दिया गया है, जिससे पर्यटक कुछ ही मिनटों में खाता खोल सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और देश को डिजिटल भुगतान प्रणाली की ओर तेजी से ले जाना है, साथ ही नकद लेनदेन पर निर्भरता को कम करना है।

अमेरिकी सीनेट में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कारिडोर के समर्थन में विधेयक पेश

- 2023 में नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन में हुई थी इसकी घोषणा
- रिपब्लिकन व डेमोक्रेट सीनेटरों की ओर से पेश किया गया है यह बिल

अमेरिकी सीनेट। फाइल

वाशिंगटन, प्रेट्र: अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आइएमईसी) का समर्थन करने के लिए एक द्विदलीय विधेयक पेश किया गया है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस प्रस्तावित कारिडोर की घोषणा 2023 में नई दिल्ली में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी।

सीनेट में पेश किए गए इस विधेयक का उद्देश्य अमेरिका, भारत, मध्य-पूर्व और यूरोप के बीच एक रणनीतिक कड़ी के रूप में पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र की भूमिका को मजबूत करना है। अमेरिकी सीनेटरों कोरी बुकर (डेमोक्रेट) और डेव मैककार्मिक (रिपब्लिकन) की ओर से 'ईस्टर्न मेडिटेरियन गेटवे एक्ट' बिल सदन में पेश किया गया।

इसका उद्देश्य बंदरगाहों, डिजिटल कारिडोर और अन्य रणनीतिक बुनियादी ढांचों के लिए अमेरिका का समर्थन जुटाने का प्रयास करना है ताकि ऊर्जा प्रवाह में विविधता लाने और उसे सुरक्षित करने के अलावा क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और प्रमुख भागीदारों के साथ कूटनीतिक संबंधों को प्रगाढ़ करने में मदद मिल सके।

बुकर ने एक बयान में कहा, 'वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं को दबाव का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में पूर्वी भूमध्यसागरीय एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है, जो अमेरिका-भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कारिडोर के समर्थन समेत साझा रणनीतिक हितों पर स्थिरता और सहयोग को बढ़ाने में मदद कर रहा है।'

जबकि रिपब्लिकन पार्टी के डेव मैककार्मिक कहा कि यह विधेयक आइएमईसी के लिए अमेरिकी समर्थन को और मजबूत करता है ताकि व्यापार और ऊर्जा मार्गों को ईरान, चीन और अन्य विरोधियों से सुरक्षित रखा जा सके।

पाक में जैश के एक और शीर्ष कमांडर की मौत, कई हमलों में था शामिल

मौलाना सलमान।

मौलाना सलमान के जनाजे में आइएसआइ के कई अधिकारी भी हुए शामिल

नई दिल्ली, आइएएनएस : पाकिस्तान में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को पाकिस्तान के बहावलपुर में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से जैश के शीर्ष कमांडर मौलाना सलमान की मौत हो गई। वह जैश सरगना मसूद अजहर का करीबी था और भारत में हुए कई बड़े आतंकी हमलों में शामिल था। इनमें 2001 का संसद हमला और 2019 का पुलवामा हमला शामिल है। वह ऐसे लोगों में से एक था जो आपरेशन सिंदूर के दौरान जैश के बहावलपुर मुख्यालय पर हुई बमबारी में घायल हुआ था।

मौलाना सलमान को बुधवार शाम को ही बहावलपुर के मरकज सुभानअल्लाह में दफना दिया गया। उसके जनाजे में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के कुछ अधिकारी भी शामिल हुए, जो आतंकी संगठन को पाकिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठान के समर्थन को दर्शाता है। आपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए कई आतंकियों के अंतिम संस्कार में भी पाकिस्तानी सेना और आइएसआइ के कई अधिकारी शामिल हुए थे। सेना के इस आपरेशन में जैश के कई कमांडर और मसूद अजहर के परिवार के सदस्य मारे गए थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में मारे गए हैं कई आतंकी : मौलाना सलमान से पहले भी जैश और लश्कर के शीर्ष कमांडर या आतंकी रहस्यमयी परिस्थितियों में मारे गए हैं। सलमान की मौत से ठीक दो दिन पहले लश्कर के शीर्ष आतंकी शेख यूसुफ अफरीदी की खैबर पख्तूनख्वा में अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी।

दैनिक जागरण धूम धड़ाका आइपीएल 19 www.jagran.com शुक्रवार 1 मई, 2026

बल्लेबाज	रन
अभिषेक शर्मा	425
हेनरिक क्लासिन	414
वैभव सूर्यवंशी	400

गेंदबाज	विकेट
भुवनेश्वर कुमार	17
इशान मलिंगा	15
जोफ्रा आर्चर	14

सीजन में पहली बार आलआउट हुई आरसीबी

गुजरात टाइटंस ने गत चैंपियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु को चार विकेट से हराया जेसन होल्डर बने प्लेयर आफ द मैच

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों ने अनुशासित और आक्रामक प्रदर्शन करते हुए गत चैंपियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को गुरुवार को 155 रन पर समेट दिया। यह इस सीजन में पहली बार था जब आरसीबी की टीम आलआउट हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस ने कप्तान शुभमन (43) और जोस बटलर (39) की पारियों से 25 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में कोहली और रबादा के बीच की टक्कर खास आकर्षण रही। शुरुआत में कोहली हावी रहे, लेकिन अंततः रबादा ने बाजी मारते हुए उनका विकेट लिया।

अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में टास जीतकर गेंदबाजी चुनने का फैसला गुजरात के कप्तान शुभमन गिल के लिए पूरी तरह सही साबित हुआ, क्योंकि उनके गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटकते हुए विपक्षी टीम को संभलने का मौका ही नहीं दिया। विराट कोहली (28) ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए तेज रन बनाए और शुरुआती ओवरों में गुजरात के प्रमुख तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा को एक ओवर में 21 रन जड़ दिए, जिसमें लगातार पांच चौके शामिल थे। उस समय ऐसा लग रहा था कि आरसीबी बड़ा स्कोर खड़ा करेगी। लेकिन गिल ने अपने स्ट्राइक गेंदबाज पर भरोसा बनाए रखा और रबादा ने वापसी करते हुए कोहली को आउट पलटवार किया। यह विकेट मैच का टर्निंग पाइंट साबित हुआ। इसके बाद आरसीबी की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। सात ओवर में दो विकेट पर 71 रन के स्कोर से आरसीबी का स्कोर 10.3 ओवर 96 रन पर छह विकेट हो गया। मध्यक्रम में देवदत्त पडिक्कल ने 24 गेंदों में 40 रन बनाकर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन राशिद खान की शानदार गेंद ने उनकी पारी का अंत कर दिया। राशिद के अलावा जेसन होल्डर का प्रदर्शन बेहद खास रहा। उन्होंने न सिर्फ दो विकेट लिए, बल्कि फील्डिंग में भी कमाल करते हुए तीन शानदार कैच लपके। तेज गेंदबाज अरशद खान गुजरात के लिए हीरो साबित हुए। उन्होंने तीन विकेट लेकर आरसीबी के निचले क्रम को समेटा। आरसीबी ने आक्रामक बल्लेबाजी का रुख नहीं छोड़ा, लेकिन यही रणनीति उनके लिए नुकसानदायक साबित हुई। लगातार बड़े शाट खेलने की कोशिश में टीम ने 20-30 रन अतिरिक्त बनाने का मौका गंवा दिया।

घर पर खेल रही गुजरात को गिल और साई सुदर्शन ने तूफानी शुरुआत दिलाई और तीन ओवर के भीतर ही 42 रन कूट दिए। इसके बाद से मैच टाइटंस की पकड़ में आ गया। पाचवें ओवर की अंतिम गेंद पर गिल ने कदमों का इस्तेमाल करके एक बड़ा शाट मारने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे विराट कोहली के हाथ में चली गई। कैच लेकर कोहली ने आक्रामक जश्न किया। इससे पहले कोहली गिल को रन आउट करने से चूक गए थे। ऐसे में जब कोहली के पास गिल को आउट करने का दूसरा मौका आया तो कैच लेकर गिल को पवेलियन की राह दिखा दी।

पडिक्कल को बोल्ड करने के बाद जश्न मनाते राशिद खान ● प्रेट्र

पाटीदार का कैच लेते होल्डर ● वीडियो ग्रैब

जेसन होल्डर के कैच पर विवाद, विराट कोहली ने चौथे अंपायर से दर्ज कराया विरोध

आठवां ओवर फेंक रहे अरशद खान की चौथी गेंद पर बैकवार्ड स्क्वायर लेग पर जेसन होल्डर ने रजत पाटीदार का कैच पकड़ा, जिस पर विराट कोहली ने चौथे अंपायर से कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। पाटीदार का कैच लपकने के लिए रबादा भी दौड़ रहे थे, लेकिन होल्डर ने उनसे बचते हुए कैच लपका। हालांकि रीप्ले देखकर यह स्पष्ट नहीं हो रहा था कि गेंद जमीन से छूई है या नहीं, इसके बावजूद तीसरे अंपायर ने पाटीदार को आउट दे दिया। इस निर्णय से कोहली और आरसीबी खेमा नाखुश दिखा, क्योंकि मैच के एक अहम मोड़ पर यह निर्णय उनके विरुद्ध गया था। इसके बाद विराट को सीमा रेखा के पास चौथे अंपायर के साथ लंबी बातचीत करते देखा गया। ऐसा लगा कि वह इस फैसले पर स्पष्टीकरण चाहते थे, खासकर इसलिए क्योंकि रीप्ले में कोई स्पष्ट सुबूत नहीं दिख रहा था।

स्कोर बोर्ड

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु: 155 (19.2 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
बेथेल का. राशिद बो. सिराज	5	5	1/0
कोहली का. राशिद बो. रबादा	28	13	5/1
पडिक्कल बो. राशिद	40	24	5/2
रजत का. होल्डर बो. अरशद	19	15	2/1
जितेश का. बटलर बो. होल्डर	1	3	0/0
डेविड का. होल्डर बो. राशिद	9	6	0/1
कुणाल का. होल्डर बो. अरशद	4	4	1/0
शेफर्ड का. सुदर्शन बो. होल्डर	17	15	0/2
वेंकटेश का. सुदर्शन बो. अरशद	12	15	1/0
भुवनेश्वर अविजित	15	15	2/0
हेजलवुड रन आउट	0	1	0/0

अतिरिक्त : 5 (लेबा : 3, वा : 2)

विकेटपतन : 1-34 (बेथेल, 2.4), 2-35 (कोहली, 3.2), 3-79 (रजत, 7.4), 4-80 (जितेश, 8.1), 5-91 (डेविड, 9.4), 6-96 (कुणाल, 10.3), 7-126 (पडिक्कल, 13.6), 8-126 (शेफर्ड, 14.1), 9-155 (वेंकटेश, 19.1)

गेंदबाजी : सिराज 4-0-38-1, रबादा 4-0-44-1, होल्डर 4-0-29-2, अरशद 3.2-0-22-3, राशिद 4-0-19-2

गुजरात टाइटंस: 158/6 (15.5 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
सुदर्शन का. जितेश बो. भुवनेश्वर	6	5	1/0
शुभमन का. कोहली बो. भुवनेश्वर	43	18	4/3
बटलर बो. भुवनेश्वर	39	19	2/4
वाशिंटन एलबीडब्ल्यू बो. शेफर्ड	12	12	0/1
शाहरुख का. हेजलवुड बो. शेफर्ड	8	8	1/0
तेवतिया अविजित	27	17	4/0
होल्डर का. पडिक्कल बो. सुयश	12	10	0/1
राशिद अविजित	7	6	1/0

अतिरिक्त : 4 (वा : 4), विकेटपतन : 1-42 (सुदर्शन, 2.6), 2-57 (शुभमन, 4.6), 3-92 (बटलर, 7.3), 4-109 (शाहरुख, 10.1), 5-111 (वाशिंगटन, 10.3), 6-141 (होल्डर, 13.5)

गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-28-3, हेजलवुड 4-0-56-0, सुयश 3.5-0-44-1, शेफर्ड 4-0-30-2

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	रद	नेट रन रेट	अंक
1	पंजाब	8	6	1	1	+1.043	13
2	आरसीबी	9	6	3	0	+1.420	12
3	हैदराबाद	9	6	3	0	+0.832	12
4	राजस्थान	9	6	3	0	+0.617	12
5	गुजरात	9	5	4	0	-0.192	10
6	चेन्नई	8	3	5	0	-0.121	6
7	दिल्ली	8	3	5	0	-1.060	6
8	कोलकाता	8	2	5	1	-0.751	5
9	मुंबई	8	2	6	0	-0.784	4
10	लखनऊ	8	2	6	0	-1.106	4

मिशेल स्टार्क की मौजूदगी से दिल्ली को मिलेगी मजबूती

जयपुर, प्रेट्र: दिल्ली कैपिटल्स के पास पिछले कुछ मैच के निराशाजनक नतीजों पर विचार के लिए अधिक समय नहीं है क्योंकि टीम को शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग मैच में आत्मविश्वास से भरी राजस्थान रायल्स का सामना करना है। अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली की टीम के लिए यह सत्र काफी मुश्किलों भरा रहा है। पिछले दो मैच में टीम के प्रदर्शन में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एक तरफ उन्होंने 250 से अधिक का स्कोर बनाया लेकिन विरोधी टीम ने विश्व रिकार्ड बनाते हुए उस लक्ष्य को हासिल कर लिया। वहीं, दूसरी तरफ वे रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विरुद्ध सिर्फ 75 रन पर आलआउट हो गए।

बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी: दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चिंता उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी रही है। राहुल, मिलर, स्टब्स और समीर जैसे खिलाड़ियों ने बीच-बीच में अच्छा योगदान दिया है लेकिन पूरी टीम मिलकर एक साथ अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। पिछले मैच में अभिषेक पोरेल ने इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर बल्लेबाजी करते हुए टीम को शर्मनाक स्कोर पर आलआउट होने से बचाया था। ऐसे में टीम प्रबंधन उन्हें एकादश में मौका देने के बारे में सोच सकता है। गेंदबाजी के मोर्चे पर कुछ अच्छी खबरें भी हैं। तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क एक मई से खेलने के लिए क्रिकेट आस्ट्रेलिया से मंजूरी मिलने के बाद टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं।

मिशेल स्टार्क

राजस्थान रायल्स: शुभम दुबे, हेटमायर, जयसवाल, जुरैल, प्रिटोरियस, रियान, वैभव सूर्यवंशी, फरेरा, जडेजा, आर्चर, बर्गर, तुषार, मफाका, संदीप, युद्धवीर, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि, ब्रिजेश शर्मा।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर (कप्तान), केएल राहुल, करुण, मिलर, निसंका, साहिल, पृथ्वी, अभिषेक पोरेल, स्टब्स, समीर, आशुतोष, विपराज, अजय, त्रिपुराना, माधव, आकिब, नितीश राणा, नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंता चमीरा, लुंगी नगिदी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव और मिशेल स्टार्क।

लुंगी नगिदी के उपलब्ध नहीं होने के कारण स्टार्क का टीम में शामिल होना दिल्ली के लिए एक बहुत ही जरूरी और सही समय पर मिला सहारा साबित हो सकता है। उम्मीद है कि वे काइल जैमीसन या दुष्मंता चमीरा में से किसी एक की जगह लेंगे। दूसरी ओर अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज राजस्थान रायल्स की टीम इस मुकाबले में भी पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेगी।

रियान पर बीसीसीआइ ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, प्रेट्र: राजस्थान रायल्स के कप्तान रियान पराग पर गुरुवार को मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उन पर यह जुर्माना मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के विरुद्ध आइपीएल मैच के दौरान कैमरे पर वेपिंग (ई-सिगरेट) करते पकड़े जाने के बाद खेल की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोप में लगाया गया।

मंगलवार रात रायल्स की पारी के दौरान पराग के इस काम की इंटरनेट मीडिया पर काफी आलोचना हुई। पता चला है कि मैदानी अंपायर तन्मय श्रीवास्तव और नितिन मेनन ने मैच खत्म होने के तुरंत बाद मैच रेफरी अमित शर्मा को इस मामले की शिकायत नहीं की थी। उन्होंने ऐसा तब किया जब उन्होंने इसका वीडियो सबूत देखा। इसके बाद अतिम ने आइपीएल के नियमों के अनुसार, आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए रियान को दोषी पाया। लेवल एक के अपराधों के लिए मैच फीस में से 25 प्रतिशत की कटौती और एक डिमेरिट अंक का प्रावधान है। आइपीएल ने एक बयान में कहा कि रियान ने अपराध और मैच रेफरी अमित शर्मा द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया है।

रियान पराग

पंजाब किंग्स के विरुद्ध ड्रेसिंग रूम के अंदर वेपिंग करने के लिए राजस्थान के कप्तान पर लगा मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

आइपीएल की साख को बनाए रखने के लिए बीसीसीआइ गलती करने वाली टीम, उसके अधिकारियों और खिलाड़ियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के लिए दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। बीसीसीआइ सचिव देवजीत सैकिया से राजस्थान रायल्स के विरुद्ध संभावित कार्रवाई के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि जैसा कि बयान में साफ-साफ लिखा है हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि टीम के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाए। अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। भारत सरकार ने 2019 में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके तहत इनका उत्पादन, बिक्री और वितरण पूरी तरह से वर्जित है। कानून के अनुसार पहली बार अपराध करने पर दोषी को एक साल तक की जेल या एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

मजबूत मानसिकता ने वैभव को प्रदर्शन करने में मदद की : बिशप

बेंगलुरु, प्रेट्र: वैभव सूर्यवंशी ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है और जाने-माने कमेंटेटर इयान बिशप का मानना है कि मजबूत मानसिक और तकनीकी क्षमताओं ने इस युवा सनसनी को आइपीएल में दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों पर हावी होने में मदद की है।

सूर्यवंशी ने आइपीएल के मौजूदा सत्र में जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, जोश हेजलवुड जैसे कुछ बेहतरीन गेंदबाजों को पस्त कर दिया है। बिशप ने कहा कि मुझे लगता है कि उनकी मानसिक बनावट इतनी मजबूत है कि वह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों का सामना कर सकता है। उसने जसप्रीत बुमराह का सामना किया। तकनीकी रूप से वह अपने बल्ले को घुमाने के मामले में कुछ अनोखा है, यह कुछ-कुछ बेसबाल जैसा है। बिशप ने कहा कि सूर्यवंशी की बल्लेबाजी में कोई स्पष्ट कमजोरी नहीं दिखती जिसकी वजह से अनुभवी गेंदबाजों को इस 15 साल के खिलाड़ी के विरुद्ध नई योजनाएं बनानी पड़ रही हैं। बिशप ने कहा कि यह पता लगाना बहुत मुश्किल है कि उसकी असली कमजोरी क्या है क्योंकि 'बैक आफ लेंथ' (थोड़ी पीछे गिरी हुई गेंद) गेंदें उनके खिलाफ कारगर साबित हुई हैं। उदाहरण के लिए अंडर-19 विश्व कप में और सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध। लेकिन अगर गेंद बैक आफ लेंथ (जो पुल शॉट खेलते हुए अक्सर उनके बल्ले से ऊपरी हिस्से से लगती हैं) नहीं गिरती तो वही गेंदें बाउंड्री के पार चली जाती हैं।

आइपीएल बहुत बड़ा व्यवसाय, लीग में स्पोर्टिंग विकेट होने चाहिए : मुरलीधरन

मुंबई, प्रेट्र: आइपीएल में लगातार बड़े स्कोर और उसके बाद भी टीमों के हारने पर पूर्व श्रीलंकाई दिग्गज स्पिनर और वर्तमान में सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच मुथैया मुरलीधरन ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि आइपीएल बहुत बड़ा व्यवसाय और एक मनोरंजन है। इसमें यह नहीं देखा जाता कि आप किसी क्रिकेटर को विकसित कर रहे हैं या नहीं। इसमें प्रायोजक और बाकी सब कुछ है, लेकिन विकेट स्पोर्टिंग नहीं है।

मुरलीधरन ने बुधवार को सनराइजर्स की मुंबई इंडियंस छह विकेट से जीत के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि कहा कि लीग में विकेट पर गेंदबाजों को कोई मदद नहीं मिल रही। अगर बल्ले और गेंद के बीच मुकाबले में संतुलन बनाना है तो इसका एकमात्र तरीका स्पोर्टिंग विकेट बनाना होगा। जिससे बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को समान मदद मिले। अगर हम निष्पक्ष विकेट दे सकें तो फिर दर्शक ऊबने लगेंगे। अब क्रिकेट प्रेमी, बहुत कम उम्र के क्रिकेटर और टी-20 के चाहने वाले बहुत अधिक मनोरंजन चाहते हैं।

मुथैया मुरलीधरन ● फाइल फोटो, एक्स

बुमराह के पीछे न पड़ें, दिग्गज भी होते हैं फ्लाप: पोलार्ड

मुंबई, प्रेट्र: मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज तेज गेंदबाज का भी कभी-कभी दिन खराब हो सकता है या उनका सत्र अच्छा नहीं जा सकता। उन्होंने आइपीएल में अपना तीसरा सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल डालने वाले भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने की अपील की। बुमराह ने बुधवार को सनराइजर्स के विरुद्ध चार ओवर में 54 रन लुटाए, जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। हैदराबाद ने यह मैच छह विकेट से जीता। क्रिकेटर अच्छा प्रदर्शन नहीं करता तो हर पहलू देखना चाहिए।

खेल डायरी

ताशकंद में दम दिखाने को तैयार मुक्केबाज

नई दिल्ली, आइएएनएस: 56 सदस्यों वाली भारतीय मुक्केबाजी टीम एशियन मुक्केबाजी अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप 2026 में अपना अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह चैंपियनशिप शुक्रवार से उज्बेकिस्तान के ताशकंद में शुरू होगी। भारत इस प्रतिष्ठित आयु-वर्ग टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों दोनों ही श्रेणियों में एक मजबूत और संतुलित टीम के साथ उतर रहा है। इससे भारतीय टीम को प्रतियोगिता में अधिक से अधिक पदकों की उम्मीद है। अंडर-17 टीमों में लड़कों और लड़कियों दोनों ही श्रेणियों में 13-13 मुक्केबाज होंगे। ये मुक्केबाज 44-46 किलोग्राम से लेकर 80+ किलोग्राम भार वर्गों में मुकाबला करेंगे। प्रत्येक टीम के साथ चार कोच और एक फिजियोथेरेपिस्ट होंगे। वहीं, अंडर-15 टीमों में लड़कों और लड़कियों दोनों ही श्रेणियों में 15-15 मुक्केबाज शामिल हैं। ये मुक्केबाज 30-33 किलोग्राम से लेकर +70 किलोग्राम तक की श्रेणियों में मुकाबला करेंगे। प्रत्येक टीम के साथ पांच कोच और एक फिजियोथेरेपिस्ट होंगे।

रोड्स, क्लासेन और फाफ ने फ्रेंचाइजी खरीदी

रोटरडम, प्रेट्र: दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटरों जोंटी रोड्स, फाफ डु प्लेसी और हेनरिक क्लासेन ने मिलकर यूरोपीय टी-20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) की रोटरडम फ्रेंचाइजी खरीदी है। रोटरडम फ्रेंचाइजी प्रतियोगिता के पहले सत्र में हिस्सा लेगी, जिसका आयोजन 26 अगस्त से 30 सितंबर तक किया जाएगा। अन्य शहर आधारित फ्रेंचाइजी ग्लासगो, एम्सटरडम, एडिनबर्ग, डबलिन और बेलफास्ट हैं। डु प्लेसी ने बयान में कहा कि ईटीपीएल में जोंटी और क्लासेन के साथ मिलकर एक फ्रेंचाइजी हासिल करना मेरे लिए बहुत खास है। टीम के मालिक बनने की दिशा में यह मेरा पहला कदम है और इसका समय इससे बेहतर नहीं हो सकता था, क्योंकि यूरोपीय क्रिकेट आगे बढ़ रहा है और इससे जुड़ना सही दिशा में जाने जैसा होगा।

बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के लिए आर्थिक मदद

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने हाल में आयरलैंड में खत्म हुई आइबीएसएफ विश्व पुरुष बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में भारत की भागीदारी के लिए आर्थिक सहायता मंजूर की है। इसके तहत 2026 के विश्व चैंपियन सौरव कोठारी, कई बार के वर्ल्ड चैंपियन पंकज आडवाणी और कोच अशोक शांडिल्य को मदद दी गई है। यह चैंपियनशिप बुधवार को खत्म हुई। इसमें इन तीनों खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय खेल संघों को सहायता (एएनएसएफ) योजना के तहत सरकार से मिले फंड से हिस्सा लिया। साइ ने टीम की भागीदारी के लिए भारतीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर महासंघ (बीएसएफआइ) को लगभग 6.46 लाख रुपये के खर्च की मंजूरी दी। इस खर्च में यात्रा, रहने-खाने और प्रतियोगिता से जुड़े अन्य जरूरी खर्च शामिल हैं। कोठारी ने आयरलैंड के कारलो में हमवतन आडवाणी को 1133-477 के बड़े अंतर से हराकर आइबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का अपना खिताब बरकरार रखा।

सेमीफाइनल में पहुंची अनास्तासिया

मैड्रिड, रायटर: अनास्तासिया पोटापोवा ने निराशा को इतिहास में बदलते हुए डबल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बनकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने मैड्रिड ओपन में करोलिना प्लिस्कोवा को 6-1, 6-7(4), 6-3 से हराया। अब सेमीफाइनल में पोटापोवा का सामना मार्ता कोस्ट्युक से होगा, जिन्होंने लिंडा नोस्कोवा को 7-6(1), 6-0 से हराया। कोस्ट्युक ने पिछले साल मैड्रिड में चौथे दौर में पोटापोवा को हराया था। रूस में जन्मी आस्ट्रियाई खिलाड़ी ने मुख्य ड्रा में मिले अप्रत्याशित मौके का पूरा फायदा उठाया और उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में पूर्व विश्व नंबर-1 प्लिस्कोवा को चौंका दिया, जबकि उन्होंने तीन मैच पाइंट भी गंवाए। पोटापोवा के इस शानदार सफर में फ्रेंच ओपन की पूर्व चैंपियन जेलिना ओस्टापेंको और विश्व नंबर-2 एलेना रिबाकिना पर जीत भी शामिल है। जब उनसे पूछा गया कि क्या क्वालिफाइंग में हार के बाद उन्होंने सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद की थी तो बिना वरीयता वाली पोटापोवा ने कहा नहीं, बिल्कुल नहीं किसी भी कीमत पर नहीं। यही हमारे खेल को खूबसूरत बनाता है। मुझे दूसरा मौका मिला और अब मैं यहां हूं। मैं बहुत खुश हूं। इस समय मेरे जीवन में इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। मैच में पहले सेट में आसानी से जीत हासिल करने के बाद पोटापोवा दूसरे सेट में तीन मैच पाइंट हासिल कर आसान जीत की ओर बढ़ती दिख रही थीं। लेकिन प्लिस्कोवा ने मैच को टाईब्रेक तक पहुंचाया और स्कोर बराबर कर दिया। निर्णायक सेट में पोटापोवा 3-1 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने लगातार पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और 10वें ऐस के साथ जीत दर्ज की।

अनास्तासिया पोटापोवा ● रायटर

रोहित-कोहली के लिए एक प्रारूप खेलना दिक्कत नहीं : धवन

नई दिल्ली, प्रेट्र: अपने करियर के आखिर में स्वयं सिर्फ वनडे मुकाबले खेलने वाले शिखर धवन समझते हैं कि मैच की कमी से लय कैसे बिगड़ सकती है लेकिन उन्हें लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए यह कोई दिक्कत नहीं होगी, क्योंकि 2027 विश्व कप से पहले उनके पास खेलने के लिए काफी मैच होंगे। स्वयं के अनुभव से सीखते हुए धवन ने माना कि मैच की कमी से खिलाड़ी की लय बिगड़ सकती है। धवन ने कहा कि हां, जब आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिर्फ एक ही प्रारूप खेलते हैं तो आपकी लय बिगड़ जाती है। उन्होंने कहा कि इसलिए खिलाड़ी फिटनेस पर ध्यान देते हैं, क्योंकि आप बहुत अधिक मैच नहीं खेल रहे होते। आप रोहित और विराट की बात कर रहे हैं और वे काफी समझदार हैं।

अटैक मेरी सबसे बड़ी ताकत : प्रीति

खेल संवाददाता, नई दिल्ली : एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य आगामी एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में देश के लिए पदक जीतना है और इसके लिए वह कड़ी मेहनत कर रही हैं। रिंग में प्रीति खुद को एक आक्रामक मुक्केबाज मानती हैं और अटैक को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताती हैं। मैच से पहले वह हनुमान चालीसा पढ़ती हैं और पूजा करती हैं, जो उन्हें मानसिक मजबूती देती है।

प्रीति ने दैनिक जागरण से विशेष बातचीत में कहा, एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतना मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण था क्योंकि बीएफआइ की नीति के अनुसार इस टूर्नामेंट में जीत से एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के लिए सीधा क्वालीफिकेशन मिलता है। फाइनल में उनका सामना दक्षिण कोरिया की ओलिंपिक पदक विजेता मुक्केबाज से था, जिससे मुकाबला चुनौतीपूर्ण था। प्रीति ने कहा कि बाउट से पहले उन पर दबाव जरूर था, लेकिन कोचों के साथ मिलकर बनाई गई रणनीति ने उन्हें आत्मविश्वास दिया। प्रीति ने कहा कि एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने के बाद टारगेट ओलिंपिक पोडियन स्कीम (टाप्स) में शामिल होना उनके लिए बड़ा पल था।

प्रीति पवार ● फाइल फोटो

एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज ने कहा, अब एशियाई व राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतना लक्ष्य

क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की मजबूत टीम से भिड़ेगा भारत

थामस कप

होर्सेंस (डेनमार्क), प्रेट्र: भारत थामस कप फाइनल्स के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे की मजबूत टीम से भिड़ेगा और इस मुकाबले को जीतकर अपने दूसरे खिताब की ओर बढ़ने की कोशिश करेगा। भारत ने चार साल पहले अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए थामस कप का खिताब जीता था जो बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप है।

इस बार भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है और उसका सामना चीनी ताइपे से होगा जिसने अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीता है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जोरदार तरीके से करते हुए कनाडा को 4-1 से हराया। टीम ने इसके बाद आस्ट्रेलिया का 5-0 से शिकस्त दी। दूसरी ओर भारत की टीम काफी अच्छी लय में नजर आ रही है। उसके एचएस प्रणय सहित सिंगल्स और डबल्स दोनों ही खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

एचएस प्रणय ● बैडमिंटन फोटो

चैंपियंस लीग : एटलेटिको ने आर्सेनल को बराबरी पर रोका

फुटबाल डायरी

सेमीफाइनल के पहले लेग में आर्सेनल और एटलेटिको दोनों ने ही पेनाल्टी पर किया गोल, दोनों के बीच 1-1 से ड्रा हुआ मुकाबला

मैड्रिड, एपी: चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के पहले लेग में बुधवार को एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच मुकाबला पीएसजी और बायर्न म्यूनिख के बीच हुए नौ गोल वाले मुकाबले जैसा आतिश न रहा हो, लेकिन यह मैच भी रोमांच और जोश से भरा रहा। आर्सेनल और एटलेटिको दोनों ने ही पेनाल्टी गोल करके 1-1 से ड्रा खेला। इससे पहले पेरिस में मंगलवार को इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में गत चैंपियन पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख को 5-4 से हराया था।

विक्टर ग्योकेरेस ने 44वें मिनट में पेनाल्टी किक को गोल में बदलकर आर्सेनल को बढ़त दिलाई। वहीं जूलियन अल्वारेज ने 56वें मिनट में पेनाल्टी स्पाट से ही एटलेटिको के लिए बराबरी का गोल किया। 78वें मिनट में आर्सेनल को एक और पेनाल्टी मिली, जब डेविड हेंको ने एबेरेची एजे को पेनल्टी एरिया के अंदर गिरा दिया, लेकिन वीडियो रिव्यू में इसे रद कर दिया।

पेनाल्टी स्पाट पर गोल करते एटलेटिको मैड्रिड के जूलियन अल्वारेज ● एपी

रीयल की एक चूक से खिताब जीत सकता है बार्सिलोना

बार्सिलोना, एपी: अगर बार्सिलोना अपनी जीत की लय बरकरार रखता है और रीयल मैड्रिड को एक और झटका लगता है, तो बार्सिलोना इस सप्ताहांत लगातार दूसरा स्पेनिश फुटबाल टूर्नामेंट ला-लीगा का खिताब जीत सकता है। पांच मैच बाकी रहते हुए बार्सिलोना, मैड्रिड से 11 अंकों से आगे है। वहीं अगर बार्सिलोना शनिवार को ओसासुना को हरा देता है और रीयल रविवार को एस्पेनयोल को हरा दे, तो खिताब की दौड़ कम से कम एक और दौर तक जारी रहेगी।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

दैनिक जागरण
सप्तरंग
मनोरंजन की दुनिया का

शुक्रवार, 1 मई, 2026

एआइ ने साकार की मेरी कहानी

गपशप

शार्ट फिल्मों के बढ़ते क्रेज के बीच अभिनेता वत्सल सेठ की शार्ट फिल्म 'हैप्पी बर्थडे जोशी' यूट्यूब पर रिलीज हुई है। खास बात यह है कि यह तैयार हुई है पूरी तरह एआइ की मदद से...

शार्ट फिल्मों के इस दौर में अभिनेता वत्सल सेठ एआइ से बनी शार्ट फिल्म 'हैप्पी बर्थडे जोशी' लेकर आए हैं, जो यूट्यूब पर रिलीज हुई है। इसे उनकी ही एआइ कंपनी ने बनाया है। इस फिल्म का लेखन और एक पात्र के लिए डबिंग वत्सल ने ही की है। वर्ष 1990 की शुरुआत में भारत में उत्पन्न पहले वैश्विक कंप्यूटर वायरस पर बनी इस फिल्म को लेकर वत्सल कहते हैं, 'एआइ के कारण मेरी सालों पहले लिखी यह कहानी बन पाई है। मैं जब स्कूल में था, तब से मुझे इस वायरस के बारे में पता था। मुझे लगा कि इस पर कहानी बननी चाहिए। मैंने कहानी लिखी, लेकिन हमारे यहां शार्ट फिल्मों का इतना बड़ा मार्केट नहीं है, तो बन नहीं पाई। डेढ़ साल पहले मैंने अजय (देवगन) सर के साथ मिलकर एआइ कंपनी बनाई। वह भी कहानी सुनकर उत्सुक थे। उन्हें लगा कि आगे एआइ का भविष्य है, इसे अपनाना चाहिए। हम तो एआइ से बनी फिल्म पर भी काम कर रहे हैं, जो बाक्स आफिस पर रिलीज होगी।'

फिल्मों में एआइ के बढ़ते प्रभाव को लेकर वत्सल कहते हैं, 'इंडस्ट्री को कोई खतरा नहीं है कि यह काम छीन लेगा। एआइ को चलाने के लिए भी लोग चाहिए। यह कहानी बताने का बस एक नया उपकरण है। जो लोग बजट या दूसरी दिक्कतों की वजह से अपनी कहानी नहीं कह पा रहे थे, अब वह कह पाएंगे।'

'हैप्पी बर्थडे जोशी' में किरदार को जब कोई जन्मदिन पर विश नहीं करता है, तो वह वायरस बनाता है, जो कंप्यूटर को तब तक शुरू होने से रोकता था, जब तक कि यूजर हैप्पी बर्थडे जोशी टाइप नहीं करता। क्या कभी वत्सल के साथ ऐसा हुआ है कि वह इंतजार करते रह गए और उन्हें जन्मदिन पर किसी ने बधाई नहीं दी? इस पर वह हंसते हुए कहते हैं, 'मेरे साथ बिल्कुल उल्टा हुआ था। मैं स्क्रीन के पीछे काफी बोरिंग सा आदमी हूं। एक बार मेरे जन्मदिन पर 12 बजे इशिता और कुछ दोस्त मुझे विश करने आ गए थे। पर मैं तो 11 बजे ही सो गया था!'

प्रियंका सिंह

@vatsalsheth (इंस्टा.)

मनोरंजन के हर अपडेट और खबरों के लिए इस क्यूआर कोड को स्कैन करें।

आमने-सामने

ऐसा होगा मेरा एक दिन

अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण की दुनिया में अपना लोहा मनवाने वाले मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने इस बार अपने बेटे जुनैद खान और साई पल्लवी की फ्रेश जोड़ी को फिल्म 'एक दिन' में पिरोया है। थाई फिल्म 'वन डे' की यह रीमेक 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आमिर खान की स्मिता श्रीवास्तव के साथ हुई बातचीत के अंश...

'एक दिन' में रोमांस की नई ताजगी लेकर आएंगे जुनैद खान व साई पल्लवी

फिल्म प्रमोशन के दौरान भावुक नजर आए आमिर खान

● बतौर निर्माता लगान आपकी पहली फिल्म थी। अब 25 साल बाद अपने बेटे के लिए फिल्म प्रोड्यूस कर रहे हैं। निर्माता के तौर पर क्या चीजें सीखीं?

बचपन में मैंने अब्बाजान को फिल्में प्रोड्यूस करते हुए देखा था। मैं उस दुनिया से बहुत डरता था। प्रोड्यूसर इतनी मेहनत करता है और उसे सिर्फ गालियां मिलती हैं। जब आप अच्छा काम करते हैं, तो उसका क्रेडिट किसी और को मिल जाता है। इसलिए मैं हमेशा कहता था कि मैं प्रोड्यूस नहीं करूंगा, लेकिन मुझे 'लगान' प्रोड्यूस करनी पड़ी, क्योंकि मुझे उसकी कहानी पसंद आ गई थी। हिंदी सिनेमा के लिए, खासकर मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा के लिए, यह एक बहुत ही अलग तरह की फिल्म थी। आज तक मैंने जितनी भी फिल्में प्रोड्यूस कीं, मेरी हमेशा यही कोशिश रही कि कहानी को ईमानदारी के साथ पर्दे पर उतारा जाए।

● आपने जुनैद को लांच करना जरूरी नहीं समझा?

न जुनैद वैसे हैं कि चाहेंगे कि मैं उन्हें लांच करूं, न ही मैं वैसा हूं। मैं लांच में यकीन नहीं करता हूं। मेरी जिम्मेदारी दर्शकों की तरफ है। उन्हें लगना चाहिए कि आमिर ने अपनी पूरी ताकत लगा दी। इस फिल्म में भी जुनैद ने अपनी भूमिका को बहुत अच्छे से निभाया है। वो कोई हीरोइक किरदार नहीं है, सीधा-सादा शर्मीला लड़का है। जुनैद इस भूमिका के लिए उपयुक्त लगे। वह अपना करियर खुद बनाएंगे और खुद आगे बढ़ाएंगे।

● आपकी बायोपिक बने, तो किस एक्टर को उसमें देखना चाहेंगे?

पता नहीं मेरी जिंदगी इतनी खास है भी कि नहीं कि बायोपिक बननी चाहिए। खैर, अगर कोई बनाना चाहे तो बना सकता है मैं क्या कहूं! संभवतः किसी नए कलाकार को इसे करना चाहिए।

● इन दिनों आपने गायन भी सीखना शुरू कर दिया है...

हां, मुझे हमेशा से इसमें दिलचस्पी रही है। मैं हालांकि इतना अच्छा नहीं गाता हूं, फिर लगा मुझे सीखना तो चाहिए। करीब ढाई साल हो गए हैं, इंडियन क्लासिकल सीख रहा हूं।

● आपको मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहा जाता है, लेकिन अगर आपको एक ऐसा दिन मिले, जिसमें कोई परफेक्शन न हो तो क्या आप उसे एंज्वाय करेंगे?

हां, बिल्कुल करूंगा। वैसे भी मैं जिंदगी पूरे जोश के साथ जीता हूं। जो भी करता हूं, उसमें अपना पूरा योगदान देता हूं। चाहे फिल्ममेकिंग हो या कुछ और।

● फिल्मों में प्लेबैक सिंगिंग से ब्रेक लेने के बाद गायक अरिजीत सिंह से मिलने आप उनके घर गए थे। आपने भी 'लाल सिंह चड्ढा' के दौरान ब्रेक लेने का सोचा था। क्या बातचीत हुई थी आप दोनों में?

कोविड के दौरान जब 'लाल सिंह चड्ढा' आधी शूट हो चुकी थी, यह फैसला मैंने तब ही ले लिया था। मुझे खुशी है कि जुनैद और बेटी आयरा ने मेरा मन बदला। उस वजह से मेरे अंदर बहुत बड़ी तब्दीली भी आई। मैंने उसके बाद परिवार को बहुत टाइम देना शुरू किया। वरना मेरे जेहन में सिर्फ काम के विचार ही चलते थे।

● ...और अरिजीत

वो हमेशा से हमारी फिल्म के गीत गाने वाले थे। मेरी उनसे पहले से बात हो चुकी थी कि हम लोग मुर्शिदाबाद आएंगे और साथ रिकार्डिंग करेंगे। इस फिल्म के पांचों गीतों में उनका कुछ न कुछ हिस्सा है। हमारे जाने से करीब एक सप्ताह पहले उन्होंने ऐलान किया कि फिल्मों के लिए गाना बंद कर रहे हैं। मैंने उन्हें फोन किया कि हम लोग आएं या नहीं, तो उन्होंने कहा हमारा कमिटमेंट है तो आप जरूर आइए!

दिल से

लाइन में लगकर आया हूं

अमेजन प्राइम की नई वेब सीरीज 'सपने वर्सेज एव्रीवन 2' आज रिलीज हो गई है। इसके लीड एक्टर परमवीर सिंह चीमा के लिए यह सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी का आईना है...

कुछ रोल पुराने दिनों की याद दिला देते हैं। अभिनेता परमवीर सिंह चीमा के लिए वह रोल अमेजन प्राइम वीडियो पर आज रिलीज हो रही वेब सीरीज 'सपने वर्सेज एव्रीवन 2' के दूसरे सीजन का रहा है। शो में वो संघर्षरत अभिनेता के साथ कास्टिंग एजेंसी में पार्ट टाइम नौकरी करते हैं। वह समझते हैं कि किस रोल के लिए कौन सा अभिनेता फिट है, कौन नाट फिट।

यह दोनों शब्द 'तेरे इश्क में' और 'बार्डर 2' जैसी फिल्में कर चुके परमवीर ने अपने आडिशन के दिनों में भी खूब सुने हैं। उन दिनों की यादों को ताजा करते हुए वह कहते हैं, 'मुंबई के म्हाडा इलाके में आडिशन के लिए मैं सुबह 11 बजे लाइन में लग जाता था। कई बार शाम के चार बजे अंदर जाने की बारी आती थी। अंदर जाते ही आडिशन लेने वाला कह देता था कि नाट फिट, तब दुख होता था कि फिर इतनी देर क्यों इंतजार करवाया। फिर वह आदत बन गई थी। मैं जैसे-तैसे अंदर जाकर पहले ही पूछ लेता था कि देख लो फिट हूं या नहीं। अगर फिट हूं, तो लाइन में खड़ा हो जाऊंगा। तब लगता था कि कहीं वो मेरे साथ भेदभाव तो नहीं कर रहा, कभी लगता कि कहीं मुझमें कोई दिक्कत तो नहीं। फिर धीरे-धीरे इस प्रक्रिया को समझने लगा। कोविड के बाद सब कुछ वर्चुअल हो गया तो तस्वीर भेजकर ही पता चल जाता था कि फिट हैं या नाट फिट। खैर, अब मुझे पता है कि बतौर कलाकार तो मैं फिट हूं। कुछ समझदार कास्टिंग निर्देशक होते हैं, जो कलाकार को तभी बुलाते हैं, जब उनको पता होता है कि वह उस रोल में जमेगा।'

सीरीज में सपनों की बात हो रही है। परमवीर का अभिनय करने का सपना तो पूरा हो गया है, अब उन्होंने एक और सपना देखा है। वह बताते हैं, 'अभी तक मैंने जो रोल किए हैं, वह थोड़ा सा नान हीरोइक रहे हैं। मैं हमेशा हीरो वाले पल को स्वाभाविक बनाने की कोशिश करता हूं, लेकिन अब एक्शन वाले हीरोइक रोल को एक्सप्लोर करना चाहता हूं।'

प्रियंका सिंह

@paramvircheema07 (इंस्टा.)

सीधी बात

सेट पर खेले खूब खेल

निर्देशक प्रियदर्शन की अगली बड़ी फिल्म "हैवान" का सेट किसी स्टेडियम से कम नहीं है। इस फिल्म की अभिनेत्री सैयामी खेर ने प्रियंका सिंह के साथ साझा की इसके सेट की कहानी...

सेट पर जब समय हो और वह वक्त किसी खेल को खेलते हुए बीते, तो उससे मजेदार और सेहत के लिए अच्छी बात भला क्या हो सकती है। अभिनेत्री सैयामी खेर के लिए भी फिल्म 'हैवान' का सेट कुछ ऐसा ही था। निर्देशक प्रियदर्शन निर्देशित इस फिल्म में सैयामी अभिनेता अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

'हैवान' का पोस्टर

अक्षय फिटनेस का खास ध्यान रखते हैं, सैयामी भी वैसी ही हैं। ऐसे में सेट के माहौल को लेकर वह कहती हैं, 'मेरा और अक्षय सर का फिटनेस शेड्यूल अलग है। मैं आयरनमैन ट्रायथलान के लिए भी तैयारी कर रही हूं, लेकिन उनके साथ मजा इसलिए आता था, क्योंकि वह कोई न कोई खेल खेलते हैं। सेट पर अगर बारिश हो रही होती थी, लाइटिंग या लंच के बाद जब शूट रुकती थी, तो हम कैच-कैच, टेबल टेनिस, क्रिकेट खेलते थे। ये सिलसिला फिल्म के बाद भी चला, रविवार को कई बार वह अपनी बिल्डिंग में वालीबाल खेलने बुला लेते थे। अक्षय सर बेहद प्रतिस्पर्धी हैं। उन्हें हारना पसंद नहीं। खैर, खेल में यह स्पिरिट जरूरी भी है। सेट का माहौल भी कमाल का था। प्रियदर्शन सर सुबह शूट करना पसंद करते हैं। मैं तो बचपन से सुबह उठने वालों में से रही हूं। अक्षय और सैफ सर भी समय पर पहुंच जाते थे। इस सेट पर सब कुछ ताजगी भरा था, क्योंकि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में ऐसा होता ही नहीं है कि सब समय पर आ जाएं।'

सेट पर अक्षय से सीखी बातों के बारे में सैयामी बताती हैं, 'मैंने उनके साथ फिल्म में बहुत ज्यादा एक्शन तो नहीं किया है, लेकिन एक्शन को लेकर बातें खूब हुईं। सभी को पता है वह अपने स्टंट्स खुद करते है। वह सेट पर सबके साथ एक जैसे ही मिलते-बातें करते हैं। उनसे जमकर मेहनत करना और समय की पाबंदी सीखी है। उनके साथ एक एक्शन फिल्म करना चाहती हूं।'

बड़े बजट की कामर्शियल फिल्म सैयामी के करियर में कितना मायने रखती है? इसे लेकर वह कहती हैं, 'अक्षय और सैफ सर 'टशन' फिल्म के बाद साथ आ रहे हैं। प्रियदर्शन सर की 99वीं फिल्म है। इन सबको बचपन से देखा है। मैंने सैफ सर के साथ 12 साल पहले विज्ञापन किया था। इन सबके साथ जुड़ना सम्मान की बात है। बाकी मैं अपने हर प्रोजेक्ट से सीखती हूं।'

@saiyami (इंस्टा.)

आज का भविष्यफल-1 मई, 2026 शुक्रवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: वैशाख मास शुक्ल पक्ष पूर्णिमा। **राहुकाल:** प्रात: 10:30 से 12 बजे तक। **दिशाशूल:** पश्चिम **पर्व एवं त्योहार:** वैशाख पूर्णिमा, बुध पूर्णिमा। **भद्रा:** प्रात: 10:01 बजे तक। **विशेष:** मई दिवस

कल 2 मई, 2026 का पंचांग

दिशाशूल: पूर्व **विशेष:** ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष प्रारंभ। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा 24 घंटे 51 मिनट तक, तत्पश्चात द्वितीया में। विशाखा नक्षत्र 29 घंटे 24 मिनट तक, व्यतिपात योग 21 घंटे 45 मिनट तक, तत्पश्चात वरियान योग तुला में चंद्रमा 24 घंटे 30 मिनट तक तत्पश्चात वृश्चिक में।

मेष: जीवनसाथी का भरपूर सहयोग रहेगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

वृष: व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

मिथुन: बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा, लेकिन संतान के कारण चिंतित रहेंगे।

कर्क: निजी सुख में व्यवधान रह सकता है। भाषा पर नियंत्रण रखें। सेहत का ध्यान रखें।

सिंह: व्यावसायिक मामलों में प्रगति होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।

कन्या: जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य मिलेगा। आर्थिक मामलों में सुधार होगा।

तुला: व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। रिश्तों में निकटता आएगी।

वृश्चिक: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई ऐसी बात हो सकती है जो आपके हित मे न हो।

धनु: प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी।

मकर: जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सत्ता का सहयोग रहेगा। रिश्तों में निकटता आएगी।

कुंभ: व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में प्रगति होगी।

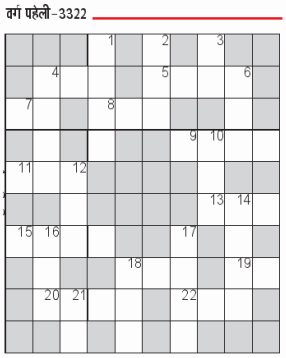

मीन: आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।

वर्ग पहेली-3322

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं:-
4. जमीन पर बनाई गई रेखा (3)।
5. उखाड़ना, नोचना (4)।
7. सूत, डोरा (2)।
8. तीन घंटे का समय (3)।
9. नयापन, नवीनता (4)।
11. कर्म, करतूत (3)।
13. सिखों के एक प्रसिद्ध गुरु (3)।
15. तालाब, पोखरा, झील (4)।
18. स्थिर, खड़ा, विद्यमान (3)।
19. रुधिर, खून (2)। 20. थोड़ा-सा (4)।
22. अरुचिकर, बिना रस का (3)।

ऊपर से नीचे:-
1. घोड़े की बहुत तेज चाल (4)।
2. बारह राशियों में से दसवीं राशि (3)।
3. पांव, टांग (2)।
4. एक के बाद एक (4)।
6. नाग की मादा (3)।
10. तेल या घी में छानना (3)।
12. बिना, शब्द का (3)।
14. साहित्य के प्रधान नौ रस (4)।
16. मनोरंजक (3)।
17. जाने योग्य (4)।
18. नियम, विधान, क्रम (3)।
21. एक प्रकार का तिलहन (2)।

कल का हल

सुडोकू-3322

1		3	6		4	5		9
				5				
9		5			7			2
		8	7		3			
3	6					4		
		4		6			3	
4				7		9		3
		9	4				5	
8		6		2			1	

कल का हल

8	6	3	2	7	5	4	1	9
1	2	5	4	9	8	3	6	7
4	9	7	6	3	1	8	5	2
2	5	9	3	8	4	1	7	6
3	7	1	9	2	6	5	8	4
6	8	4	1	5	7	9	2	3
5	3	2	8	6	9	7	4	1
9	1	8	7	4	2	6	3	5
7	4	6	5	1	3	2	9	8

हिमपात के बीच आदि कैलास यात्रा आज से, 80 इनरलाइन परमिट जारी

पिथौरागढ़ जिले में स्थित आदि कैलास का दृश्य। सौ. केएमवीएन

जागरण संवाददाता, पिथौरागढ़

ताजे हिमपात के बीच पवित्र आदि कैलास यात्रा एक मई से विधिवत आरंभ होगी। उत्तराखंड में पिथौरागढ़ प्रशासन ने यात्रा के सफल संचालन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इनरलाइन पार करने के लिए आए 160 आवेदनों में से गुरुवार को 80 लोगों को परमिट भी जारी हो चुके हैं। उच्च हिमालय में लगातार तीन दिन से हो रही वर्षा व हिमपात को देखते हुए प्रशासन ने यात्रियों से मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा करने की सलाह दी है।

हिमाचल के मंदिरों से हटे सरकारी नियंत्रण

जागरण संवाददाता, शिमला

- विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद ने उठाया मामला
- प्रदेश के मंदिरों में सालाना 200 करोड़ से अधिक का चढ़ता है चढ़ावा

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने हिमाचल सरकार से प्रदेश के मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग उठाई। उन्होंने शिमला में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, जहां अन्य धार्मिक समुदायों को अपने पूजा स्थलों के संचालन की स्वतंत्रता है, लेकिन हिमाचल में 37 प्रमुख हिंदू मंदिर अभी भी सरकार के अधीन हैं, ये उचित नहीं है।

उन्होंने कहा, हिमाचल प्रदेश हिंदू सार्वजनिक धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम 1984 के तहत मंदिरों का संचालन सरकारी हस्तक्षेप में हो रहा है। आरोप लगाया कि सरकार द्वारा नियुक्त न्यासी स्वतंत्र निर्णय नहीं ले पाते और मंदिरों के चढ़ावे का एक बड़ा हिस्सा प्रशासनिक कार्यों में खर्च किया जाता है। इस मामले में हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट को भी हस्तक्षेप करना पड़ा है। उन्होंने दावा किया कि इन मंदिरों में हर वर्ष करीब 200 करोड़ रुपये से अधिक का चढ़ावा आता है, जिसे श्रद्धालु मंदिर विकास, सेवा और धार्मिक कार्यों के लिए देते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में इन मंदिरों की आय 200.59 करोड़ रुपये रही, जबकि 346.26 करोड़ सावधि जमा में हैं। यह धन हिंदू समाज का है और इसका उपयोग केवल धार्मिक व सामाजिक कार्यों में होना चाहिए। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के शिमला के जिलाध्यक्ष डा. रूपराम शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

शिमला में पत्रकारों से बातचीत करते विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे। जागरण

अवैध कब्जों और मतांतरण पर जताई चिंता

संगठन का आरोप है कि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे कर धार्मिक ढांचे खड़े किए जा रहे हैं। संजौली, मंडी सहित कई स्थानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने सरकार से इस पर सख्त कार्रवाई की मांग की। परांडे ने लव जिहाद और अवैध मतांतरण के मुद्दे को गंभीर बताते हुए कहा कि इससे सामाजिक संतुलन प्रभावित हो रहा है। आरोप लगाया कि शिमला, मंडी, कुल्लू, चंबा, ऊना, नूरपुर व नालागढ़ से इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। परिषद ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आंदोलन शुरू किया जाएगा।

लद्दाख में भगवान बुद्ध की पवित्र स्मृतियों को नमन करेंगे शाह

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

- दो दिवसीय दौरे पर लेह पहुंचे गृह मंत्री, बुद्ध पूर्णिमा पर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में शामिल होंगे

लद्दाख में विकास को तेजी देने के साथ बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध की पवित्र स्मृतियों (अवशेषों) के दर्शन करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर लेह पहुंचे। शाह शुक्रवार बुद्ध पूर्णिमा पर चोगलमसर के जेवेत्सल में प्रदर्शित भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के पहली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। प्रदर्शनी में दुनियाभर से श्रद्धालु भगवान बुद्ध की पवित्र स्मृतियों के प्रति श्रद्धा अर्पित करेंगे। प्रदर्शनी 14 मई तक चलेगी। बता दें कि भगवान बुद्ध की पवित्र स्मृतियां बुधवार नई दिल्ली से लेह लाई गई थी। गृह मंत्री दोपहर एक बजे सीमा सुरक्षा बल के विशेष विमान से लेह पहुंचे।।

गृह मंत्री कारगिल में 10 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले डेरी प्लांट की आधारशिला रखने के साथ लेह में दही व पनीर उत्पादन सहित नई डेरी प्रसंस्करण इकाइयों का उद्घाटन करेंगे। लद्दाख में दूध प्रसंस्करण क्षमता बढ़ाने, कोल्ड-चेन प्रणालियों को सुदृढ़ करने व स्थानीय डेरी किसानों के लिए बाजार संपर्क का दायरा बनाने के विभिन्न डेरी परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास होगा। क्षेत्र में सहकारी डेरी संचालन के आधुनिकीकरण के लिए डिजिटल व संस्थागत पहलों के शुभारंभ के साथ बाजार संपर्क को बढ़ाने के लिए डेरी उत्पादों के विपणन व वितरण के लिए सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर भी होंगे। गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा कि यह मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है कि मैं बुद्ध पूर्णिमा पर एक मई से शुरू होने वाली भगवान बुद्ध की पवित्र स्मृतियों की पहली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में शामिल हो रहा हूं। गृह मंत्री के लद्दाख दौरे से ठीक पहले पांच नए जिले के गठन का अहम फैसला भी हुआ है।

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

शुक्रवार,1 मई, 2026

आजकल

www.jagran.com

पृथ्वी के चारों ओर तीव्र विकिरण बेल्ट की खोज की घोषणा की गई

1958 में आज ही अमेरिकी विज्ञानी डा. जेम्स वैन एलन ने सार्वजनिक रूप से पृथ्वी के चारों ओर मौजूद तीव्र विकिरण बेल्ट की खोज की घोषणा की थी। इसका पता उन्होंने एक्सप्लोरर 1 व एक्सप्लोरर 3 उपग्रहों पर तैनात किए गए उपकरणों द्वारा लगाया था।

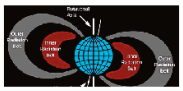

नेपच्यून के दूसरे चंद्रमा 'नेरीड' की खोज की गई

अमेरिकी खगोलशास्त्री जेरार्ड कुइपर ने 1949 में आज ही नेपच्यून के दूसरे चंद्रमा नेरीड की खोज की थी। यह सौरमंडल के सबसे अजीब चंद्रमाओं में से एक है क्योंकि इसकी कक्षा बहुत अधिक फैली हुई है। यह आज भी खगोलविदों के लिए एक रहस्य है।

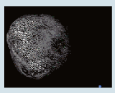

नेकराम शर्मा ने बिना रसायनों के खेती कर कृषि क्षेत्र को दिखाई नई राह

प्रसिद्ध किसान नेकराम शर्मा का जन्म 1964 में आज ही को हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में हुआ था। मनचाही नौकरी न मिलने के बाद खेती की ओर रुख किया। कीटनाशकों के हानिकारक प्रभावों को देखने के बाद, 1993 में रासायन मुक्त प्राकृतिक खेती शुरू की और विलुप्त हो रही 'नौ अनाज' की पारंपरिक फसल प्रणाली को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह एक मिश्रित कृषि पद्धति है जिसमें एक ही जमीन पर नौ प्रकार के अनाज उगाए जाते हैं। इन फसलों में मसूर, अनाज, सब्जियां, दलहन और लताएं शामिल हैं। जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए उन्हें वर्ष 2023 में पद्मश्री मिला।

मई से मौसम को प्रभावित करना शुरू करेगा अल नीनो

पूर्वानुमान जारी ▶ विज्ञानियों ने भारतीय मानसून को आने वाले समय में प्रभावित करने की जताई संभावना

रमेश चंद्रा ● जागरण

नैनीताल : एक ओर ग्लोबल वार्मिंग से धरती का ताप बढ़ रहा है तो वहीं गर्मी का पर्याय बन चुका अल नीनो भी दस्तक देने जा रहा है। अल नीनो के कारण वैश्विक तापमान बढ़ने के साथ ही विज्ञानी हीट वेव की संभावना भी जता रहे हैं।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ पर्यावरण विज्ञानी डा. नरेंद्र सिंह का कहना है कि दुनिया के मौसम को प्रभावित करने वाला अल नीनो मई में सक्रिय होने जा रहा है। अभी तक अनुमान लगाया जा रहा था कि यह जून-जुलाई में सक्रिय होगा, लेकिन अब विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने इसके मई से सक्रिय होने का पूर्वानुमान जारी कर दिया है। मई शुरुआत से ही इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। इसके असर से भारतीय मानसून भी अछूता नहीं रहेगा। जिस कारण मानसूनी बारिश की मात्रा कम होगी। इधर, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने भी मानसूनी बारिश में छह प्रतिशत तक कम रहने का पूर्वानुमान जारी कर दिया है। डा नरेंद्र सिंह के अनुसार इस बार के मानसून पर भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के पर्यावरण और मौसम विज्ञानियों की नजर रहेगी। क्योंकि जलवायु परिवर्तन ने मानसून को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि मानसून की दिशा बदलने लगी है। अब यह उन स्थानों में भी बरसने लगा है, जहां सूखा रहता था। इसके अलावा कुछ हिस्सों में कम पानी बरस रहा है। कम बारिश के कारण कृषि पर नकारात्मक असर पड़ता है, जिससे खाद्यान्न उत्पादन कम हो सकता है।

अल नीनो। फाइल

सुपर अल नीनो में विकसित हो सकेगा

डा नरेंद्र सिंह ने बताया कि इस अल नीनो के सुपर अल नीनो में विकसित होने की भी संभावना जताई जाने लगी है। यदि यह सुपर अल नीनो में विकसित हुआ तो गर्मी का प्रकोप अधिक बढ़ जाएगा। साथ ही सूखे की स्थिति अधिक बनेगी। अल नीनो के दौरान उष्णकटिबंधीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सतह का तापमान लगातार कई महीनों तक औसत से 0.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता है। यदि तापमान बहुत अधिक बढ़ा तो सुपर अल नीनो की परिस्थितियां बन जाएगी। यद्यपि अभी सुपर अल नीनो बनने की संभावना कम ही है।

इधर-उधर

बंदरों ने सीखा जंक फूड के नुकसान को कम करना

मिट्टी खाकर पेट की गड़बड़ी को करते हैं शांत ● इंटरनेट मीडिया

लंदन, एजेंसी: ब्रिटेन के जिब्राल्टर में रहने वाले बंदरों ने ऐसा अनोखा तरीका खोज निकाला है जिससे वे बिना स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाए चाकलेट, चिप्स और आइसक्रीम जैसे खाद्य पदार्थ का सेवन कर सकते हैं। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार ये बंदर पर्यटकों द्वारा दिए गए या चुराए गए स्नैक्स से होने वाली पेट की गड़बड़ी को मिट्टी खाकर शांत करते हैं। मिट्टी खाने से आंतों की परत मजबूत होती है, जिससे जलन को रोका जा सकता है। शोध में 230 बंदरों को अधिक मिट्टी खाते हुए देखा गया।

एलेक्सिथिमिया पीड़ितों को दर्द से दैनिक जीवन में होती है कठिनाई

अनुसंधान

अमेरिका के जान्स हापकिंस मेडिसिन के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में पाया गया कि जो लोग अपनी भावनाओं को पहचानने और उनका वर्णन करने में संघर्ष करते हैं, उन्हें समय के साथ बढ़ते मनोवैज्ञानिक तनाव के कारण दर्द से दैनिक जीवन में अधिक व्यवधान का सामना करना पड़ता है। अध्ययन में यह जांच की गई कि एलेक्सिथिमिया (भावनाओं को पहचानने और व्यक्त करने में कठिनाई) दर्द के परिणामों को कैसे प्रभावित करता है। यह अध्ययन उन पहले अध्ययनों में से एक है, जो दर्शाता है कि यह प्रभाव समय के साथ कैसे और कब सामने आता है।

पुराना दर्द अक्सर मनोसामाजिक कारकों का परिणाम होता है, जिसमें दर्द के प्रति व्यक्ति की भावनात्मक प्रतिक्रिया और मुकाबला करने की तंत्र जैसी संज्ञानात्मक प्रक्रियाएं शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने हेल्थ साइकोलाजी पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में लिखा, "एलेक्सिथिमिया का मनोवैज्ञानिक तनाव के माध्यम से दर्द के हस्तक्षेप पर महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।" शोधकर्ताओं ने पुराने दर्द से पीड़ित रोगियों में एलेक्सिथिमिया के उच्च स्तर को दर्द की अधिक तीव्रता, शारीरिक हस्तक्षेप, अवसाद और चिंता से जोड़ा। साक्ष्य बताते हैं कि पुराने दर्द के उपचार में एलेक्सिथिमिया को लक्षित करके कम किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने लंबे समय से दर्द से परेशान 1,450 से अधिक रोगियों का सर्वे और फालोअप किया। (प्रेट्र)

चैटजीपीटी इमेज 2.0 को खूब पसंद कर रहे भारतीय यूजर्स

नई दिल्ली, आइएएनएस : ओपनएआइ द्वारा चैटजीपीटी इमेज 2.0 लांच करने के महज एक हफ्ते बाद ही भारत इस प्लेटफार्म का सबसे बड़ा यूजर बेस बन गया है। चैटजीपीटी इमेज 2.0 में किए गए महत्वपूर्ण तकनीकी सुधारों के कारण इसकी लोकप्रियता में तेजी से वृद्धि हुई है। यह माडल न्यूनतम संकेतों से ही काफी डिटेल विजुअल्स पैदा कर सकता है। इसका प्रयोग कई तरीके से किया जा सकता है।

▶ **न्यूनतम संकेतों से ही काफी डिटेल विजुअल्स पैदा कर सकता है यह माडल**

हालांकि जो बात सबसे खास है, वह यह कि भारतीय यूजर एआइ इमेज जनरेशन के उद्देश्य को किस तरह पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। वे इसे रचनात्मकता, पहचान और डिजिटल कहानी कहने के एक टूल में बदल रहे हैं। एआइ को उत्पादकता बढ़ाने वाले साधन के रूप में देखने की पारंपरिक अपेक्षाओं के विपरीत यूजर्स इस नए इमेज माडल को आत्म-अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में अपना रहे हैं।

एनिमेशन-शैली के पोर्ट्रेट और सिनेमाई हेडशाट से लेकर काल्पनिक समाचार पत्र कवर और टैरो से प्रेरित दृश्यों तक इसकी मदद से बनाए जा रहे हैं। विशेष रूप से युवा इसे अपनी व्यक्तिगत ब्रांडिंग करने के लिए प्रयोग कर रहे हैं। वे लिंक्डइन-शैली के परिष्कृत हेडशाट और पैपराजी से प्रेरित "फ्लैश" तस्वीरें आदि बना रहे हैं।

फिल्म रिव्यू

द डेविल वेयर्स प्राडा 2 ✪✪✪

प्रमुख कलाकार : मेरिल स्ट्रीप, ऐन हैथवे, एमिली ब्लंट, स्टेनली टुची

निर्देशक : डेविड फ्रेंकेल

अवधि : एक घंटा 58 मिनट

हल्की-फुल्की कामेडी के साथ वही पुराना अंदाज

मेरिल स्ट्रीप (बीच में) के हिस्से में शानदार कामेडी दृश्य आए हैं। चित्र सौ. : फिल्म टीम

वर्ष 2006 में आई हालीवुड फिल्म 'द डेविल वेयर्स प्राडा' लारेन वाइसबर्गर के उपन्यास पर आधारित थी। फिल्म ने फैशन के साथ काम और निजी जीवन के बीच संतुलन, फैशन उद्योग की कड़वी सच्चाई और सफलता के लिए स्वयं को बदलने की प्रेरणा जैसे पहलुओं को छुआ था। लगभग 20 वर्ष बाद अब सिनेमाघरों में इसकी सीक्वल 'द डेविल वेयर्स प्राडा 2' रिलीज हुई है। सीक्वल को निर्देशक डेविड फ्रेंकल अपने परिचित अंदाज में लेकर लौटे है। इस बार कहानी तीनों मुख्य महिला किरदारों के रिश्तों के नए टकरावों पर है। साथ ही सामयिक मुद्दों को भी जोड़ा गया है, जिसमें पत्रकारिता का पतन भी है।

फिल्म का आरंभ द वैनगार्ड समाचार संस्थान में काम कर रही एंडी सैक्स (ऐन हैथवे) को एक समारोह में पत्रकारिता पुरस्कार का विजेता घोषित करने से होता है। उसी समय उसके और उसके सहयोगियों के फोन पर अखबार बंद होने और उनकी नौकरियां जाने की सूचना आती है। एंडी इस मौके पर भावुक संदेश देती है। यह पत्रकारिता से ज्यादा कारपोरेट लालच के संबंध में होता है। उसका वीडियो तेजी से बहुप्रसारित हो जाता है। उधर, रनवे फैशन मैगजीन अब डिजिटल हो चुकी है। उसकी अहंकारी और कठोर संपादक मिरांडा प्रीस्टली (मेरिल स्ट्रीप) को उम्मीद है कि समूह के अध्यक्ष इर्व राविट्ज (टिबोर फेल्डमैन) उसे मीडिया कंपनी का ग्लोबल कंटेंट एडिटर बनाएंगे, लेकिन एक नकारात्मक समाचार उसकी उम्मीदों पर पानी फेर देता है। इसके बाद एंडी को इर्व रनवे की नई फीचर्स एडिटर नियुक्त करता है, ताकि वह इस संकट को संभाल सके। एंडी आफिस में काफी बदलाव देखती है। उसका लेख नकारात्मक समाचारों पर रोक लगाने में कामयाब होता है, लेकिन मिरांडा उसे कोई महत्व नहीं देती। मिरांडा की एक और पूर्व सहायक एमिली चार्लटन (एमिली ब्लंट) अब मशहूर फैशन हाउस डियोर में बतौर एग्जीक्यूटिव काम कर रही है। कहानी तब मोड़ लेती है, जब इर्व का पुत्र (बी.जे. नोवैक) कंपनी का चेयरमैन बन जाता है। अब रनवे और उसके स्वामित्व का भविष्य दांव पर है। एमिली का नया प्रेमी इसे खरीदने की तैयारी में है, लेकिन क्या ऐसा होगा? कहानी यह बताती है।

सीक्वल को मूल कहानी से ही आगे बढ़ाया गया है। इस बार पेरिस की जगह मिलान है। फिल्म में हर बड़े इवेंट में फैशन, मीडिया और मनोरंजन जगत के कई नामी-गिरामी चेहरे नजर आते हैं। एलिन ब्राश मैककेना लिखित पटकथा में कई मोड़ है, लेकिन कोई चौंकाने वाला मोड़ नहीं है। एंडी और उसके नए प्रेमी आर्किटेक्ट पीटर (पैट्रिक ब्रैमल) का प्रसंग रोचक नहीं बन पाया है। बहरहाल, यह फिल्म कामेडी में उन सच्चाइयों को भी इंगित करती है, जिन्हें आसानी से बयां करना मुश्किल होता है।

कलाकारों में मेरिल स्ट्रीप शानदार हैं। उनके हिस्से में कई शानदार कामेडी दृश्य आए हैं। ऐन हैथवे एक बार फिर एंडी की सादगी, संवेदनशीलता और तत्परता से दिल जीत लेती हैं। नाइजल किपलिंग (स्टैनली टुची) ने प्रभावी ढंग से अपनी भूमिका को निभाया है। एमिली ब्लंट का काम उल्लेखनीय है। कुल मिलाकर, यह हल्की-फुल्की कामेडी के साथ कई संदेश भी दे जाती है।

स्मिता श्रीवास्तव

✪✪✪✪✪ उत्कृष्ट ✪✪✪✪ बहुत अच्छी ✪✪✪ अच्छी ✪✪ औसत ✪ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं: feature@jagran.com

स्क्रीन शाट

प्रियंका के डांस के कारण कोरियोग्राफर ने फेंका था माइक

पैन इंडिया फिल्म वाराणसी में नजर आएंगी प्रियंका। फाइल

कुछ अनुभव ऐसे होते हैं, जो जीवन में काफी कुछ सिखा जाते हैं। देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा को भी शूटिंग सेट पर हुआ एक कड़वा अनुभव डांस सिखा गया। विश्व सुंदरी (2000) बनने के बाद जब प्रियंका ने फिल्मों में कदम रखा, तब उन्हें डांस करना बहुत अच्छे से नहीं आता था। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में प्रियंका ने एक किस्सा साझा करते हुए बताया कि जब मैंने अभिनय करना शुरू किया था, तब मैं बहुत खराब डांसर थी। मैं एक साथ अभिनय और डांस कोरियोग्राफी नहीं कर पाती थी। यह सब मेरे लिए 19-20 की उस उम्र में एक साथ करना आसान नहीं था। इस कारण सेट पर कई बार तनावपूर्ण माहौल भी बन जाता था। एक बार मैं साउथ अफ्रीका में राजू खान (कोरियोग्राफर) के साथ शूटिंग कर रही थी और बार-बार अपनी सही जगह पर नहीं पहुंच पा रही थी। वह इतने नाराज हो गए कि उन्होंने माइक फेंक दिया और कहा कि तुम भले ही पैजेंट (सौंदर्य प्रतियोगिता) से आई हो, लेकिन अभिनेत्री बनने से पहले डांस करना सीखो, वह वहां से चले गए। मैं बहुत शर्मिंदा हो गई थी। प्रियंका ने आगे बताया कि बेहतर डांसर बनने के लिए डांस सीखना शुरू किया और रोजाना छह घंटे तक अभ्यास करती थीं। जिस गाने की बात प्रियंका कर रही थीं, वह फिल्म अंदाज से आएगा मजा अब बरसात का... था, जिसमें अभिनेता अक्षय कुमार थे।

सलमान ने जब मांगा रितेश से रोल

दोस्ती अच्छी हो, तो दोस्त से हक से कुछ भी मांगा जा सकता है। इसलिए अभिनेता सलमान खान ने पूरे हक से, अपने दोस्त रितेश देशमुख से उनकी फिल्म राजा शिवाजी में सामने से रोल मांगा लिया था। सलमान फिल्म में छत्रपति शिवाजी महाराज के वफादार सहयोगी जीवा महाला के रोल में होंगे। रितेश ने अपने और सलमान के रिश्ते के बारे में बात करते हुए बताया कि जब मैंने लय भारी (मराठी फिल्म) फिल्म की थी, उसमें सलमान भी थे। उस समय उन्होंने कहा था कि मैं एक सीन करना चाहता हूं। जब मैं वेड फिल्म पर काम कर रहा था, मैंने उन्हें फोन किया और कहा कि भाई, मैं आपसे मिलना चाहता हूं। उन्होंने बस पूछा कि शूट कितने दिनों का है? मैंने कहा दो दिन और उन्होंने तुरंत हां कह दी। हालांकि मैं इस फिल्म (राजा शिवाजी) के लिए उनके पास नहीं गया था। हम नए साल पर साथ थे। उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं फिल्म की शूटिंग कब शुरू कर रहा हूं। मैंने कहा कि इस महीने से। उन्होंने पूछा कि मैं कौन सा रोल निभा रहा हूं? तुम मेरे बिना यह फिल्म नहीं बना सकते हो, मुझे इसमें होना ही है। उनका वह अपनापन व भावनाएं देख मैं सोच रहा था कि मैंने इस बारे में ठीक से सोचा भी नहीं। फिर एक किरदार तय हुआ और सलमान भी इस फिल्म का हिस्सा बन गए।

राजा शिवाजी में मेहमान भूमिका में होंगे सलमान। फाइल

...इसलिए अपने बेटे के सामने चाय नहीं पीती हैं यामी गौतम

माता-पिता की कुछ आदतें बच्चों में आ ही जाती हैं। ऐसे में कई बार माता-पिता को ख्याल रखना पड़ता है कि उन्हें अपने बच्चों के सामने कैसे पेश आना है। इस बात का ख्याल अभिनेत्री यामी गौतम भी अपने दो साल के बेटे के सामने रखती हैं। फिल्मकार आनंद एल राय की हारर कामेडी फिल्म नई नवेली में नजर आने वाली यामी बताती हैं कि मेरी मां हमेशा मुझे और मेरे भाई-बहनों को हर काम में शामिल करती थीं। मैं भी अपने बेटे के साथ भी यही करने की कोशिश करती हूं। जैसे जब मेरा योग टाइम होता, मेरे पास उसे सुबह जल्दी करने का विकल्प होता है, लेकिन मैं उसके (बेटे के) सामने अभ्यास करती हूं, जब वह उठा हो। भले ही पांच मिनट के लिए ही सही, वह मुझे देखता है। कभी-कभी आकर एक-दो आसन भी करता है। फिर बाद में मुझे वह आसन करके भी दिखाता है। एक और छोटी सी चीज है, जब भी मैं अपना मेकअप हटाती हूं, तो हल्का सा म्यूजिक चलाकर डांस करती हूं, यह मेरा छोटा सा रिवाज है। हालांकि जब मैं सुबह-सुबह अपनी गर्म चाय पीती हूं, तो फिर उस वक्त अकेले रहना पसंद करती हूं। सुबह का वह समय मैंने केवल अपने लिए रखा है।

नई नवेली होगी यामी की अगली फिल्म। फाइल

सच में चिंता है, तो काम दिलाने में मदद करें: राहुल राय

ट्रोलर्स को दिया राहुल ने करारा जवाब। इंस्टाग्राम - @officialrahulroy

ट्रोलिंग जब दुख पहुंचाए, तब उसके बारे में बात करना जरूरी हो जाता है। ऐसा ही कुछ किया आशिकी (1990) फिल्म के अभिनेता राहुल राय ने, जिन्हें उनके हाल के कुछ रील्स के लिए ट्रोल किया गया। राहुल कंटेंट क्रिएटर डा. वनिता घाडगे देसाई के साथ एक वीडियो में दिखे थे, जिसमें वह अपनी ही फिल्म फिर तेरी कहानी याद आई के गाने तेरे दर पे सनम... में एक्टिंग कर रहे थे। इसे देखने के बाद उन्हें इंटरनेट मीडिया पर ट्रोल किया गया कि उन्हें ऐसा करने की क्या जरुरत थी। जिसके बाद राहुल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं अपना काम ईमानदारी से करता हूं। मुझे कुछ कानूनी मामलों के लिए भुगतान करना है और यह आज के नहीं हैं, बल्कि उससे पहले के हैं, जब मुझे ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। अगर आप मेरी मुश्किलों का मजाक उड़ाते हैं, तो यह मेरे बारे में कम और आपके बारे में ज्यादा बताता है। अगर आपको सच में इतनी चिंता है, तो मुझे कुछ अच्छा काम दिलाने में मदद करें, ताकि मैं इन मामलों का खर्च उठा सकूं। कम से कम मैं मेहनत करके कमा रहा हूं, न कि दूसरों का मजाक उड़ाकर। ब्रेन स्ट्रोक के बाद मेरे लिए सक्रिय रहना बहुत जरूरी है। मैं जब तक जिंदा हूं, काम करना चाहता हूं। आप मुझे तोड़ नहीं सकते।' इस पोस्ट पर फरहान अख्तर, तृप्ति डिमरी, शिल्पा शिरोडकर, सोनू सूद समेत हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकारों ने टिप्पणी करते हुए उनका साथ दिया है। अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने लिखा कि आप स्टार हैं और हमेशा रहेगा।

बहुत समय पवेलियन में गुजारा, अब मौके मिल रहे हैं

सात सवाल

बतौर कास्टिंग डायरेक्टर द डर्टी पिक्चर, मिकी वायरस, गब्बर इज बैक और टायलेट : एक प्रेम कथा जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अभिषेक बनर्जी ने स्वयं को बतौर अभिनेता स्थापित किया। फिल्म स्त्री, वेब सीरीज मिर्जापुर व पाताल लोक से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। अब वह अपना पूरा ध्यान अभिनय पर दे रहे हैं। हालिया प्रदर्शित फिल्म टोस्टर में नजर आए अभिषेक के आगामी दिनों में कुछ दिलचस्प प्रोजेक्ट कतार में हैं। पेश हैं उनसे बातचीत के अंश...

@nowitsabhi

● **आपको कामेडी और खलनायिकी, दोनों तरह की भूमिकाओं के मौके मिल रहे हैं...**

-मैं यही कहूंगा कि जितने मौके मिले वो कम हैं। मैंने बहुत समय पवेलियन में गुजारा है, अब खेलने का मौका मिल रहा है, तो मन करता है कि हमेशा खेलता रहूं।

● **क्या अब इस पड़ाव पर भी लोगों और फिल्मकारों से मिलने वाली प्रामाणिकता या मान्यता महत्व रखती है?**

-मान्यता तो बहुत जरूरी है। उसके बिना आपको समझ में नहीं आता है कि आप सही जा रहे हैं या नहीं। मैं बस इतना सोचता हूं कि मेरा दिमाग हमेशा ही इतना सचेत रहे कि मुझे समझ में आता रहे कि वो प्रशंसा किसके लिए मिल रही है? कभी वो फिल्म के कारण मिलती है, तो कभी निर्देशक के कारण मिलती है। कलाकार को तो ज्यादातर प्यार उनकी भूमिकाओं के कारण मिलता है, जो कि उनकी निजी जिंदगी में भी दिखता है।

● **घरवालों ने कब माना कि लड़का अच्छा कलाकार है?**

- घरवाले आपके काम पर कभी-कभी गर्व करते हैं, लेकिन जमीन से जोड़कर रखते हैं। पापा तो अभी भी डांटकर बातें करते हैं। जब वह मुझसे बातें करते हैं तो मैं आज भी उनका वही भोला (घर का नाम) हूं, मुंबई आने से पहले था। हां, अब उनकी नजर में ठीक ठाक काम कर लिया है।

● **वेब सीरीज मिर्जापुर में कंपाउंडर का छोटा से कैमियो निभाया था, अब मिर्जापुर : द मूवी को लेकर क्या उत्साह है?**

-पहले तो मैं कंपाउंडर का रोल करना ही नहीं चाहता था, फिर किया। आज भी जना (स्त्री) और हथौड़ा त्यागी (पाताल लोक) के अलावा कंपाउंडर से भी बुलाते हैं। फिल्म में जब मुझे फिर इस भूमिका के लिए प्रस्ताव मिला, तो मेरे कई शुभचिंतकों ने कहा कि तुमने इतने अच्छे काम कर लिए हैं, फिर ये क्यों करोगे? फिर मैंने उनसे कहा कि यह भूमिका दोबारा करने का मुख्य कारण मुझे इससे मिला प्यार है।

● **इंडस्ट्री में फालोअर्स और लाइक्स के आधार पर कास्टिंग क्या कलाकारों के लिए नई चुनौती है?**

-इंडस्ट्री में कुछ नई परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं, जो कलाकारों को समझना पड़ेगा। ऐसा होगा कि कई बार सिर्फ इंटरनेट मीडिया पर फालोअर्स के कारण कोई और आपके हिस्से का काम ले जाएगा। हालांकि, हर फिल्मकार फालोअर्स देखकर कास्ट नहीं करते हैं। अगर हम फिल्म धुरंधर रिलीज होने से पहले उसके कलाकारों के फालोअर्स देखें तो हमें पता चल जाएगा, किसी के भी बहुत ज्यादा फालोअर्स नहीं थे।

● **आपने कास्टिंग निर्देशन का काम फिलहाल बंद करने का निर्णय क्यों लिया?**

-फिलहाल के लिए तो मैं कास्टिंग का काम नहीं कर रहा हूं। अगर मुझे आगे कुछ बहुत दिलचस्प मिला, तो मैं दोबारा इसमें कुछ करना चाहूंगा।

● **आगे कौन कौन से प्रोजेक्ट आ रहे हैं?**

-आगे नेटफ्लिक्स के लिए एंथोलाजी फिल्म लस्ट स्टोरीज 3 किया है। बांग्ला फिल्मों में डेब्यू करने जा रहा हूं। मिर्जापुर : द मूवी तो है ही, उसके साथ लेगेसी नामक एक तमिल वेब सीरीज भी किया है। तमिल में भी यह मेरा पहला प्रोजेक्ट है। इस साल मैं दो भाषाओं में पदार्पण करने जा रहा हूं।

(दीपेश पांडेय)

पूरा हुआ राशि का ये सपना

एक साथ कई सपने पूरे हो जाएं, तो खुशी तो होती ही है। अभिनेत्री राशि खन्ना का भी गाना गाने और एक्शन करने का सपना एक ही प्रोजेक्ट में पूरा हो गया। आठ मई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली वेब सीरीज लुक्खे में राशि पुलिस अफसर के रोल में हैं। बुधवार मुंबई में इस सीरीज के ट्रेलर लांच पर उन्हें स्टेज पर गाने का भी मौका मिला। इस मौके पर राशि ने कहा, 'गाना गाने के लिए मैं बहुत उत्सुक थी, क्योंकि यह मेरे बचपन का सपना है। बच्चे कहते हैं कि बड़े होकर टीचर बनेंगे या कुछ और बनेंगे, मैं कहती थी कि मैं सिंगर बनूंगी। लेकिन फिर एक्टिंग करने लगी, तो उससे प्यार हो गया। अब मुझे जब स्टेज पर गाना गाने का मौका मिला, तो मेरा सपना पूरा हो गया।' आगे अपने रोल गुरबानी और एक्शन करने को लेकर राशि ने कहा, 'मैंने कई भाषाओं में काम किया है, इसमें मैं पंजाबी लड़की का रोल कर रही हूं, जो मैं वास्तविक जीवन में हूं। मुझे मेरा रोल पसंद आया।'

मुंबई में वेब सीरीज लुक्खे के ट्रेलर लांच इवेंट के दौरान अभिनेत्री राशि खन्ना ● प्रेट्र